एफटीए : उद्योगों की जागरूकता के लिए होंगी 1000 बैठकें- 10

उद्धव को जन्मदिन की बधाई देने मातोश्री पहुंचे राज ठाकरे- 10

गूगल मैप ने फिर दिया धोखा, खाई में गिरी महिला की कार - 11

भारतीय बल्लेबाजों ने मैनचेस्टर टेस्ट ड्रा कराया- 12

आज का मौसम

32.0° अधिकतम तापमान

27.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.32

सूर्यास्त 07.05

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

श्रावण शुक्ल पक्ष चतुर्थी 11:24 तक उपरांत पंचमी विक्रम संवत 2082

सोमवार, 28 जुलाई 2025, वर्ष 6, अंक 248, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

मनसा देवी मंदिर में भगदड़, 8 की मौत

हरिद्वार में हुए हादसे में 30 घायल, गंभीर रूप से घायल 13 ऋषिकेश एम्स में भर्ती | मृतकों में बरेली-बाराबंकी का एक-एक और रामपुर-बदायूं के दो-दो श्रद्धालु

- करंट फैलने की अफवाह माना जा रहा प्रारंभिक कारण, मजिस्ट्रेटी जांच शुरू

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर परिसर में रविवार सुबह करीब 8:45 बजे भगदड़ मचने से बड़ा हादसा हो गया। अभी तक आठ श्रद्धालुओं की मौत की पुष्टि हो चुकी है जबकि 30 लोग घायल हैं। गंभीर रूप से घायल 13 लोगों को एम्स ऋषिकेश में भर्ती कराया गया है। मृतकों में छह उत्तर प्रदेश तो एक-एक श्रद्धालु उत्तराखंड और बिहार का है।

भगदड़ का कारण प्रारंभिक तौर पर मंदिर से करीब 100 मीटर नीचे सीढ़ियों के पास करंट की अफवाह फैलना बताया जा रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हादसे पर गहरा शोक जताते हुए मजिस्ट्रेटी जांच के निर्देश दिए हैं जिस पर डीएम हरिद्वार ने उप जिला मजिस्ट्रेट, हरिद्वार को जांच अधिकारी नामित किया है। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है जबकि मनसा देवी ट्रस्ट ने कहा कि मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपये तथा घायलों को 1-1 लाख रुपये ट्रस्ट द्वारा दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने हरिद्वार पहुंचकर घायलों का हाल जाना और चिकित्सकों को घायलों को बेहतर उपचार देने के निर्देश दिए। हरिद्वार प्रशासन के अनुसार, सुबह करीब नौ बजे भगदड़ की सूचना मिलने पर पुलिस, एसडीआरएफ व अन्य बचाव दल मौके पर पहुंचे तथा बचाव एवं राहत अभियान शुरू किया। 30 श्रद्धालुओं को अस्पताल में भर्ती कराया गया जबकि अभी तक आठ श्रद्धालुओं की मौत की पुष्टि हुई है।

मंदिर से करीब 100 मीटर नीचे सीढ़ियों के पास अचानक बिजली का करंट फैलने की अफवाह को प्रथम दृष्टया भगदड़ का कारण बताया गया। हालांकि मजिस्ट्रेटी जांच पूरी होने के बाद ही सही कारण सामने आएगा। हरिद्वार प्रशासन के अनुसार, आरुष (12) पुत्र पंकज निवासी सौदा, बरेली, विक्की (18) निवासी विलासपुर रामपुर, विशाल (19) निवासी स्वार रामपुर, वकील सिंह (43) निवासी बाराबंकी, रामभरोसे (65) और उनकी पत्नी शांति देवी (60) निवासी उरैना, दातागंज, बदायूं, विपिन सैनी (18) निवासी वसवाखेड़ी, काशीपुर और सकलदेव (18) निवासी बिहार की मौत की पुष्टि की गई है। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि राज्य सरकार शोक संतप्त परिवारों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है।

उन्होंने हरिद्वार पहुंचकर घायलों का हालचाल लेते हुए पीड़ित परिवारों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए। कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए भीड़ प्रबंधन व सुरक्षा व्यवस्था की गहन समीक्षा की जा रही है।

अस्पताल में भर्ती घायल का हाल जानते उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

यूपी के मृतक आश्रितों को दो-दो लाख सहायता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तराखंड के हरिद्वार स्थित श्री मनसा देवी मंदिर मार्ग पर हुई दुर्घटना पर गहरा शोक जताया है। कहा कि वे बेहद व्यथित हैं, उनकी संवेदनाएं शोकाकुल परिवार के लिए है। उन्होंने हादसे में बरेली, रामपुर, बदायूं और बाराबंकी के एक-एक श्रद्धालुओं की मौत पर उनके आश्रितों को दो-दो लाख की आर्थिक सहायता देने की घोषणा करते हुए अफसरों को पार्थिव शरीर उनके घर पहुंचाने के निर्देश भी दिए हैं। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच पर कहा है कि श्रद्धालुओं के निधन का समाचार अत्यंत पीड़ादायक और मन को व्यथित करने वाला है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने जताई शोक संवेदना

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तराखंड में हरिद्वार में मनसा देवी मंदिर के निकट मची भगदड़ में लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया है। मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि हरिद्वार में मनसा देवी मंदिर मार्ग पर भगदड़ में लोगों की मौत की खबर सुनकर काफी दुखी हूं। उन्होंने शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

कुशीनगर जिले में धर्मांतरण गिरोह के 8 सदस्य गिरफ्तार

लखनऊ। पुलिस ने कुशीनगर जिले के पडरौना में भी धर्मांतरण गिरोह का राजफाश किया है। दो महिलाओं समेत गिरोह के आठ सदस्य गिरफ्तार किए गए हैं। गिरोह के सदस्य अमृतसर से युवती का अपहरण कर पडरौना लाए, यहां धर्म परिवर्तन कराकर उसके आधार कार्ड भी बनवा दिए। निकाह भी करा दिया गया। युवती के पिता की तहरीर पर शनिवार को रिपोर्ट दर्ज की गई।

एसपी कुशीनगर संतोष कुमार मिश्रा ने बताया कि मूलतः तुर्कपट्टी के महुअवा बुजुर्ग निवासी ने शनिवार को पडरौना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोप लगाया कि उसकी बेटी को अमृतसर से कुशीनगर लाकर धर्मांतरण करा दिया गया। पुलिस ने रविवार तड़के युवती की बरामदगी कर आरोपियों को दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपियों में सरगना जंगल जगदीशपुर विशुनपट्टी का तौफिक अंसारी, आशिक अंसारी, आशिक का बेटा इम्तियाज, नोनिया पट्टी का मो. साहब, बड़हरागंज का जीशान कमर, साकिन नगरी का मजहर, नेबुआ नौरंगिया स्थित साकिन चखनी भोज की फातिमा और उसकी बेटी कैसर जहां शामिल हैं।

- अमृतसर से युवती का अपहरण कर बदलवाया धर्म किया निकाह

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि तुर्कपट्टी की युवती को प्रेमजाल में फंसाकर धर्म परिवर्तन करा दिया गया। सरगना तौफिक उसकी अश्लील वीडियो व धर्म परिवर्तन की रिकार्डिंग दिखाकर परिजन को ब्लैकमेल करता था। कैसरजहां और फातिमा ने पीड़िता को इस्लामिक सामग्री दिखाकर ब्रेनवॉश किया। धर्मांतरण के बाद युवती का आधार कार्ड भी बनवा लिया था। आरोपियों के पास से युवती के दो आधार कार्ड मिले हैं।

ब्रीफ न्यूज

एसआईआर पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

नई दिल्ली। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर उच्चतम न्यायालय सोमवार को सुनवाई करेगा। बिहार में इस वर्ष के अंत में विधानसभा चुनाव होना है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ इस मामले पर विचार कर सकती है। निर्वाचन आयोग ने बिहार में एसआईआर को यह कहते हुए उचित ठहराया है कि इससे मतदाता सूची से अपात्र व्यक्तियों का नाम हटाने से चुनाव की शुचिता बढ़ेगी।

बब्बर खालसा से जुड़ा तस्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) से जुड़े और इस साल की शुरुआत में पंजाब में एक थाने पर ग्रेनेड हमले में शामिल रहे 22 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि अमृतसर के चनानके गांव के रहने वाले करणबीर उर्फ करण को 26 जुलाई को गुरदासपुर से स्पेशल सेल पुलिस थाने में दर्ज शस्त्र अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया।

सुरक्षा बलों ने चार नक्सली मार गिराए

बीजापुर। छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों ने एक मुठभेड़ में चार माओवादियों (नक्सली) को मार गिराया है। बीजापुर के पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र यादव ने बताया कि बीजापुर जिले के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में सागुड़ा एवं गंगलूर थाना के सरहदी जंगलों माओवादियों की मौजूदगी पर डीआरजी बीजापुर ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया। मुठभेड़ में दक्षिण सब जोनल ब्यूरो के 04 माओवादी मारे गए। सभी पर 5 लाख रुपये का इनाम घोषित था।

आधे अभ्यर्थियों ने छोड़ी आरओ/एआरओ परीक्षा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित समीक्षा अधिकारी, सहायक समीक्षा अधिकारी (आरओ/एआरओ) परीक्षा-2023 रविवार को राज्य के सभी 75 जिलों में सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक सकुशल संपन्न हो गई। आयोग के सचिव अशोक कुमार ने बताया कि परीक्षा में 10,76,004 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 4,54,997 (42.29 प्रतिशत) शामिल हुए। प्रदेश भर में 2382 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जिनमें कानपुर में 139, लखनऊ में 129, प्रयागराज में 106 और वाराणसी में 82 केंद्र शामिल थे।

अंदर देखें ...व्हील्स

अशोका फोम

SUMMER SALE

UPTO 70%

CURTAIN & SOFA FABRIC
MATTRESS & PILLOW
BED SHEET & BED COVER
TOWEL | WALL PAPER

Readymade Garments

FLAT 50% TO 80%

मिशन अस्पताल के सामने बरेली
मो. +91-9720031000

चुनाव क्षेत्रों में मजबूत करें जनता के विश्वास की पूंजी : मुख्यमंत्री

- चुनावी तैयारी के मूड में दिखे योगी, जनप्रतिनिधियों संग बैठक में अफसरों को निर्देश, कार्यों के शिलापट्ट पर नेताओं का हो नाम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को कानपुर मंडल के सांसदों-विधायकों के साथ चुनाव तैयारी के मूड में नजर आए। चुनाव क्षेत्रों की जमीनी हकीकत, जन अपेक्षाओं, विकास कार्यों की प्रगति और प्रशासनिक समन्वय पर विस्तार से फीडबैक लिया। योगी कहा कि जनता के विश्वास की पूंजी को और मजबूत करें। शीर्ष अफसरों को निर्देश दिए कि विकास कार्यों के शिलान्यास व लोकार्पण के शिलापट्ट पर संबंधित जनप्रतिनिधि का नाम जरूर हो।

मुख्यमंत्री आवास पर हुई खास बैठक में सभी विधायकों ने अपनी बातें कहीं। बैठक में लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव ने मंडल के छह जिलों में जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तावित कुल 1,362 निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा प्रस्तुत की। मुख्यमंत्री ने प्रत्येक सांसद और विधायक से कहा कि सतत और संतुलित विकास में कानपुर मंडल की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह मंडल राज्य की औद्योगिक और शैक्षिक रीढ़ तो है ही, साथ ही सांस्कृतिक विविधता, ऐतिहासिक चेतना और जनप्रतिनिधियों की प्रतिबद्धता का भी केंद्र है। योगी ने कहा कि जनप्रतिनिधि जनता और शासन के बीच की सबसे भरोसेमंद कड़ी होते हैं। उनके विचार और सुझाव केवल संवाद का माध्यम नहीं हैं, बल्कि वे जन आकांक्षाओं का स्वरूप होते हैं, जिन्हें योजनाओं की संरचना और क्रियान्वयन में सक्रिय रूप से सम्मिलित किया जाना चाहिए।

लखनऊ में अपने सरकारी आवास पर कानपुर मंडल के जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। ● अमृत विचार

यूपी का 'विकास अग्रदूत' है कानपुर मंडल

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कानपुर मंडल को 'विकास का अग्रदूत' करार देते हुए विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में यह मंडल न केवल उत्तर प्रदेश, बल्कि पूरे देश के लिए एक प्रेरणास्पद मॉडल के रूप में उभरेगा।

पारदर्शिता और समयबद्धता अनिवार्य

मुख्यमंत्री ने पीडब्ल्यूडी, पर्यटन और नगर विकास के अफसरों को निर्देश दिए कि जनप्रतिनिधियों से विमर्श कर प्रस्तावित कार्यों की प्राथमिकता तय की जाए। समयबद्ध ढंग से कार्यों की शुरुआत सुनिश्चित की जाए। उन्होंने इन परियोजनाओं को केवल सरकारी खर्च का विवरण न मानते हुए उन्हें 'जनता के विश्वास की पूंजी' बताया। योजनाओं का पारदर्शी और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

हम सीखने नहीं सिखाने आए हैं...

मैनचेस्टर। इंग्लैंड में टीम इंडिया के जांबाजों की जितनी प्रशंसा की जाए कम। मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रेफर्ड मैदान पर इंग्लैंड टीम के खिलाफ चौथा टेस्ट ड्रा कराने का नहीं, वरन भारतीय बल्लेबाजों के बढ़े जज्बे का परिचायक है। दूसरी पारी में शून्य पर दो विकेट गंवाने और करीब दो दिन तक बल्लेबाजी कर चार ही विकेट खोने वाली भारतीय टीम ने इंग्लैंड टीम की उम्मीदों पर तुषारापात तो किया ही, क्रिकेट प्रशंसकों को अपना मुरीद भी बना लिया। दूसरी पारी में केएल राहुल के 90, शुभमन गिल के 103 रनों के अलावा हरफनमौला रविंद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर के नाबाद शतकों ने अंग्रेज क्रिकेटरों के माथे पर पसीना ला दिया। तस्वीर में रविंद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर एक-दूसरे को बधाई देते हुए कदाचित यही जता रहे कि अंग्रेज हमें हल्के में कदापि न लें, क्योंकि हम सीखने नहीं सिखाने आए हैं...। (संबंधित पेज-14)

स्थायी दिव्यांग सीएपीएफ जवानों को वित्तीय पैकेज

- अंग खोने पर भी सेवा में बने रहेंगे पदोन्नति और वेतन भी मिलेगा
- सीआरपीएफ के डीजी की अध्यक्षता में समिति गठित

नई दिल्ली, एजेंसी

सीएपीएफ के अधिकारी और जवान जो अभियान के दौरान अपने अंग खो देते हैं या किसी स्थायी दिव्यांगता का शिकार हो जाते हैं, वे सेवा में बने रहेंगे और उन्हें एकमुश्त मूल मौद्रिक पैकेज के अलावा उचित पदोन्नति एवं वेतन मिलेगा।

केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने रविवार को यह जानकारी दी। मोहन यहां केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 87वें स्थापना दिवस के अवसर पर बल के जवानों को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सीआरपीएफ के महानिदेशक ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में अधिकारियों की एक समिति गठित की गई है और उम्मीद है कि अगले कुछ महीनों में समिति अपनी सिफारिशों और योजना को लागू करने के तौर-तरीकों को अंतिम रूप दे देगी।

अधिकारी ने कहा कि पिछले दशकों में अभियानों के दौरान आईईडी विस्फोट या इसी तरह की अन्य घटनाओं के कारण सैकड़ों सीएपीएफ कर्मी अपने पैर, हाथ या आंखें खो चुके हैं और स्थायी दिव्यांगता का शिकार हो चुके हैं। अधिकारी ने बताया कि हालांकि ऐसे मामले बहुत कम हैं, जहां किसी जवान या अधिकारी को ऐसी चोटों के कारण सेवा से हटाया गया हो, लेकिन कई जवानों को पदोन्नति नहीं मिलने के कारण परेशानी उठानी पड़ती है, क्योंकि वे संबंधित फिटनेस मानदंडों को पूरा करने में विफल रहते हैं। उन्होंने कहा कि समिति अपने मानदंडों में ढील देने के लिए काम करेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि अंग-भंग या किसी अन्य स्थायी दिव्यांगता से पीड़ित अधिकारियों और जवानों को उनकी पदोन्नति और सुविधाएं मिलें, जो उन्हें अन्यथा मिलतीं।

मोहन ने कहा कि गृह मंत्रालय (एमएचए) ने निर्णय लिया है कि जो जवान और अधिकारी अभियान के दौरान अंग खो देते हैं, उन्हें सेवा से नहीं हटाया जाएगा।

बांके बिहारी मंदिर प्रबंधन ने किया सुप्रीम कोर्ट का रुख

- उप्र सरकार ने मंदिर प्रबंधन हाथ में लेने को जारी किया है अध्यादेश

नई दिल्ली, एजेंसी

मथुरा स्थित ठाकुर श्री बांके बिहारी जी महाराज मंदिर की प्रबंधन समिति ने उत्तर प्रदेश सरकार के उस अध्यादेश के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रुख किया है, जिसमें मंदिर के प्रशासन का नियंत्रण राज्य सरकार द्वारा अपने हाथ में लिए जाने की बात कही गई है।

अधिवक्ता तन्वी दुबे के माध्यम से दायर याचिका में मंदिर प्रबंधन समिति (जिसमें 350 सदस्य और 'सेवायत' रजत गोस्वामी शामिल हैं) ने कहा कि सरकार का आचरण स्पष्ट रूप से दुर्भावनापूर्ण है, क्योंकि पांच एकड़ भूमि अधिग्रहण के लिए मंदिर के धन के उपयोग से संबंधित मुद्दे पर उच्च न्यायालय ने 8 नवंबर, 2023 को पहले ही फैसला कर दिया था और उसने राज्य सरकार को भूमि अधिग्रहण के लिए मंदिर के धन का उपयोग करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। समिति ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने उच्च न्यायालय के 8 नवंबर, 2023 के आदेश के खिलाफ अपील दायर नहीं की और इसके बजाय शीर्ष अदालत के समक्ष लंबित याचिका में एक पक्षकार आवेदन दायर किया गया।

मन की बात | प्रधानमंत्री ने कहा-शुभांशु शुक्ला की यात्रा से बच्चों में पैदा हुई अंतरिक्ष को लेकर नई जिज्ञासा

देश में शुरू हुए अंतरिक्ष से जुड़े 200 स्टार्टअप : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष से पृथ्वी पर सुरक्षित वापसी की सराहना करते हुए रविवार को कहा कि इससे भारत के बच्चों में अंतरिक्ष के प्रति एक नई जिज्ञासा जागी है।

मोदी ने साथ ही कहा कि देश में केवल अंतरिक्ष क्षेत्र से जुड़े 200 से अधिक स्टार्टअप शुरू हुए हैं। प्रधानमंत्री ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा कि 2047 में विकसित भारत का रास्ता आत्मनिर्भरता से होकर गुजरता है और 'वोकल फॉर लोकल' 'आत्मनिर्भर भारत' का सबसे मजबूत आधार है। मोदी ने कहा कि पिछले कुछ हफ्तों में, चाहे वह खेल हो, विज्ञान हो या संस्कृति, बहुत कुछ ऐसा हुआ है, जिस पर हर भारतीय को गर्व है।

इंस्पायर मानक से बच्चों में नवाचार को बढ़ावा

इंस्पायर-मानक अभियान के बारे में बात करते हुए मोदी ने कहा कि यह बच्चों में नवाचार को बढ़ावा देने का अभियान है। इसमें हर स्कूल से पांच बच्चों का चयन किया जाता है। हर बच्चा एक नया विचार लेकर आता है। अब तक लाखों बच्चे इससे जुड़ चुके हैं और चंद्रयान-3 के बाद इनकी संख्या दोगुनी हो गई है। मोदी ने कहा कि पूरे भारत में बच्चों में अंतरिक्ष के प्रति जिज्ञासा की एक नई लहर उत्पन्न हुई है। मोदी ने कहा कि 21वीं सदी के भारत में विज्ञान नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि हाल में अंतरिक्ष से शुभांशु शुक्ला की वापसी को लेकर देश में खूब चर्चा हुई। जैसे ही शुभांशु पृथ्वी पर सुरक्षित उतरे, लोग खुशी से उछल पड़े, हर दिल में खुशी की लहर दौड़ गई। पूरा देश गर्व से भर गया।

मोदी ने कहा कि मुझे याद है, जब अगस्त 2023 में चंद्रयान-3 की सफलतापूर्वक लैंडिंग हुई, तो देश में एक नया माहौल बना। बच्चों में भी विज्ञान को लेकर, अंतरिक्ष को लेकर एक नई जिज्ञासा पैदा हुई। छोटे-छोटे बच्चे अब कहते हैं, हम भी अंतरिक्ष में जाएंगे, हम भी चांद पर उतरेंगे - हम भी अंतरिक्ष वैज्ञानिक बनेंगे।

मोदी ने कहा कि यह हर भारतीय के लिए गर्व की बात है कि वीरता और दूरदर्शिता के प्रतीक 12 मराठा किलों को यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में ग्यारह किले, तमिलनाडु में एक। हर किले से इतिहास का एक अध्याय जुड़ा है। हर पत्थर एक ऐतिहासिक घटना का साक्षी है... सल्हेर किला, जहां मुगलों को हराया गया था, शिवनेरी, जहां छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्म हुआ था।

अमृत विचार

बरेली, सोमवार, 28 जुलाई 2025

न्यूज ब्रीफ

सपा सांसद ने केंद्र से की स्कूल मर्जर रद्द करने की मांग

अमृत विचार, लखनऊ : समाजवादी पार्टी की मछलीशहर से सांसद प्रिया सरोज ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पत्र लिखकर उप्र. में विद्यालयों के एकीकरण (स्कूल मर्जर) की नीति की समीक्षा कर इसे रद्द करने की मांग की है। सांसद ने पत्र में कहा कि प्रदेश में वर्तमान समय में विद्यालयों का एकीकरण किया जा रहा है, जो कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई एक्ट) की मूल भावना के प्रतिकूल है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत यह प्रावधान है कि 6 से 14 वर्ष की आयु के प्रत्येक बच्चे को उसके निवास स्थान से एक किमी के भीतर निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा उपलब्ध कराई जाए।

मुसलमान क्यों नहीं बन जाते रामजीलाल सुमन : डॉ. निर्मल

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र अनुसूचित जाति वित्त विकास निगम के पूर्व चेयरमैन और विधान परिषद सदस्य डॉ. लालजी प्रसाद निर्मल ने सपा सांसद रामजीलाल सुमन के बयान पर प्रतिक्रिया जताते हुए कहा कि अगर उत्पीड़न के कारण दलित धर्मांतरण कर मुस्लिम या ईसाई बन रहा है तो दलितों का सबसे ज्यादा उत्पीड़न सपा सरकार में ही हुआ। उस समय दलित समाज के लोगों ने धर्मांतरण क्यों नहीं किया। उन्होंने कहा कि खुद सपा सांसद रामजीलाल सुमन भी अपना उत्पीड़न होने और सम्मान न मिलने की बात कहते हैं तो, वह मुस्लिम क्यों नहीं हो जाते। निर्मल ने कहा कि आज विभिन्न योजनाओं के तहत दलितों का सामाजिक आर्थिक सशक्तिकरण हो रहा है।

अवर अभियंताओं के ग्रेड पे में बढ़ोतरी

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार ने निकायों में तैनात अवर अभियंताओं को खुशखबरी दी है। निकायों में तैनात जेई को अब 10 साल की सेवा पर 4600 रुपये के स्थान पर 4800 रुपये ग्रेड पे दिया जाएगा। स्थानीय निकाय निदेशालय ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। स्थानीय निकाय निदेशक अनुज कुमार झा की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि अवर अभियंताओं को वेतनमान 9300-34800 में ग्रेड वेतन 4200 स्वीकृत किया गया है। जून 2010 के पहले इनका वेतनमान 5200-20200 ग्रेड वेतन 2800 रुपये था। इसके फलस्वरूप अवर अभियंता 20 जून 2010 तक संशोधित प्रथम एसीपी के रूप में वेतनमान 9300-34800 में ग्रेड वेतन 4200 देय है। उच्चीकृत वेतनमान 4200 ग्रेड पे हो जाने पर 21 जून 2010 से संशोधित प्रथम एसीपी ग्रेड वेतन 4600 रुपये देय होगी। शासनादेश 12 फरवरी 2016 द्वारा अवर अभियंता वेतन बैंड दो ग्रेड पे 4200 पाने वालों को 10 वर्ष की सेवा पर प्रथम एसीपी ग्रेड पे 4600 के स्थान पर 4800 रुपये की स्वीकृति मिली है।

मेडिकल कॉलेज के निर्माण कार्यों की समीक्षा

अमृत विचार, लखनऊ : मेडिकल कॉलेज, तिलोई अमेठी में प्रस्तावित राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) निरीक्षण की तैयारियों की समीक्षा के लिए रविवार को नवीन भवन, लखनऊ में एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह (संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा, स्वास्थ्य, परिवार कल्याण एवं मातृ-शिशु कल्याण विभाग) ने की। बैठक में सुनिश्चित किया गया कि मेडिकल कॉलेज, तिलोई अमेठी से संबंधित सभी निर्माण कार्य, संसाधनों की उपलब्धता, शैक्षणिक और चिकित्सकीय ढांचे की पूर्ति, तथा अन्य प्रशासनिक आवश्यकताएं 20 अगस्त तक पूरी कर ली जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि निरीक्षण के समय किसी भी प्रकार की कमी न हो, यह सुनिश्चित किया जाए।

छात्रों को अधिकार दिलाएगी कांग्रेस

अमृत विचार, लखनऊ : अखिल भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) की राष्ट्रीय सचिव व प्रदेश प्रभारी देवकी पटेल ने कहा कि कांग्रेस छात्रों को उनका अधिकार दिलाएगी। वह रविवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित बैठक को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों को छात्रों से जुड़े प्रत्येक मुद्दों को गंभीरता से लेने व उनके अधिकारों के लिए संघर्ष करने का आह्वान किया, साथ ही एनएसयूआई संगठन से युवाओं को जोड़ने व अधिक मजबूत बनाने पर जोर दिया। बैठक के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय सचिव ने कहा कि प्रदेश की योगी सरकार के प्रदेश में पांच हजार सरकारी विद्यालयों को बंद करने संबंधी निर्णय से गरीब, अनुसूचित वर्ग व अन्य शोषित वर्ग के लोग अपने बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित हैं।

66 पीसीएस अफसरों के तबादले, एसडीएम व सहायक नगर आयुक्त बदले गए

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- ज्यादातर जिलों में एसडीएम व सहायक नगर आयुक्त बदले
- इनमें मुरादाबाद, शाहजहांपुर और बरेली भी शामिल

अमृत विचार : राज्य सरकार ने रविवार को 66 पीसीएस अफसरों के तबादले कर दिये। इनमें ज्यादातर जिलों में एसडीएम व सहायक नगर आयुक्त बदल दिये गये हैं।

आगरा की उप जिलाधिकारी श्रद्धा पांडेय को सहायक नगर आयुक्त आगरा बनाया गया है। श्रावस्ती के उप जिलाधिकारी प्रदुमन कुमार को इसी पद पर कानपुर देहात भेजा गया है। शाहजहांपुर के उप जिलाधिकारी जय प्रकाश यादव को सहायक नगर आयुक्त सहारनपुर बनाया गया है। चंदौली के उप जिलाधिकारी अजीत कुमार द्वितीय को विशेष कार्याधिकारी बरेली विकास प्राधिकरण, उपजिलाधिकारी राम शंकर द्वितीय को गाजियाबाद, उप जिलाधिकारी बलिया घनश्याम भारती को ललितपुर, उप जिलाधिकारी बांदा लखन लाल सिंह राजपूत को अयोध्या, उप जिलाधिकारी शाहजहांपुर पैगाम हैदर को हमीरपुर, उप जिलाधिकारी आजमगढ़ कमल कुमार सिंह को औरैया, उप जिलाधिकारी गोरखपुर निशा श्रीवास्तव को गोरखपुर में ही इस पद पर रखा गया है। उप जिलाधिकारी मथुरा पवन कुमार गुप्ता को सहायक नगर आयुक्त वाराणसी, उप जिलाधिकारी रायबरेली ध्रुव नारायण यादव को सहायक नगर आयुक्त कानपुर, उप जिलाधिकारी अंबेडकरनगर शिव नरेश सिंह को मैनपुरी, उप जिलाधिकारी फिरोजाबाद कृष्ण राज सिंह को सहारनपुर भेजा गया है। उप जिलाधिकारी संभल अखिलेश कुमार को मथुरा, उप जिलाधिकारी लखनऊ रामेश्वर प्रसाद को सहायक नगर आयुक्त लखनऊ बनाया गया है।

इसी क्रम में उप जिलाधिकारी गोंडा सत्य पाल सिंह को सहायक निदेशक स्थानीय निकाय निदेशालय लखनऊ बनाया गया है। उप जिलाधिकारी मथुरा सौरभ यादव को सहायक नगर आयुक्त प्रयागराज, उप जिलाधिकारी कासगंज जितेंद्र कुमार सिंह को झांसी, उप जिलाधिकारी हाथरस चंद्र प्रकाश सिंह को आजमगढ़, उप जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर संत राज को कुशीनगर, उप जिलाधिकारी बांदा संतोष कुमार कुशवाहा को अयोध्या, उप जिलाधिकारी कुशीनगर पूर्णिमा सिंह को अयोध्या, उप जिलाधिकारी इटावा मोहम्मद असलम को शाहजहांपुर व उप जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर अभिषेक शाही को इसी पद पर यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण में जिम्मेदारी दी गई है। उप जिलाधिकारी सीतापुर तपस्या यादव को सहायक नगर आयुक्त अलीगढ़, उप जिलाधिकारी हरदोई अजय कुमार को बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी मुख्यालय लखनऊ बनाये गये हैं। उप जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर तनुजा निगम सहायक नगर आयुक्त मेरठ, उप जिलाधिकारी मऊ सुशील कुमार को मथुरा, उप जिलाधिकारी लखीमपुर खीरी आरती को इसी जिले में रखा गया है। उप जिलाधिकारी बुलंदशहर धर्मवीर भारती को फिरोजाबाद को उप जिलाधिकारी आगरा मांधाता प्रताप सिंह को विशेष कार्याधिकारी राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण लखनऊ बनाया गया है। उप जिलाधिकारी बस्ती हृदय राम तिवारी को संत कबीरनगर, उप जिलाधिकारी नोएडा शशि कुमार को विशेष कार्याधिकारी राहत आयुक्त कार्यालय लखनऊ, उप जिलाधिकारी गोरखपुर कृष्ण गोपाल त्रिपाठी को इसी पद पर यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण बनाया गया है।

उप जिलाधिकारी ललितपुर मदन मोहन गुप्ता को इसी जिले इस पद पर रखा गया है। उप जिलाधिकारी अलीगढ़ उदयवीर सिंह को उन्नाव, उप जिलाधिकारी मिर्जापुर तरुण प्रताप सिंह को सहायक नगर आयुक्त शाहजहांपुर, उप जिलाधिकारी उन्नाव अरसाला नाज को औरैया व उप जिलाधिकारी फतेहपुर प्रियंका को इसी जिले में तैनाती दी गई है। उप जिलाधिकारी बलिया धर्मेंद्र कुमार को इसी जिले में उप जिलाधिकारी यूपीडा लखनऊ स्निग्धा चतुर्वेदी को मुरादाबाद, उप जिलाधिकारी हरदोई आकांक्षा जोशी को प्रतापगढ़, उप जिलाधिकारी फिरोजाबाद रवींद्र प्रताप सिंह को सहायक नगर आयुक्त फिरोजाबाद व उप जिलाधिकारी गोरखपुर रवि कुमार सिंह को सहायक नगर आयुक्त गोरखपुर बनाया गया है। उप जिलाधिकारी मिर्जापुर आशीष कुमार त्रिपाठी को सोनभद्र, उप जिलाधिकारी मथुरा रजनीश कुमार को ललितपुर, उप जिलाधिकारी अयोध्या सुमित कुमार सिंह को आगरा, उप जिलाधिकारी बुलंदशहर मनीष कुमार को इसी जिले में रखा गया है। उप जिलाधिकारी लखनऊ विकास सिंह को सहायक नगर आयुक्त लखनऊ, उप जिलाधिकारी लखनऊ विकास प्राधिकरण विराग करवरिया को इसी पद पर प्राधिकरण में ही रखा गया है। उप जिलाधिकारी हरदोई विनीत कुमार सिंह को सहायक नगर आयुक्त लखनऊ, उप जिलाधिकारी बलरामपुर बृज मोहन शुक्ला को उन्नाव, उप जिलाधिकारी बुलंदशहर चन्द्र प्रकाश पांडेय को सहायक नगर आयुक्त झांसी बनाया गया है। उप जिलाधिकारी गोरखपुर सुशील प्रताप सिंह को सहायक नगर आयुक्त गाजियाबाद, उप जिलाधिकारी बाराबंकी प्राची त्रिपाठी को विशेष कार्याधिकारी राजस्व परिषद लखनऊ, उप जिलाधिकारी संभल सराह अशरफ को रायबरेली, उप जिलाधिकारी नोयडा सीमा सिंह को सीतापुर, उप जिलाधिकारी शामली मृदला दुबे को मेरठ व उप जिलाधिकारी कुशीनगर आकांक्षा मिश्रा को इसी जिले में रखा गया है। उप जिलाधिकारी बलरामपुर सत्यपाल प्रजापति कानपुर नगर, उप जिलाधिकारी गोरखपुर ज्ञान प्रताप सिंह को अयोध्या व उप जिलाधिकारी मैनपुरी विशाल सिंह यादव को उप जिलाधिकारी सहायक नगर आयुक्त मुरादाबाद बनाया गया है। उप जिलाधिकारी मुजफ्फरनगर मोनालिसा चौधरी को बहराइच, उप जिलाधिकारी अभय सिंह को मुरादाबाद और उप जिलाधिकारी हरदोई तान्या सहायक नगर आयुक्त झांसी बनाया गया है।

जनभावना के अनुरूप कराएं विकास कार्य

मुख्यमंत्री ने झांसी और चित्रकूट मंडल के विधायकों से किया संवाद, विकास कार्य तेजी से शुरू करने के निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- झांसी मंडल से 4,901 करोड़ और चित्रकूट मंडल से 3,875 करोड़ रुपये के विकास कार्यों के आए प्रस्ताव

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बुंदेलखंड क्षेत्र का विकास सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने झांसी मंडल के विधायकों से आए 4,901 करोड़ और चित्रकूट मंडल के विधायकों से आए 3,875 करोड़ रुपये के विकास कार्यों के प्रस्ताव पर तेजी से कार्य शुरू करने के निर्देश दिए। योगी ने विधायकों से कहा कि वे अपने क्षेत्र में प्रस्तावित कार्यों की सतत निगरानी करें और स्थानीय जनभावनाओं के अनुरूप योजनाओं को आकार दिलवाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

मुख्यमंत्री ने अपने आवास पर रविवार को झांसी और चित्रकूट धाम मंडल के सांसदों-विधायकों से उनके निर्वाचन क्षेत्रों की परिस्थितियों, जनअपेक्षाओं और विकासात्मक प्राथमिकताओं के विषय में व्यक्तिगत रूप से संवाद किया। बैठक में जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुत किए गए सभी विकास कार्य प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग और धर्मार्थ कार्य विभाग को निर्देशित किया कि जनप्रतिनिधियों से समन्वय कर प्रस्तावित कार्यों की प्राथमिकता तय की जाए तथा समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण ढंग से क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। विधायकों द्वारा दिये गए कुल प्रस्तावों के अनुसार, झांसी मंडल के तीन जनपदों (झांसी, जालौन और ललितपुर) से कुल 691 कार्य प्रस्तावित किए गए हैं, जिनकी अनुमानित लागत 4,901 करोड़ रुपये है। वहीं, चित्रकूट मंडल के चार जनपदों (बांदा, हमीरपुर, चित्रकूट और महोबा) से कुल 397 कार्य प्रस्तावित हैं, जिन पर रुपये 3,875 करोड़ की लागत प्रस्तावित है। इस प्रकार दोनों मंडलों से कुल 1,088 कार्य प्रस्तावित हुए हैं, जिनकी कुल लागत 8,776 करोड़ है।

लखनऊ में अपने सरकारी आवास पर चित्रकूट व झांसी मंडल के जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक करते मुख्यमंत्री योगी।

फसल बीमा योजना के लिए 86.30 करोड़ मंजूर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- किसानों को सब्सिडी के रूप में मिलेंगे 85.47 करोड़ रुपये

अमृत विचार : राष्ट्रीय फसल बीमा योजना के लिए राज्य सरकार ने करीब 86.30 करोड़ की मंजूरी दी है। राज्यपाल ने इसमें किसानों को सब्सिडी के रूप में 85.47 करोड़ रुपये देने के लिए मुहर लगाई है। इसी के साथ शासन ने कृषि निदेशक को धनावंटन से लेकर पर्यवेक्षण का कार्य सौंपते हुए किसी भी अनियमितता पर सीधे जिम्मेदार होने की चेतावनी भी दी है।

कृषि विभाग की ओर से जारी शासनादेश के अनुसार, योगी सरकार के प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 में कुल 86 करोड़ 29 लाख 87 हजार रुपये की राज्यपाल से मंजूरी मिली है। इसमें 85 करोड़ 47 लाख 87 हजार किसानों को सब्सिडी के रूप दी जाएगी, जबकि शेष धनराशि से 8 लाख यात्रा व्यय, 10 लाख कार्यालय व्यय, 10 लाख लेखन सामग्री व फार्मों की छपाई, 8 फर्नीचर व उपकरण और 15 गाड़ियों में पेट्रोल व अनुरक्षण के लिए 10 लाख रुपये खर्च होगा। इसके अलावा प्रशिक्षण, हार्डवेयर-साफ्टवेयर, आईटी कार्य आदि में खर्च होगा।

अयोध्या के राजकीय बालिका इंटर कॉलेज से आरओ-एआरओ की परीक्षा देकर निकलते अभ्यर्थी। ● अमृत विचार

नकल माफिया की गतिविधियों पर रही पैनी नजर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सभी जिलों में शांतिपूर्वक संपन्न हुई आरओ-एआरओ परीक्षा
- एआई, सीसीटीवी और बायोमेट्रिक सत्यापन से हुई नकलमुक्त परीक्षा

अमृत विचार : राज्य सरकार की सीधी निगरानी के चलते रविवार को शांतिपूर्वक संपन्न हुई आरओ-एआरओ परीक्षा के दौरान राज्य में कहीं से भी किसी प्रकार की अनियमितता सामने नहीं आई। परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए सरकार ने नकल माफिया और पुराने आरोपियों पर पैनी नजर रखी। एसटीएफ को संवेदनशील केंद्रों की विशेष निगरानी का जिम्मा सौंपा गया था, जो पूरे दिन सक्रिय रही।

आयोग के सचिव अशोक कुमार ने बताया कि सभी केंद्रों से उत्तर पुस्तिकाएं सुरक्षित रूप से एकत्र की गईं और आगे की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। कानपुर, लखनऊ, प्रयागराज और वाराणसी जैसे प्रमुख जिलों में केंद्रों की अधिक संख्या के बावजूद व्यवस्था सुचारु रही।

परीक्षा की गोपनीयता सुनिश्चित करने के लिए प्रश्नपत्रों की तैयारी और वितरण में कड़े प्रबंध किए गए। इन्हें त्रिस्तरीय लॉक वाले गोपनीय ट्रंक बॉक्स में पांच स्तरीय टेम्पर्ड प्रूफ पैकिंग के साथ रखा गया था। ट्रेजरी से निकासी से लेकर उत्तर पुस्तिकाओं के डिस्पैच तक की प्रक्रिया में सशस्त्र गार्ड और वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी अनिवार्य रही। लाइव सीसीटीवी स्ट्रीमिंग के जरिए केंद्र, जिला और आयोग स्तर पर निगरानी की गई। अभ्यर्थियों की पहचान के लिए प्रवेश द्वार पर बायोमेट्रिक सत्यापन और फेस रिकग्निशन तकनीक से पहचान सुनिश्चित की गई।

अभ्यर्थियों ने की व्यवस्था की सराहना

प्रयागराज में एक सेंटर से परीक्षा देकर बाहर निकले वाराणसी के नीरज चंद्रा और सचिन माथुर ने बताया कि उनके केंद्रों पर कई स्तरों पर गहन चेकिंग की गई, जो बेहद व्यवस्थित और निष्पक्ष थी। वहीं प्रतापगढ़ की पूजा ने कहा कि पिछली बार की तुलना में इस बार की व्यवस्था कहीं बेहतर थी, जिससे परीक्षा में पूर्ण पारदर्शिता बनी रही और उन्हें आने-जाने में कोई दिक्कत नहीं हुई। अभ्यर्थियों ने क्यूआर कोड, आई स्कैन और बायोमेट्रिक सत्यापन जैसी तकनीकी व्यवस्थाओं की तारीफ की, जिसने परीक्षा की निष्पक्षता और विश्वसनीयता को और मजबूत किया।

पुनर्जीवित हो रही तमसा नदी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अयोध्या, अंबेडकर नगर, आजमगढ़, मऊ व बलिया के लिए बनेगी वरदान

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की संकल्पशक्ति से पूर्वांचल की जीवनरेखा कही जाने वाली पवित्र तमसा नदी को नया जीवन मिलने जा रहा है। ऋषि दुर्वासा, चन्द्रमा ऋषि और ऋषि दत्तात्रेय की तपोभूमि पर बहती तमसा नदी अब फिर से पूर्वांचल के किसानों के लिए संजीवनी बनेगी। तमसा नदी के संरक्षण और पुनरुद्धार के लिए 29 जुलाई को आजमगढ़ में सभी विभागों के प्रमुख अधिकारी जुटेंगे।

तमसा नदी अयोध्या, अंबेडकर नगर, आजमगढ़, मऊ और बलिया से होकर गुजरती है। इसके पुनरुद्धार से इन जिलों में बड़े पैमाने पर स्थानीय लोगों को इसका लाभ मिलेगा। वर्तमान में तमसा नदी जनपद आजमगढ़ के अहरौला, मिर्जापुर, तहबरपुर, रानी की सराय, पल्हनी, बिलरियागंज और सठियांव विकासखंडों की 121 ग्राम पंचायतों से होते हुए मऊ जनपद में प्रवेश करती है। आजमगढ़ के मुख्य विकास अधिकारी परीक्षित खटाना ने बताया कि तमसा नदी आजमगढ़ जिले में 89 किलोमीटर और कुल मिलाकर 264 किलोमीटर लंबी है। अभियान चलाकर कार्य किया जा रहा है। लाखों किसानों को अब सिंचाई की बेहतर सुविधा मिलेगी। डीएफओ आजमगढ़ पीके पांडे ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर तमसा नदी के दोनों किनारों पर पौधारोपण भी कराया जा रहा है।

सपा प्रमुख ने बिजली व्यवस्था को लेकर सरकार को घेरा

अमृत विचार, लखनऊ : समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने प्रदेश की बिजली व्यवस्था की दुर्दशा कर दी है। प्रदेश में बिजली विभाग का ट्रांसफॉर्मर उड़ गया है, मंत्री-अधिकारी के बीच के तार टूट गये हैं और त्रस्त जनता के बीच सरकार पर भरोसे के खंभे उखड़ गये हैं। जनाक्रोश का मीटर खटाखट बढ़ रहा है। उत्पादन का चक्का जाम है, संचार खंडित है और डिस्ट्रीब्यूशन के नाम पर भ्रष्टाचार की कमाई का वितरण चालू है। अखिलेश यादव ने रविवार को जारी एक बयान में कहा कि प्रदेश में बिजली नहीं, केवल बिल आ रहा है और ये बेइंतहा बिल लोगों की जेबें खा रहा है।

ओवरलोडिंग से हो रही बिजली की ट्रिपिंग

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में ट्रांसफॉर्मर की ओवरलोडिंग के कारण बिजली की ट्रिपिंग की समस्या थमने का नाम नहीं ले रही है। बिजनेस प्लान के तहत अभी सुधार कार्य पूरे नहीं हुए हैं। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन ने वितरण निगमों के अधिकारियों को कार्य पूरे करने के निर्देश दिये हैं।

कॉरपोरेशन के सूत्रों के अनुसार, बिजनेस प्लान 2024-25 के तहत 5713.21 करोड़ खर्च कर बिजली आपूर्ति में सुधार लाने की योजना है। इसके तहत सुधार कार्य कराए जा रहे हैं। योजना के तहत 71 नये उपकेंद्रों का निर्माण कार्य कराने का लक्ष्य है। इसमें अभी तक सात नये उपकेंद्रों का निर्माण किया गया है। इसी तरह, 28,986 ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि का लक्ष्य रखा गया, जिसमें 21,563 ट्रांसफॉर्मरों की क्षमता वृद्धि की गई है। इसी तरह, लाइनों के निर्माण कार्य लक्ष्य के अनुरूप अभी पूरा नहीं हो सका है। गर्मी में बिजली की मांग ज्यादा होने के कारण तकनीकी खराबियां पैदा हो रही हैं। इससे बिजली आपूर्ति बाधित होने का सिलसिला जारी है। उपकेंद्रों पर तैनात बिजली कर्मियों की कमी के कारण समय रहते बिजली आपूर्ति बहाल नहीं हो पा रही है। शासन स्तर पर सख्ती के बाद पावर कॉरपोरेशन ने वितरण निगमों के प्रबंध निदेशकों को लक्ष्य के अनुरूप कार्य शीघ्र पूरा व तकनीकी खराबी को समय पर दूर करने व उपभोक्ताओं से सद्व्यवहार करने के निर्देश दिये हैं।

लापरवाही बरतने वाले कार्मिक बख्शे नहीं जाएंगे : शर्मा

ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कहा कि उपभोक्ताओं की समस्याओं का तत्काल समाधान न करने, अमर्यादित आचरण करने व कर्तव्यों में लापरवाही बरतने वाले कार्मिक बख्शे नहीं जाएंगे। उन्होंने कहा कि अब लो वोल्टेज, बार-बार ट्रिपिंग, शटडाउन व अनावश्यक बिजली कटौती बर्दाश्त नहीं की जाएगी। राज्य सरकार की 'उपभोक्ता देवो भवः' की नीति सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा के अनुसार, सभी उपभोक्ताओं को निर्धारित समयसारिणी के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण व अनवरत बिजली आपूर्ति देना है। इसमें किसी भी प्रकार की बहानेबाजी अब नहीं चलेगी। पॉवर कॉरपोरेशन के अध्यक्ष से लेकर निचले स्तर तक के कार्मिकों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। प्रदेश के विकास में बाधा बन रहे कार्मिकों की मनमानी नहीं चलने दी जाएगी।

सियासत | केंद्रीय नेतृत्व को प्रतीक भूषण की ताजपोशी के लिए तैयार कर चुके हैं पूर्व सांसद

विधायक बेटे को मंत्री बनाना चाहते हैं बृजभूषण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- योगी से मिलने के पीछे सहमति लेने का था प्रयोजन, दोनों बेटे भी मुख्यमंत्री से मिले

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपने सभी कील-कांटे दुरुस्त करके गोंडा के दबंग नेता पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह अपने विधायक बेटे को मंत्री बनाने में जुटे हैं। हाल में करीब तीन साल के लंबे अंतराल पर योगी से उनकी मुलाकात का प्रयोजन अब छनकर बाहर आने लगा है।

गोंडा के राजनीतिक अखाड़े में बड़े-बड़ों को पटखनी देने वाले बृजभूषण शरण सिंह अगले विधानसभा चुनाव तक 60 साल पार कर जाएंगे। 5 बार भाजपा और एक बार सपा से सांसद रहने के साथ वे भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष भी रहे। वर्ष 2023 में एक नाबालिग सहित सात भारतीय महिला पहलवानों ने उनके खिलाफ यौन उत्पीड़न की एफआईआर में गवाही देने के साथ दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया था। जिसके बाद उन्होंने पिछले चुनाव में अपनी सांसद की सीट से छोटे बेटे करन भूषण सिंह को विजय दिलाई। जबकि बड़ा बेटा प्रतीक भूषण सिंह

विधायक है। बृजभूषण अब पहलवानों के आरोपों के मामले में बेदाग साबित हो चुके हैं। हालांकि उनका राजनीतिक जीवन पहले भी कई विवादों से घिरा रहा है। उन्हें बाबरी मस्जिद विध्वंस मामले में गिरफ्तार किया गया था और दाऊद इब्राहिम गिरोह के शूटरों को शरण देने के लिए आतंकवाद विरोधी कानून टाडा के तहत मामला दर्ज किया गया था। हालांकि, बाद में उन्हें दोनों मामलों में बरी कर दिया गया। अब बृजभूषण चाहते हैं कि दशकों के राजनीतिक जीवन में दूसरी पीढ़ी से कोई मंत्री बने। सूत्र बताते हैं कि उन्हें केंद्रीय नेतृत्व के कई नेताओं से इस बात पर सहमति मिल चुकी है कि विधायक बेटे को योगी सरकार में मंत्री पद दिया जा सकता है। लेकिन, इसके लिए सबसे बड़ी अड़चन मुख्यमंत्री योगी न बनें, इसके लिए उन्हें साधने का मंत्र दिया गया। इसी के बाद बृजभूषण के बोल बदलने लगे और हाल ही में वे योगी से मिलकर गुणगान करते दिखे। शनिवार को उनके दोनों बेटे विधायक प्रतीक भूषण और सांसद करन भूषण सिंह भी मुख्यमंत्री से मिले।

अपने विभागों को लेकर मंत्री सख्त

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सरकारी तंत्र पर नाराजगी जताकर दे रहे आमजन को संतुष्ट करने वाले संदेश

अमृत विचार : उप्र. विधान सभा चुनाव से पहले मंत्री अपने-अपने विभागों की कार्यप्रणाली को लेकर और सख्त नजर आ रहे हैं। सरकारी तंत्र पर नाराजगी जताकर वे आमजन को निरंतर संतुष्ट करने वाले संदेश दे रहे हैं।

हाल ही में ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने लखनऊ के शक्ति भवन में समीक्षा बैठक बुलाई थी। इस दौरान वो बिजली विभाग के अधिकारियों पर जमकर बरसे। मंत्री ने अधिकारियों से दो टूक कहा- मैं बकवास सुनने नहीं आया हूं, आप लोग अंधे-बहरे बनकर बैठे हो, और जनता मुझे कोस रही है। बीते दिनों ऐसे ही उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ग्राम्य विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा की थी। उप्र राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि मिशन के निष्क्रिय कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। भ्रष्टाचार के मामलों में एफआईआर कराई जाए।

वहीं राज्य के दूसरे उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक कुछ दिन पहले केजीएमयू, लखनऊ पहुंचे। ब्रजेश पाठक वहां आईसीयू में भर्ती भाजपा के एक वरिष्ठ नेता को देखने पहुंचे थे। इस दौरान गांधी वार्ड में कई एसी काम नहीं कर रहे थे। इस पर उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए केजीएमयू प्रशासन को इंजीनियरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की हिदायत दी।

अभी देवरिया जिले से वायरल एक वीडियो चर्चा में रहा। इसमें कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही वहां निरीक्षण के दौरान निर्माणाधीन हाल में सड़ी लकड़ी से बनाकर लगाए जंगले को देखकर अचानक से भड़क गए।

उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को फटकार लगाते हुए कहा कि यह सड़ा हुआ जंगला (खिड़की) कल तक हट जाना चाहिए। नहीं तो जान ले लूंगा, इसके बाद मंत्री जी भोजपुरी में बोलते हैं कि दो साल में घुन लग जाई घर चल जईबा पैसा लेके।

न्यूज ब्रीफ

प्रो. मनुका ने संभाला लविवि वीसी का प्रभार

लखनऊ, अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय की प्रति कुलपति रहीं प्रो. मनुका खन्ना ने कुलपति का प्रभार ग्रहण कर लिया है। डॉ. आलोक कुमार राय ने अपने अंतिम कार्यदिवस पर प्रो. मनुका खन्ना को कुलपति का कार्यभार सौंप दिया। प्रो. खन्ना को करीब 37 वर्षो का शिक्षण कार्य का अनुभव है। 13 अप्रैल 2021 से वह राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष व 31 मई 2024 प्रतिकुलपति के रुप में कार्यभार देखती रही हैं।

उपभोक्ता से अभद्रता पर एसई निलंबित

लखनऊ, अमृत विचार : बिजली उपभोक्ता से अभद्रता पर बस्ती में तैनात अधीक्षण अभियंता (एसई) प्रशांत सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। प्रकरण का ऑडियो वायरल होने पर ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने संज्ञान लिया और कार्रवाई के निर्देश दिए। बस्ती के मूडघाट क्षेत्र के उपभोक्ता भरत पांडेय व अधीक्षण अभियंता के बीच बिजली आपूर्ति को लेकर बातचीत में अभियंता ने अमर्यादित आचरण किया। वायरल ऑडियो का संज्ञान लेते हुए ऊर्जा मंत्री ने जांच के निर्देश दिए। मामला सही पाए जाने पर पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के प्रबंध निदेशक शंभु कुमार ने अधीक्षण अभियंता को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया।

उत्तराखंड में द्वितीय चरण का मतदान आज

देहरादून, अमृत विचार : उत्तराखंड त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों के अन्तिम और द्वितीय चरण के लिए सोमवार को मतदान होगा। इसमें कुल 21 लाख, 57 हजार, 199 मतदाता अपने गांव का प्रतिनिधि चुनेंगे। राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव राहुल कुमार गोयल ने रविवार को बताया कि द्वितीय चरण के मतदान के लिए सभी 4709 मतदान दलों की रवानगी कर दी गई है, जिसमें से उच्च पर्वतीय क्षेत्रों अथवा दुर्गम मतदान केंद्रों के लिए शनिवार 26 जुलाई को 277 मतदान दल अपने मतदान स्थलों पर पहुंच चुके हैं।

युवक से मारपीट कर नकदी छीनी

पूरनपुर, अमृत विचार : थाना माधोटांडा क्षेत्र के गांव लोहरपुरा के रहने वाले विकास भारती रविवार को कस्बे की एक दुकान पर इलेक्ट्रॉनिक सामान बनवाने गए। आरोप है कि इस दौरान दुकानदार ने उनके साथ जाति सूचक शब्दों का प्रयोग प्रयोग करते हुए गाली गलौज की। कुछ लोगों को बुलाकर पिटाई कर दी। जिसमें वह घायल हो गए। मारपीट के दौरान पांच हजार रुपये भी छीन लिए। पुलिस ने दुकान स्वामी को हिरासत में ले लिया। मामले की जांच की जा रही है।

रुद्रपुर के भारत इंजीनियरिंग में धधकी आग, करोड़ों का नुकसान

दमकल कर्मियों ने ढाई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पाया काबू

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: रविवार की सुबह किच्छा बाईपास रोड स्थित भारत इंजीनियरिंग में भीषण अग्निकांड होने का मामला सामने आया है। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां घटनास्थल पहुंचीं और ढाई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन अग्निकांड में करोड़ों का नुकसान होने का अनुमान है।

जानकारी के अनुसार रविवार की सुबह 7 बजे फायर स्टेशन रुद्रपुर को सूचना मिली कि किच्छा बाईपास रोड स्थित भारत इंजीनियरिंग पुराना इंडस्ट्रीयल एरिया में भीषण आग लगी है। सूचना मिलते ही अग्निशमन अधिकारी महेश चंद्र फायर फाइटर की टीम के साथ घटनास्थल की ओर रवाना हुए। देखा कि शटरनुमा गोदाम के अंदर से धुआं निकल रहा है। सूचना के आधार पर गोदाम स्वामी सुनील सोनी भी घटनास्थल पहुंचे। जब

गोदाम से निकलता धुआं। ● अमृत विचार

दमकल कर्मियों ने शटर का ताला तोड़कर उठाया तो आग की लपटें आसमान छूने लगीं और देखते ही देखते आग ने पूरे गोदाम को अपनी आगोश में ले लिया। भीषण अग्निकांड पर काबू पाने के लिए दमकल विभाग की चार गाड़ियां घटनास्थल पहुंचीं और ढाई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन आग ने करोड़ों का नुकसान कर दिया। उधर, गोदाम स्वामी सुनील सोनी ने बताया कि उनकी फर्म भारत इंजीनियरिंग विद्युत पैनल, एलईडी बल्ब, इलेक्ट्रिक वायर आदि का निर्माण करती है। गोदाम में निर्मित उत्पादों को रखा जाता है। अग्निकांड में करोड़ों रुपये का नुकसान होने का अनुमान है।

3.50 करोड़ से अधिक का नुकसान

रुद्रपुर : फर्म स्वामी सुनील सोनी ने बताया कि अक्सर उत्पादों को बनाकर गोदाम में ही रखा जाता है। जिस गोदाम में अग्निकांड की घटना घटित हुई है। उस गोदाम में साढ़े तीन करोड़ से अधिक के निर्मित उत्पाद रखा हुआ था और अग्निकांड से सारा सामान जलकर राख हो गया। जिस कारण फर्म को तीन करोड़ से अधिक का नुकसान होने का अनुमान है। नुकसान का आंकड़ा सही मिलान होने के बाद बढ़ सकता है।

नाबालिग बहनों से सामूहिक दुष्कर्म के दो आरोपी गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर,एजेंसी: जिले के बुढ़ाना थाना क्षेत्र की पुलिस ने एक गांव में दो नाबालिग चचेरी बहनों से सामूहिक दुष्कर्म के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) गजेंद्र पाल सिंह ने संवाददाताओं को बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान प्रदीप और गौरव के रूप में हुई है और दोनों आरोपी पीड़िताओं के गांव के ही निवासी हैं।

उन्होंने बताया कि बुढ़ाना थाना क्षेत्र के एक गांव में शनिवार को 15 से 16 साल की दो नाबालिग चचेरी बहनों का अपहरण कर पिस्तौल के बल पर उनसे कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म किया गया। उन्होंने बताया कि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की दो टीम गठित की गई थीं। इसके पहले पुलिस क्षेत्राधिकारी ने संवाददाताओं को बताया था कि पुलिस ने दोनों आरोपी प्रदीप और गौरव के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

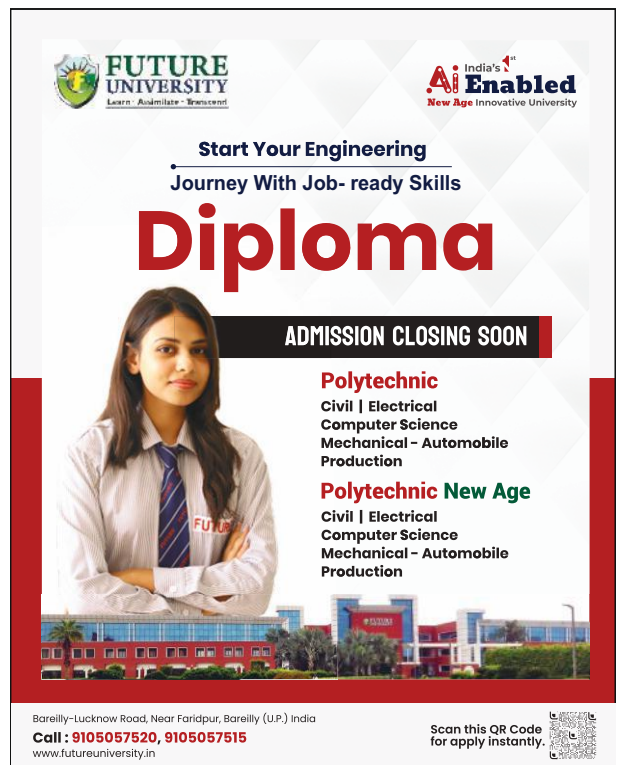

बुंदेलखंड का समग्र विकास सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता: मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ, अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बुंदेलखंड क्षेत्र का विकास सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने झांसी मंडल के विधायकों से आए 4,901 करोड़ और चित्रकूट मंडल के विधायकों से आए 3,875 करोड़ रुपये के विकास कार्यों के प्रस्ताव पर तेजी से कार्य शुरू करने के निर्देश दिए। योगी ने विधायकों से कहा कि वे अपने क्षेत्र में स्थानीय जनभावनाओं के अनुरूप योजनाओं को आकार दिलवाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। मुख्यमंत्री ने अपने आवास पर रविवार को झांसी और चित्रकूट धाम मंडल के सांसदों-विधायकों से उनके निर्वाचन क्षेत्रों की परिस्थितियों, जनअपेक्षाओं और विकासात्मक प्राथमिकताओं के विषय में व्यक्तिगत रूप से संवाद किया।

कानपुर प्राणि उद्यान की सुपुर्दगी में पहुंची पीलीभीत की दहशतगर्द बाघिन

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: वन महकमे द्वारा रेस्क्यू की गई बाघिन को शनिवार रात टीम ने कानपुर वन्य प्राणि उद्यान की सुपुर्दगी में दे दिया गया। प्राणि उद्यान में बाघिन को पशु चिकित्सकों की निगरानी में चार माह तक अन्य वन्यजीवों से दूर रखा जाएगा। बाघिन को बीती 24 जुलाई को डंडिया गांव के नजदीक से रेस्क्यू किया गया था।

आतंक का पर्याय बनी बाघिन की उत्तराखंड बार्डर समेत न्यूरिया क्षेत्र के दर्जन भर से अधिक गांवों में खासी दहशत थी। इस बीच बाघिन ने न्यूरिया क्षेत्र में तीन ग्रामीणों को मारने के साथ दो लोगों को घायल कर दिया था। बाघिन के ताबड़तोड़ हमलों का मामला शासन के संज्ञान में आने पर बाघिन को जल्द रेस्क्यू करने के निर्देश दिए गए थे।

मुख्य वन संरक्षक बरेली वृत्त की देखरेख में करीब 13 घंटे तक चले ऑपरेशन थर्ड आई के बाद बाघिन को गन्ने के खेत में ट्रेंकुलाइज कर रेस्क्यू कर लिया गया। इसके बाद बाघिन को पीलीभीत टाइगर रिजर्व

कानपुर प्राणि उद्यान में बाघिन की सुपुर्दगी संबंधित औपचारिकताएं पूरी कराते डीएफओ भरत कुमार डीके। ● अमृत विचार

● 308 किमी लंबा सफर तय कर टीम शनिवार रात पहुंची कानपुर प्राणि उद्यान

मुख्यालय के सेफ हाउस में रखा गया, जहां पशु चिकित्साधिकारी डॉ. दक्ष गंगवार और कानपुर प्राणि उद्यान के डॉ. मोहम्मद नासिर द्वारा बाघिन को स्वास्थ्य परीक्षण किया था। शासन ने बाघिन को कानपुर वन्य प्राणि उद्यान भेजने के निर्देश दिए थे। शासन से आदेश मिलने के बाद शनिवार दोपहर 2.10 बजे वन एवं वन्यजीव प्रभाग के डीएफओ भरत कुमार डीके, पशु चिकित्साधिकारी डॉ. मोम्मद नासिर, रेंजर विनीत प्रकाश सक्सेना, डिप्टी रेंजर दवेन्द्रऋषि सक्सेना, वन दरोगा दीपक कुमार बाघिन को लेकर कानपुर रवाना हुए थे।

करीब 308 किमी को लंबा सफर तय करने के बाद टीम शनिवार रात करीब 9 बजे कानपुर वन्य प्राणि उद्यान पहुंच गई। वन अफसरों ने बाघिन को कानपुर वन्य प्राणि उद्यान के निदेशक डॉ. कन्हैया पटेल के सुपुर्द कर दिया। पशु चिकित्सकों के मुताबिक प्राणि उद्यान में बाघिन को चार माह तक अन्य वन्यजीवों से दूर निगरानी में स्वास्थ्य परीक्षण के लिए रखा जाएगा।

महिला से दुष्कर्म के आरोप में अस्पतालकर्मी को किया गिरफ्तार

बलरामपुर,एजेंसी: जिले में एक निजी अस्पताल में इलाज कराने गई एक महिला को बेहोशी का टीका देकर उससे दुष्कर्म करने के आरोप में अस्पताल के एक कर्मचारी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (एसपी) विकास कुमार ने बताया कि घटना शुक्रवार को पचपेड़वा थाना क्षेत्र के विमला विक्रम अस्पताल में हुई।

पुलिस के अनुसार गैसड़ी इलाके की निवासी लगभग 28 वर्षीय महिला इलाज के लिए अस्पताल गई थी और इस दौरान, अस्पताल के एक कर्मचारी ने कथित तौर पर उसे बेहोशी का टीका लगाया जिसके बाद उससे दुष्कर्म किया। अधिकारियों ने बताया कि होश में आने के बाद महिला ने पुलिस से संपर्क किया और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपी योगेश पांडे को गिरफ्तार कर लिया गया है।

खीरी के रजागंज में ट्रॉली से कुचलकर कांवड़िया की मौत, तीन घायल

संवाददाता, रजागंज

अमृत विचार: पीलीभीत-बस्ती हाईवे पर शनिवार देर रात कांवड़ लेकर छोटी काशी जा रहे ट्रैक्टर में जुड़ी डबल ट्राली में पीछे की ट्रॉली का गुल्ला टूट गया। इससे अनियंत्रित होकर ट्रॉली रजागंज में हाईवे के किनारे आराम कर रहे कांवड़ियों के ऊपर चढ़ गई। हादसे में एक कांवड़िया की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके भाई समेत तीन कांवड़िया घायल हो गए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें एक की हालत गंभीर बनी है।

अरुण शुक्ला।

थाना पडुआ के गांव लखाही से कांवड़ लेकर छोटी काशी गोला जा रहे कांवड़िया शनिवार की रात 11 बजे गोला कोतवाली क्षेत्र के कस्बा रजागंज के निकट पीलीभीत-बस्ती हाईवे पर नीरज

घर पर रोती-बिलखती परिवार की महिलाएं। ● अमृत विचार

● तीनों घायल अस्पताल में भर्ती, एक की हालत गंभीर

पान भंडार के सामने आराम कर रहे थे। इस बीच पीछे से आ रहे दूसरे कांवड़ियों के ट्रैक्टर में डबल ट्रॉली जुड़ी थी, जिसमें पीछे की ट्रॉली का अचानक ही गुल्ला टूट गया। इससे ट्रॉली अनियंत्रित होकर आराम कर रहे कांवड़ियों के ऊपर चढ़ गई। हादसे में गांव लखाही निवासी कांवड़िया अरुण शुक्ला (23) पुत्र श्रीकांत शुक्ला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका भाई अनुज शुक्ला, आयुष मिश्रा पुत्र लक्ष्मीकांत मिश्रा और हिमांशु मिश्रा पुत्र रमाकांत मिश्रा घायल हो गए।

हादसे से गुस्साए कांवड़ियों ने हाईवे जाम कर हंगामा शुरू कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह से कांवड़ियों को समझाकर शांत कराया। करीब एक घंटे बाद जाम खुल सका। पुलिस ने घायल कांवड़ियों को जिला अस्पताल भिजवाया, जहां कांवड़िया आयुष मिश्रा की हालत गंभीर है।

चारपाई से बच्चे को उठा ले गया तेंदुआ खेत में मिला शव

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार : सदर कोतवाली की पुलिस चौकी महेवागंज के गांव ज्ञानपुर में शनिवार की रात अपने पिता के साथ सो रहे छह साल के बच्चे को तेंदुआ चारपाई से उठा ले गया। रविवार सुबह बच्चे का अधखाया शव गन्ने के खेत में मिला। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिवार वालों को सौंप दिया।

बिलखती मां

सदर कोतवाली गांव ज्ञानपुर निवासी सुशील ने बताया कि शनिवार रात उनका पुत्र बादल उनके साथ घर के बाहर चारपाई पर सो रहा था। रात 12 बजे के आसपास तेंदुआ बच्चे को उठा ले गया। बच्चे की चीख सुनकर सुशील की आंख खुली तो उनकी नजर बच्चे को ले जा रहे तेंदुए पर पड़ी। उन्होंने शोर मचाते हुए तेंदुए का पीछा किया। तमाम ग्रामीण भी पहुंच गए।

इस बीच तेंदुआ किसी गन्ने के खेत में घुस गया। रविवार सुबह घर से करीब 500 मीटर की दूरी पर गन्ने के खेत में बादल का अधखाया शव मिला। ग्रामीणों का आरोप है कि शनिवार की शाम तेंदुआ देखा गया था। वन विभाग रात में कांबिंग करता तो शायद बादल की जान नहीं जाती। रविवार की शाम पोस्टमार्टम के बाद शव जब गांव लाया गया तो लोग आक्रोशित हो गए और परिवार को आर्थिक मदद देने को लेकर सड़क जाम कर दी।

गर्भवती पत्नी संग फांसी के फंदे से लटका पति

बाराबंकी, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के ग्राम गोपालपुर में रविवार सुबह पति ने गर्भवती पत्नी के साथ संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर जान दे दी। घटना का पहला कारण घरेलू कलह सामने आया है। वहीं घटना में चार साल के मासूम के सिर पर से माता पिता का साया उठ गया।

रोहित सोनी 30 और उसकी पत्नी मुन्नी देवी 27 के बीच लंबे समय से पारिवारिक विवाद चल रहा था। मुन्नी देवी पिछले तीन वर्षों से अपने मायके मलकूपुर में रह रही थीं। करीब दो माह पूर्व वह ससुराल लौटी थीं, लेकिन रिश्तों में सुधार नहीं हो सका। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले दोनों के बीच फिर विवाद हुआ था।

डिलीवरी के लिए जमा की गई रकम को रिश्वत के तौर पर ले गए प्रधान सचिव

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: गर्भवती पत्नी की डिलीवरी के लिए श्रमिक ने जैसे-तैसे तीस हजार रुपये जमा किए। आरोप है कि प्रधानमंत्री आवास की पात्रता सूची में नाम आने के बाद प्रधान सचिव ने रिश्वत के तौर पर ये रकम ऐंठ ली। मांगने पर आवास योजना से वंचित करने की धमकी दे डाली। पीड़िता ने इसकी शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है।

मरौरी ब्लॉक के ग्राम रुपपुर सैजना की रहने वाली ममता देवी पत्नी देवेंद्र कुमार ने डीएम से की गई शिकायत में बताया कि वह गरीब व भूमिहीन हैं। पति मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करते

● बिना रुपये दिए आवास योजना का लाभ न मिलने की कही बात, धमकाया

● डीएम से पीड़िता ने की शिकायत, मरौरी ब्लॉक क्षेत्र की ग्राम पंचायत रूपपुर सैजना का मामला

हैं। उनका कच्चा छप्परपोश घर है, जिसमें परिवार गुजर बसर करता है। ग्राम में प्रधानमंत्री आवास आए हुए हैं। उनका नाम भी पात्रता सूची में दर्ज है। घर को लेकर सर्वे भी हो चुका है।

24 जुलाई को पति मजदूरी करने बाहर गए थे। शाम करीब साढ़े सात बजे पंचायत सचिव, प्रधान का देवर आए और कहा कि 30 हजार रुपये दे दो। तभी प्रधानमंत्री आवास की रकम पंद्रह दिन के भीतर खाते में आ जाएगी। रुपये देने से मना किया तो धमकाया कि बिना रुपये दिए आवास योजना का लाभ नहीं मिलेगा। इस पर आरोपियों को तीस हजार रुपये दे दिए।

पति के घर आने पर उन्हें पूरी बात बताई। जब रुपये वापस मांगे गए तो साफ कह दिया कि बिना रकम के कुछ नहीं मिलेगा। रुपये वापस करने से भी इन्कार कर दिया है। ये भी बताया कि पीड़िता इन दिनों गर्भवती है। उसकी डिलीवरी के लिए पति ने तीस हजार रुपये जमा किए थे, जिसे आवास की खातिर रिश्वत के रुप में दिया गया। रुपये वापस दिलाकर योजना से लाभान्वित कराने की मांग की गई।

मनसा देवी भगदड़ में 3 श्रद्धालुओं की मौत से मचा कोहराम

संवाददाता,रामपुर/बिलासपुर/ स्वार

अमृत विचार : हरिद्वार के मनसा देवी में हुई भगदड़ में जिले के तीन युवकों की भी जान चली गई।

मरने वालों में एक श्रद्धालु उत्तराखंड के काशीपुर का निवासी था और लंबे समय से अपने मामा के घर अजीमनगर इलाके के एक गांव में रह रहा था। हादसे में किसी मां ने अपना बेटा खो दिया तो किसी ने अपना भाई खोया है। तीनों कांवड़ लेने और मनसा देवी मंदिर दर्शन करने गए थे। हादसे से परिजनों में कोहराम है। घरों में मातम पसरा है। मनहूस खबर ने हर किसी को झकझोकर कर रख दिया है।

बिलासपुर में नगरिया कलां का मझरा गांव निवासी टीकाराम सैनी का 20 वर्षीय पुत्र विक्की सैनी कुआखेड़ा गांव स्थित श्री गुरू तेग बहादुर साहिब राजकीय महाविद्यालय में बीए द्वितीय वर्ष का छात्र था। परिजनों के मुताबिक, छात्र अपने तहेरे भाई सचिन पुत्र गोविंद राम सैनी के साथ शनिवार की रात आठ बजे बाइक से डाक कांवड़ लेने के लिए निकला था। जबकि विक्की सैनी के रिश्तेदार उत्तराखंड के काशीपुर के गांव वसुवाखेरी निवासी रघुवीर सिंह का 20 वर्षीय बेटा विपिन सैनी अपने मामा के यहां पर काफी सालों से अजीमनगर थाना क्षेत्र के गांव बहादुर गंज में रह रहा था।

वह भी दोस्त जय किशन के साथ बाइक से डाक कांवड़ लेने के लिए निकला। चारों लोग बाइक से निकले। रविवार को भगदड़ से कई श्रद्धालु इसकी चपेट में आ गए। इसी भगदड़ में विक्की,विपिन और विशाल घायल हो गए। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां पर तीनों ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। सुबह नौ बजे सूचना मिलते ही कोहराम मच गया। परिजन हरिद्वार के लिए रवाना हो गए हैं।

विपिन।

विक्की।

● हादसे की खबर मिलने के बाद परिवार के लोग हरिद्वार रवाना

विशाल।

चार भाई-बहनों में सबसे छोटा था विक्की

विलासपुर गांव की प्रधान सविता देवी के पति चौधरी लोकेन्द्र सिंह व विक्की के रिश्तेदार ने बताया कि मृतक के चार बहन-भाई में सबसे छोटा था। बड़े भाई राजकुमार की शादी हो चुकी है, जबकि बहनें अविवाहित हैं। उसके पिता सीमेंट की दुकान पर मुनीम की नौकरी करते हैं। बेटे की मौत के बाद पिता का रो-रोकर बुरा हाल है।

महत्वाकांक्षी परियोजना

हिमालय व पर्वतीय क्षेत्र में भूस्खलन व बादल फटने की जानकारी देगा निसार उपग्रह

एरीज के लिए बेहद मददगार होगा निसार

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: नासा के साथ साझा परियोजना इसरो का अति महत्वपूर्ण मिशन निसार हिमालय समेत पर्वतीय क्षेत्र में भूस्खलन व बादल फटने जैसी घटनाओं के वैज्ञानिक कारणों की जानकारी देने में बेहद मददगार साबित होगा। निसार बहुआयामी महत्वाकांक्षी परियोजना एरीज के वैज्ञानिकों के लिए बेहद मददगार साबित होगी। उपग्रहों की दुनिया में इसरो की यह ऐतिहासिक छलांग है।

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के निदेशक डॉ. मनीष नाजा ने 30 जुलाई को लॉन्च होने जा रहे उपग्रह निसार को लेकर कहा कि हिमालय के ग्लेशियरों का पिघलना व बनना लगा रहता है। जलवायु परिवर्तन के चलते हिमालय में कई बदलाव देखे गए हैं। अभी तक हिमालय पर होने वाली आपदाओं का पता लगाने के लिए एरीज को अलग मिशनों का सहारा लेना पड़ता था, लेकिन यह पहला उपग्रह होगा जो हमें एक साथ सभी जानकारी दे सकेगा। यह वास्तव मे बेहद महत्वपूर्ण मिशन है, जो हिमालय क्षेत्र में आने वाली आपदाओं के कारणों की जानकारी देने में बेहद मददगार साबित होगा।

2014 से साथ काम कर रहे निसार पर

नैनीताल : एरीज के आउटरीच प्रभारी मोहित जोशी ने बताया कि जलवायु परिवर्तन समेत तमाम आपदाओं की मार झेल रही धरती को लेकर तकनीकी रूप से दुनिया को मजबूत बनाने की सबसे बड़ी जरूरत है जिसे लेकर निसार जैसे मिशन की जरूरत आन पड़ी थी। इस मिशन पर वर्ष 2014 से इसरो व नासा पिछले एक दशक से भी अधिक समय से साथ काम कर रहे थे। एरीज में पर्यावरण को कई वैज्ञानिक कार्यरत हैं। जिनके रिसर्च को आसान करने के यह उपग्रह अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगा।

बादल फटने, वनाग्नि, जलवायु परिवर्तन में कारगर: निदेशक डॉ. मनीष नाजा के अनुसार, यहां बादल फटने जैसी घटनाएं अक्सर होती रहती हैं जिसकी उत्पत्ति की भीतरी यानी भूमि के भीतर की जल की स्थिति व ऊपरी वायुमंडल के वातावरण में उत्पन्न स्थितियों की डेटा की यह मिशन गहन जानकारी देगा और असल कारणों का पता लगाने में मदद

करेगा। मध्य हिमालय क्षेत्र के जंगलों में लगने वाली आग के नुकसान की सटीक जानकारी देने में यह मिशन अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगा, तूफान जैसी घटनाओं को पता लगा सकेगा। इनके अलावा, जलवायु परिवर्तन के चलते कृषि क्षेत्र में बदलावों का सर्वे करने में यह मिशन महत्वपूर्ण साबित होगा। भूस्खलन जैसी घटनाओं के कारणों की सटीक जानकारी दे सकेगा जिससे भूस्खलन क्षेत्र की भूमिगत संवेदनशीलता की जानकारी मिल सकेगी। हिमालय की स्थिति व बदलाव को लेकर एरीज आंकड़े जुटाता है। निसार के आ जाने से एरीज की रिसर्च आसान हो जाएगी।

अमृत विचार

बरेली , सोमवार,28 जुलाई 2025

श्रद्धा, भक्ति और उल्लास से मनाई हरियाली तीज

हरियाली तीज पर पारंपरिक वेशभूषा में सजधज कर मंदिरों में महिलाओं ने की शिव पार्वती की पूजा, मेले में की मस्ती

फतेहगंज पश्चिमी के एक फार्म हाउस में अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महा सम्मेलन की महिला इकाई मेहंदी रचाकर हाथ दिखाती।

महिलाओं ने हरियाली तीज को उत्साह और उमंग के साथ मनाया और हाथों में रचाई मेहंदी की डिजाइन का प्रदर्शन किया।

कार्यालय संवाददाता, बरेली।

अमृत विचार : श्रद्धा और उल्लास से महिलाओं ने भक्ति के साथ हरियाली तीज मनाईगई। संगीत और मेहंदी सजाकर तीज मेला में झूले लगाए गये।

फतेहगंज पश्चिमी में हरियाली तीज के अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के तत्वाधान में महिलाओं ने मेंहदी,संगीत, खेल आदि का आयोजन कर हरियाली तीज का पर्व पूरे उत्साह और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर कस्बे व गांव की महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सज-धजकर मंदिरों और पूजा स्थलों पर एकत्रित हुईं। महिलाओं ने भगवान शिव-पार्वती की विशेष पूजा-अर्चना की। त्योहार विशेष रूप से विवाहित महिलाओं द्वारा अपने पति की दीर्घायु और सुख-समृद्धि के लिए मनाया जाता है। सुबह से ही महिलाएं तैयारियों में जुट गई थीं। पारंपरिक परिधान पहनकर और हाथों में मेहंदी रचाकर उत्सव का वातावरण बनाया।

नगर के समीप चिटौली गांव के समीप हरि फार्म हाउस पर आई वी एफ की महिला इकाई ने मोहिनी गोयल के नेतृत्व में तीज महोत्सव का आयोजन कर महिलाओं की मेंहदी प्रतियोगिता, डांस, खेल,नृत्य आदि का आयोजन कर सूक्ष्म जलपान के साथ हरियाली तीज धूमधाम से मनाई। इस दौरान महिलाओं ने उल्लासपूर्ण वातावरण में सावन के पर्व को मनाया। मायके आईं महिलाओं ने झूला झूला।

कार्यक्रम में अंतराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन महिला इकाई की नैना गोयल,सुची गोयल, प्रीति अग्रवाल,प्रिया अग्रवाल, प्रीति गोयल, विदुषी अग्रवाल, शिखा गोयल, सारिका गोयल, मनीषा गोयल,प्रियंका अग्रवाल, रमा जायसवाल, अंजू गुप्ता, सोनाली, पूजा अग्रवाल, मेघा अग्रवाल, दीपा अग्रवाल, मधु अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल के साथ अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं।

नवाबगंज में तीज मेले में महिलाओं ने लिया झूलों का आनन्द: नवाबगंज में हरियाली तीज क्षेत्र में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाई गई । इस अवसर पर आयोजित तीज मेले में महिलाओ सावन के गीतों के साथ झूलों का आनन्द लिया ।

उत्तरी सिरे पर पाण्डेय परिवार द्वारा आयोजित हरियाली तीज मेले का उद्घाटन पालिकाध्यक्ष प्रेमलता राठौर व महिला मोर्चे की जिला सचिव डा0 मीनाक्षी गंगकार तथा भाजपा की पूर्व जिलाध्यक्ष विमला शुक्ला द्वारा संयुक्त रूप से किया गया । मेले में मधुवाला पाण्डेय, सीमा पाण्डेय, वन्दना, पूनम व श्रष्टि पाण्डेय के साथ ही नगर की महिलाओ ने सावन के गीतो के साथ झूले का आनन्द लिया । मेले में व्यापारी नेता विनोद गुप्ता, हिन्दू जागरण मंच के जिला उपाध्यक्ष हरपाल गंगवार, अरविन्द शुक्ला, सुरेन्द्र गौड़, राजवेन्द्र पाण्डेय, रोहित पाण्डे व श्वेतांक पाण्डे का विशेष सहयोग रहा ।

सिरौली में धूमधाम से मनाया गया हरियाली तीज का पर्व

सिरौली : सिरौली क्षेत्र में रविवार को हरियाली तीज का पर्व धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। नगर सिरौली के राधा कृष्ण मंदिर पर हरियाली तीज के अवसर पर झूला डाले गए और मंदिर परिसर में डीजे लगाया गया जहां पर रविवार की शाम सभी महिलाएं एकत्र हुई और सभी ने झूले झूला । डीजे की धुन पर महिलाओं ने डांस किया। रविवार की सुबह से ही मंदिर परिसर में महिलाओं के जलपान की व्यवस्था की गई। मोहल्ला साहूकारा स्थित राम लीला मंदिर और श्री धाम गंगा मंदिर पर भी हरियाली तीज का कार्यक्रम आयोजित किया गया हरियाली तीज पर नगर सिरौली की बाजारों में महिलाओं की भारी भीड़ भाड़ रही। सुरक्षा की दृष्टि से सिरौली इंस्पेक्टर जगत सिंह अपनी पूरी पुलिस बल के साथ नगर में भ्रमणशील रहे। कार्यक्रम में रितु गुप्ता, सोनी गुप्ता, अंजली गुप्ता, समता गुप्ता, संध्या गुप्ता, एकता गुप्ता, आयुषी गुप्ता सिमरन गुप्ता रति रस्तोगी आदि महिलाएं मौजूद रही।

रिठौरा मंदिर परिसर में लगे मेले में बालिकाओं ने मेहंदी रचाकर प्रदर्शन किया।

रिठौरा के मंदिर में लगा हरियाली तीज का मेला

रिठौरा। सुहागिनों के पवित्र त्योहार हरियाली तीज पर मंदिर प्रांगण में मेला लगा। घरों में लजीज व्यंजनों के साथ पतियों की लम्बी उम्र के लिए गौर पूजन के साथ ही हरियाली तीज मेले देवी गीत, झूला झूलने तथा महेंदी प्रतियोगिता में बढ़-चढ़ कर भाग ले रहीं नव-विवाहिताओं, किशोरियों का उत्साह देखते ही बन रहा था।

नवाबगंज में तीज मेले में महिलाओं ने सावन के गीतों के साथ झूले का आनंद लिया।

न्यूज ब्रीफ

पंखे में करंट उतरने से युवक की मौत

बिशारतगंज, अमृत विचार : वार्ड 8 लाइन पार लोहिया नगर में शनिवार रात पंखे में करंट आने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक के घर में कोहराम मच गया। रेलवे लाइन पार वार्ड 8 निवासी सतीश कुमार मौर्य (25) अपने मित्र मैकूलाल के साथ खाना खा रहा था। मैकूलाल पानी लेने चला गया। इसी दौरान सतीश ने पंखा अपनी ओर घुमाया। पंखे में करंट आ रहा था। पंखा सतीश के ऊपर गिर गया। करंट लगने से मौके पर ही उसकी मौत हो गई। सतीश की मौत की खबर से घर में कोहराम मच गया।

तालाब पर कब्जा डीएम से शिकायत

दुनका, अमृत विचार : दुनका निवासी अकील अहमद उर्फ भूरा पुत्र गौहर अली ने जिलाधिकारी से शिकायत की है कि ग्राम दुनका में गाटा सं0-332 तथा इसका कुल क्षेत्रफल 0.0630 हे0 जो कि खाद के सरकारी गड्ढे हैं। इस पर गांव के ही अकील अहमद पुत्र अब्दुल रहीम ने अपने पक्के मकान के ग्राउण्ड में चारदीवारी के अन्दर खाद के गड्ढे अपने-अपने मकान में ले लिये हैं जो कि लगभग डेढ़ बीघा जमीन सरकारी है । पत्र में उन्होंने विस्तार से जमीन का आंकड़ा देते हुए सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त कराने की मांग की है।

सड़क निर्माण को सांसद से गुहार

क्योलडिया, अमृत विचार : जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ बरेली के जिला महामंत्री तेजपाल मौर्य ने क्योलड़िया बाजार से हर्रैय्या पुलिया तक सड़क एवं नाला निर्माण हेतु सांसद छत्रपाल गंगवार को पत्र लिखा। उन्होंने लिखा कि इसी सड़क पर बी आर सी कार्यालय, प्राथमिक विद्यालय प्रथम, प्राथमिक विद्यालय द्तीय, उच्च प्राथमिक विद्यालय, राजकीय विद्यालय,शिव मंदिर,जी आर एम पब्लिक स्कूल, गोल्डन पब्लिक स्कूल, आदर्श जूनियर हाईस्कूल आदि के हजारों छात्र छात्राओं को विधालय आने जाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। सांसद ने अध्यक्ष जिला पंचायत बरेली को संबंधित को निर्देशित करने हेतु पत्र लिखा है और शीघ्र समस्या का आश्वासन दिया है।

देवरनियां पुलिस ने मुठभेड़ में दो लुटेरे पकड़े, सिपाही घायल

संवाददाता, देवरनियां

अमृत विचार : देवरनियां पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान दो शातिर लुटेरों को पकडकर बारह दिन पूर्व सर्राफा से हुई लूट का खुलासा कर दिया है। गिरफ्तार दोनों लुटेरों के पैर में गोली लगी है और लूटी हुई एक बाइक भी बरामद हुई है।

गत 15 जुलाई की शाम थाना भोजीपुरा के धौराटांडा निवासी सर्राफा विनोद कुमार रस्तोगी पुत्र दरबारी लाल से बाइक सवार लुटेरों द्वारा एक मोबाइल तथा बैग में रखे पुरानी चांदी व पुराना सोना नगद 35 हजार रुपये लूटे गये थे । देवरनियां कोतवाली में दर्ज घटना के खुलासे के लिए कोतवाली प्रभारी आशुतोष द्विवेदी लगे थे।

कोतवाली प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम को रात 2.15 बजे बसुधरन जागीर मन्दिर से रहपुरा घनश्याम की ओर सड़क पुख्ता पर चैकिंग के दौरान दो बाइक सवार दिखाई दिए । रोकने पर उन्होंने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। बदमाशों से पुलिस मुठभेड़ में दो अभियुक्तगण शिवम पुत्र रामौतार निवासी ग्राम गुलड़िया कोतवाली मीरगंज, और दूसरा दिनेश उर्फ हरिनन्दन पुत्र सियाराम निवासी ग्राम बुझिया सुमाली थाना भोजीपुरा के पैरों में गोली लगने पर घायल अवस्था में मौके से गिरफ्तार किया गया। इस दौरान एक सिपाही नितिश भी घायल हुआ है। तीनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पकडे गए दोनों लुटेरे आपस में मामा-भांजे हैं।

पुलिस टीम को अभियुक्तों के कब्जे से चांदी के जेवर, 30 हजार रूपये नकद, दो तमंचा 315 बोर दो खोखा कारतूस है। पूछताछ में अभियुक्त दिनेश उर्फ हरिन्दन ने बताया कि शिवम उसका भांजा है । दोनों अपनी आर्थिक एवं भौतिक जरूरतों को पूरा करने के लिए गैंग बनाकर चोरी और लूट कीघटनाओं को अंजाम देते हैं। दोनों के खिलाफ देवरनियां और रामपुर में भी मामले दर्ज हैं।

पुलिस टीम में कोतवाली प्रभारी के अलावा एसएसआई नवदीप कुमार, रिछा चौकी इंचार्ज देवेन्द्र कुमार राठी, एसआई सुनील कुमार , सतीश कुमार, मुकेश कुमार, हेड कांस्टेबल शमशुल हसन, कांस्टेबल बिट्टू सिंह, संदीप कुमार,रोहित कुमार, नितिश शामिल रहे।

देवरनियां-पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार दोनों लुटेरे व बरामद बाइक।

- **दोनों के पैर में लगी गोली, सर्राफा से हुई लूट का हुआ खुलासा**
- **दोनों लुटेरे मामा-भांजे, जरूरत पूरी करने को करते थे वारदात**

ड्रोन चोर के शक में ग्रामीणों ने तीन मजनुओं को पीटा

भोजीपुरा, अमृत विचार : दोस्त के खाली मकान में दो लड़कियों को लेकर पहुंचे युवकों को गांव वालों ने ड्रोन चोर समझकर पिटाई कर दी।

पीपलसाना चौधरी निवासी मोहम्मद उबैस और जादौंपुर निवासी मोहम्मद नदीम अपने एक दोस्त बिबियापुर कायस्थान निवासी सुरेंद्र कुमार के खाली मकान में दो लड़कियों को लेकर पहुंचे थे। रात करीब 11 बजे जब ग्रामीणों ने खाली घर में हलचल देखी, तो उन्होंने युवकों को ड्रोन चोर समझ लिया और शोर मचाया तो भीड़ एकत्र हो गई और तीनों युवकों की पिटाई कर दी। चौकी इंचार्ज ने मौके पर पहुंचकर मुश्किल से तीनों को ग्रामीणों की भीड़ से छुड़ाया।

जांच की गई तो पता चला दोनों लड़कियां सगी रिश्तेदार हैं। एक लड़की को शनिवार को मां ने डांट दिया तो रिश्तेदार लड़की को लेकर बहेड़ी में खाला के घर जाने को निकल पड़ी। टैम्पों वाला भैरपुरा बाजार के पास उन्हें छोड़कर भाग गया। तभी जादौंपुर निवासी नदीम को सड़क किनारे दोनों लड़कियां मिली। नदीम की ओर से गांव के दो युवकों के खिलाफ मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। बिबियापुर कायस्थान के दो ग्रामीणों के खिलाफ सुरेन्द्र की तहरीर पर मारपीट का मामला दर्ज किया है।

न्यूज डायरी

कलश यात्रा के साथ भागवत सप्ताह शुरू

आंवला, अमृत विचार : श्रीभागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ, एवं रामचरित मानस अखंड पाठ का शुभारंभ कलशयात्रा के साथ हुआ। जिसमें भारी संख्या में महिलाएं और युवतियां शामिल रहीं। कलशयात्रा का शुभारंभ लठैता मोहल्ला स्थित दुर्गा मंदिर से हुआ। यात्रा सरकारी अस्पताल होते हुए पुरैना सिद्ध मंदिर स्थली पर पहुंची। उसके उपरांत गंज त्रिपौलिया होते हुए दुर्गा मंदिर पर सम्पन्न हुई। रोहित सिंह ने बताया कि उनके मोहल्ला स्थित दुर्गा मंदिर पर श्री भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का आयोजन 27 जुलाई से 3 अगस्त तक किया जायेगा। जिसमें कथाव्यास आचार्य पटवारी लाल जी कथा का बखान करेगें।

सीएमओ ने देखा संचारी रोग अभियान

मीरजगंज,अमृत विचार : विकास खंड के ग्राम बल्लिया एवं ग्राम चनेटा में मुख्यचिकित्सा अधिकारी डा. विश्राम सिंह ने चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर वैभव राठौर के साथ संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान का पर्यवेक्षण किया। सीएमओ डॉक्टर विश्राम सिंह सबसे पहले ग्राम बल्लिया पहुंचे। जहां उन्हें साफ सफाई व्यवस्था ठीक प्रकार मिली।सीएमओ ने साफ सफाई,नालियों की सफाई, झाड़ियों की कटाई, एंटीलार्वा एवं फॉगिंग के बारे में जानकारी ली। उन्होंने ग्राम प्रधान टीकाराम और सचिव ओमेंद्र कुमार द्वारा कराई गई साफ सफाई व्यवस्था की प्रशंसा की। ग्राम चनेटा में भ्रमण के समय साफ सफाई होते हुई पाई गई। दस्तक अभियान के स्टीकर चस्पा पाए गए । इस दौरान सत्येंद्र सिंह, डा. प्रशांत रंजन,एसएमआई सूरज यादव, पुनीत सक्सेना, धनेश्वर गिरी, मोहित कुमार एवं निशा राज, रईस, अशोक बाल्मीकि आदि उपस्थित रहे। उन्होंने मीरगंज सीएचसी का भी निरीक्षण किया। यहां व्यवस्थाएं उन्हें ठीक मिली ।

विकास में करें सक्रिय भागीदारी

शेरगढ़, अमृत विचार : राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए) के तहत पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स (पीएआई) पर आधारित ब्लॉक स्तरीय एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला ब्लॉक सभागार में हुई। जिसमें ग्राम प्रधानों तथा पंचायत सचिवों ने प्रतिभाग किया। इस दौरान पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स पर विस्तृत चर्चा की गई । प्रशिक्षक वीरेश कुमार,डिंपल गौड़,विकास पटेल,अमरीश पटेल ने पी-1 वर्जन में कमियों की जानकारी दी। बीडीओ कौशल कुमार गुप्ता ने उपस्थित अधिकारियों-कर्मचारियों और ग्राम प्रधानों को गांव के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने को प्रेरित किया। उन्होंने सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए हर पात्र तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का आह्वान किया।

डिफेंस एंक्लेव में चंदे से सड़क दुरुस्त करा रहे लोग

संवाददाता, कैंट

अमृत विचार: ब्लॉक क्यारा के गांव कांधरपुर में दूरदर्शन केन्द्र के पीछे स्थित डिफेंस एंक्लेव कॉलोनी करीब 20 साल पहले विकसित हुई थी। तब से अब तक कॉलोनी का मुख्य मार्ग समेत गलियों की सड़कें तथा नालियां न बनने से जलभराव के साथ कीचड़ की स्थिति बनी हुई है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इसी रास्ते से सुबह बच्चे स्कूल जाने के लिए निकलते हैं लेकिन जलभराव और फिसलन होने से उन्हें इधर से गुजरने में दिक्कत होती है जनप्रतिनिधियों ने भी कालोनी के विकास से मुंह मोड़ लिया है। स्थानीय लोग चंदा एकत्र करके सड़क पर मिट्टी डालकर आवागमन लायक रास्ता बना रहे हैं। कॉलोनी के गोपाल सिंह विष्ट ने बताया। कि कॉलोनी में करीब 120 घरों में लगभग 700 लोग रहते हैं। सभी ने चंदा करके अब काम शुरु कराया है। स्थानीय लोगों ने लोकसभा, विधानसभा, जिला पंचायत, ग्राम पंचायत के चुनाव में वोट लेने वाले नेताओं ने वोट लेने के लिए यहां समस्या हल कराने का वायदा किया लेकिन चुनाव जीतने के बाद कालोनी में समस्या हल कराने में रुचि नहीं दिखाई है।

मजूदरों के साथ काम में जुटे कॉलोनी के लोग। ● अमृत विचार

बीडीओ क्यारा ओम प्रकाश प्रजापति कहते हैं कि पीडब्ल्यूडी द्वारा जब तक लालफाटक से जुए की पुलिया तक नाला निर्माण नहीं कराया जाता, तब तक उक्त समाधान संभव नहीं है। बिथरीचैनपुर विधायक डा. राघवेन्द्र शर्मा ने बताया कि कांधरपुर में दो दर्जन से अधिक कालोनियों को बिल्डर्स द्वारा बीडीए से अप्रूव्ड किए बिना मानकों के विपरीत बनाया गया है। इससे लोगों को परेशानी हो रही है। प्रधान से बात करके बरसात के बाद कार्य कराया जाएगा।

सोमवार को जलाभिषेक करने को कांवड़िया जल लेने रवाना

भदपुरा ब्लाक के दर्जनों गांव से कांवड़ियों का जत्था हुआ रवाना,रिठौरा के 51 कांवड़ियों के दल पर श्रुति गंगवार ने की पुष्प वर्षा

भदपुरा, अमृत विचार: रविवार को विकासखंड के जरपा मोहनपुर, भदपुरा, बड़ागांव, मधुनगला, मेथी नवदिया, ढकिया बर्कली साहब, क्योलडिया सहित दर्जनों गांवों से कछला से जल लेने हजारों कावड़िया भोले के गानों पर थिरकते हुए जल लेने रवाना हुए। गर्मी में जगह जगह पर समाजसेवियों ने भक्तों को जलपान कराया। थाना प्रभारी राजबली सिंह के नेतृत्व में चौराहों और जगह जगह पर पुलिस मौजूद रही। और कही जाम जैसी स्थिति नहीं होने दी। सभी कांवड़िया सोमवार को अपने अपने देवस्थान पर जलाभिषेक करेंगे। **आज करेंगे जलाभिषेक:** अलीगंज , अमृत विचार : जय मां दुर्गा कावड़ यात्रा समिति मझगवां के कावड़ियों के रविवार को मंदिर पहुंचने पर ग्रामीणों द्वारा स्वागत किया गया। मंदिर के महंत हवलदार बर्मा ने बताया कि सोमवार की सुबह कांवड़िया गौरी शंकर गुलड़िया गौरी शंकर शिव मंदिर पर जलाभिषेक करेंगे वापसी में मंदिर पर ही कन्या भोज का आयोजन किया जाएगा।

क्योलडिया से जल लेने रवाना हुए कांवडिये। ● अमृत विचार

उधर खैलम गांव के कावड़ियों का जत्था अलीगंज पहुंचा। इस गांव के कावड़िया सोमवार को गुलरिया गौरी शंकर धाम पर जलाभिषेक करेंगे। यहां पर पुलिस सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं।

कांवड़ियों का किया स्वागत : बिशारतगंज : रविवार को कछला से गंगाजल लेकर जलाभिषेक के लिए गौरीशंकर गुलड़िया के शिव मंदिर जाते समय कस्बे के शिव भक्तों का कस्बा में पुष्प वर्षा एवं जलपान कराकर स्वागत किया। पूर्वी रेलवे क्रॉसिंग के पास बाबा मुरलीदास की मढ़ी , स्टेशन तिराह पर शिवम् साहू, पुराना बाजार में पूर्व चेयरमैन सूरज पाल मौर्य, आदि ने पुष्प वर्षा एवं जलपान कराकर स्वागत किया। इसके अलावा कछला से गंगाजल लेकर गौरी शंकर गुलड़िया के शिव मंदिर जाते समय कस्बे में होकर गांव सुल्तानपुर, दसीपुर, रहमानपुर,भिंड़ौरा, मिर्जापुर, कन्धरपुर आदि गांवों के शिव भक्तों के जत्थों का पुष्प वर्षा कर कस्बा वासियों ने स्वागत किया गया।

एसएसपी ने कांवड़ियों को खिलाया भंडारा

रिठौरा, अमृत विचार : इज्जतनगर पुलिस ने सावन माह में रविवार को शिव भक्त कांवरियों के लिए भंडारे का आयोजन मुंडिया अहमदनगर में इंपीरियल लॉन परिसर में किया। भंडारे का शुभारंभ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने भोलों को भंडारा खिलवाकर किया। श्री आर्य ने कहा कांविड़यों को भंडारे तथा उनके विश्राम और सुरक्षा के लिए पुलिस पूरी तत्परता से सेवा कर रही है। इस दौरान इज्जतनगर थानाध्यक्ष विजेंद्र सिंह,एसपी सिटी मानुष पारिक, सीओ थर्ड पंकज श्रीवास्तव , वेद प्रकाश पटेल , शिव कुमार मिश्रा , सुनील पटेल , अरविंद भदौरिया , बंटू पटेल , विपिन पटेल, गोपेश पटेल, विवेक पटेल, प्रदीप कुमार गुप्ता का विशेष सहयोग रहा। रिठौरा में वेदप्रकाश गुप्ता, उमेश गुप्ता, राजेश कुमार गुप्ता, अतुल गुप्ता, संजीव गुप्ता, लोकेश

जल लेने गए डाक कांवरियों के जत्थे पर की पुष्प वर्षा

रिठौरा, अमृत विचार : विधानसभा नवाबगंज के थाना हाफिजगंज के गांव खाईखेड़ा से 51 सदस्यीय डाक कांवडि़यों का जत्था रविवार को कछला घाट जल लेने रवाना हुआ। इससे पहले अर्बन कोआपरेटिव बैंक की चेयरपर्सन श्रुति गंगवार एवं बाल श्रम आयोग भारत सरकार के सदस्य भुजेंद्र गंगवार ने कांवरियों को अंगवस्त्र भेंट कर फूल माला पहना कर पुष्पवर्षा कर उन्हें रवाना किया। गांव के शिवालयों देवस्थानों में विशेष पूजा -अर्चना कर जल लाने के लिए बम -बम भोले के जय घोष के साथ जत्थे को रवाना किया। इस दौरान ग्राम प्रधान पति पप्पू सागर, पंडित रामबाबू शर्मा, सोनू गंगवार, विनय चौधरी, सत्यवीर सिंह, जुगेंद्र सिंह,विजय मौर्य,आकाश गंगवार ,सरदार प्रिंस, मनोज गंगवार सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

दामाद से हुआ झगड़ा, दबंगों ने ससुर को पीट डाला

भोजीपुरा, अमृत विचार : परचून दुकानदार ने उधार के रुपये मांगे तो दबंगों ने उसकी दुकान पर पथराव कर दिया। दुकानदार ने दुकान में बंद होकर जान बचाई। हमलावरों को रास्ते में दुकानदार के ससुर मिल गए तो हमलावरों ने 70 वर्षीय रफीक अहमद की लोहे की राड से पिटाई कर लहूलुहान कर दिया। हमलावर मरणासन्न अवस्था में बुजुर्ग को छोड़कर फरार हो गए।

धौंराटांडा निवासी रफीक अहमद के दामाद ईसापुर निवासी फिरोज की परचून की दुकान वार्ड 15 में है। फिरोज की दुकान के 12 हजार रुपये मुजीब पर आ रहे थे। फिरोज अपने उधार के पैसे मुजीब से मांगे तो वह गुस्सा हो गया और बेटे मुदिस्सर के साथ मिलकर फिरोज की दुकान पर पथराव कर दिया तो उसने दुकान बंद करके जान बचाई। पथराव करके हमलावर लौट रहे थे तभी सामने से फिरोज के बुजुर्ग ससुर आते दिखे तो पिता पुत्र ने उन्हें लोहे की राड से पीटकर घायल कर दिया है। घायल की तहरीर पर पुलिस ने मुजीब,मुदिस्सर,व एक अन्य के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

सिटी ब्रीफ

तहसीलदार ने सजरे के अनुसार दिए निर्माण कराने के निर्देश

नवाबगंज, अमृत विचार : ग्राम ग्रेम में शमशान भूमि जाने वाले रास्ते पर सीसी मार्ग का निर्माण कराया जा रहा है, चकदार छत्रपाल का आरोप है कि अभिलेखों में रास्ते की चौड़ाई मात्र 2 मीटर है लेकिन प्रधान द्वारा 4 मीटर चौड़ा रोड डाला जा रहा है जिससे उसके खेत का रकबा भी कम हो रहा है। जांच में राजस्व टीम द्वारा चकमार्ग गलत स्थान पर होने व निर्धारित से अधिक चौड़ाई पर डाले जाने की पुष्टि करने पर, तहसीलदार ने बीडीओ को उक्त चकमार्ग सजरे के अनुसार ही डलवाने के लिए लिखा है। दूसरी ओर प्रधान ओमकार कश्यप ने बताया कि इस मार्ग पर पहले से ही खड़ंजा बिछा है जिसकी चौड़ाई के अनुसार ही सीसी रोड डलवाया जा रहा है ! मामले में पक्षों से वार्ता कर निस्तारण करा दिया गया है विवाद शान्त हो गया है ।

बाइक की टक्कर से 3 कांवड यात्री घायल

आंवला, अमृत विचार : आंवला बदायूं रोड के धर्मपुर गांव के समीप तीन कांवड यात्रियों को एक बाइक ने टक्कर मार दी। जिससे वह घायल हो गये। साथियों ने उन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा है। कसूमुराह गांव निवासी मनोज, आकाश, अविनाश शनिवार को कछला गंगा घाट से जल लेकर वापस लौट रहे थे। रविवार की देर शाम धर्मपुर गांव के समीप उन्हें एक बाइक ने टक्कर मार दी। जिससे वह घायल हो गये।

गलत आय प्रमाण पत्र से आंगनबाड़ी में पाई नौकरी

क्योलडिया , अमृत विचार : भदपुरा ब्लॉक की ग्राम पंचायत पेहना पेहिनया में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के चयन में जमकर धांधली की गई है। फर्जी व गलत तरीके से कम आय का प्रमाण पत्र लगाकर आवेदिका ने अपना चयन करा लिया है। इस मामले में डीएम से शिकायत कीगई है। कृष्णा देवी पत्नी मुनीष कुमार ने डीएम को दिए शिकायती पत्र में कहा है कि उसका चयन आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के पद पर होना था जो नहीं हो सका क्योंकि हल्का लेखपाल बृजभूषण सिंह द्वारा फर्जी तरीके से विपक्षी नरेश पाल सिंह पुत्र प्यारेलाल का कम आय प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया, इससे उनकी पत्नी आशारानी ने अधिकारियों से सांठगांठ कर फर्जी तरीके से चयन करा लिया।

डॉ. अनीस ने मुशायरे के जरिए दिया अमन और इंसानियत का पैगाम

आईएमए हाल में हुए मुशायरे में शायर औरकवियों के साथ मौजूद डा. अनीस बेग।

बरेली, अमृत विचार : सपा के वरिष्ठ नेता डॉ. अनीस बेग की ओर से रविवार शाम आईएमए हाल में मुशायरे का आयोजन हुआ, जिसमें शायरों ने शेर, गजलें और नज्में पेश कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

वसीम नादिर ने कहा, तुम दर्द सुना कर चले गए, उसके बाद बहुत टूट फूट मुझमें हुई, सुहैल आजाद, आतिफ रईस, माध्यम सक्सेना, सैयद मसूद, शिल्पी सक्सेना, उन्नति राधा शर्मा, अली शरीक, अनुज कपूर, फहीम दानिश ने शेर, गजलें और नज्में पेश कीं। डॉ.

● **मुशायरे में पहुंचे शायर और डॉ अनीस बेग**

अनीस बेग ने कहा, हमारा उद्देश्य सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि उर्दू अदब और गंगा-जमुनी तहजीब को जिंदा रखना है। इस मुशायरे के जरिए हम मोहब्बत, अमन और इंसानियत का पैगाम देना चाहते हैं। मुख्य अतिथि डॉ. सबीन अहसन, स्मिता यादव, डॉ. आसिफ, एड. हुरिया रहमान, एड. रोशनी खान, एड. रहमान, फसाहत नूर खान, इरफान अली, उवैस खान आदि मौजूद रहे।

स्टांप शुल्क चोरी में पांच खरीदारों पर 16.70 लाख जुर्माना

कार्यालय संवाददाता, बरेली

● **अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व की कोर्ट ने लगाया जुर्माना**

● **भूमि खरीदने में कम लगाए गए थे स्टांप, जांच में मामला खुला**

अमृत विचार : भूमि खरीद के दौरान बैनामों में स्टांप शुल्क कम दिखाकर शुल्क चोरी करने के मामलों में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व कोर्ट ने सुनवाई कर खरीदारों पर मोटा जुर्माना लगाया है। पांच मामलों में 16.70 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व की कोर्ट ने 7 जुलाई को आदेश सुनाया कि सुरेश सिंह पुत्र ब्रजपाल सिंह निवासी ग्राम सिठौरा, रविन्द्र कुमार सक्सेना उर्फ रवि सक्सेना पुत्र रमेश चंद्र सक्सेना निवासी सुभाषनगर बरेली के पक्ष में 12 दिसंबर 2024 को पंजीकृत किया था। तथ्यों एवं अभिलेखों के परीक्षण से स्पष्ट है कि स्टाम्प शुल्क कम दिखाया गया। 1,01,540 रुपये का स्टाम्प शुल्क व 14,520 रुपये निबंधन शुल्क, 5 हजार रुपये अर्थदंड 1,36,060 रुपये की धनराशि अधिरोपित की गई। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व की कोर्ट ने शिकायतकर्ता डा अनुज कुमार गंगवार निवासी माया भवन मोहल्ला आजाद नगर, पीलीभीत बाईपास की शिकायत पर सुनवाई करते हुए लेखपत्र में उप निबंधक फरीदपुर की आख्या 29 अप्रैल के अनुसार 6,84,600 रुपये का स्टाम्प शुल्क एवं 1,36,920 रुपये का निबंधन शुल्क कम अदा किया। तथ्यों एवं अभिलेखों के परीक्षण कर आदेश दिया। 6,84,600 रुपये का स्टाम्प शुल्क,1,36,920 रुपये निबंधन शुल्क व 20,000 रुपये अर्थदंड 8,41,520 रुपये की धनराशि अधिरोपित की गई। साथ ही सरकार बनाम राजेश खन्ना आदि के केस में तथ्यों एवं अभिलेखों के परीक्षण कर 53,250 रुपये का स्टाम्प शुल्क, 5,000 रुपये अर्थदंड लगाया। वहीं, अपर जिलाधिकारी, वित्त एवं राजस्व ने सरकार बनाम नक्शे अली आदि केस में तथ्यों के आलोक में तहसीलदार सदर की आख्या 9 अप्रैल 2024 तथ्यहीन होने के कारण निरस्त की और विलेख 13494/2021 पर स्टाम्प अधिनियम की धारा 33/38 व मूल्यांकन नियमावली के नियम के अंतर्गत कार्रवाई कर 2,92,370 रुपये का स्टाम्प शुल्क व 41,790 रुपये निबंधन शुल्क 50 हजार रुपये अर्थदंड 3,84,160 रुपये की धनराशि अधिरोपित की। 2,92,370 रुपये पर विलेख निष्पादन 22 सितंबर 2021 से वसूली दिनांक तक 1.5 प्रतिशत मासिक ब्याज भी लगाया है। वहीं, सरकार बनाम कृष्ण कुमार केस में 2,01,290 रुपये का स्टाम्प शुल्क, 28,770 रुपये निबंधन शुल्क तथा 20000 रुपये अर्थदंड 2,50,060 रुपये की धनराशि अधिरोपित की।

मंत्री ने रुद्राक्ष का पौधा लगा कर नक्षत्र वाटिका की स्थापना की

श्री गोरखनाथ मंदिर परिसर में पौधरोपण करते वनमंत्री डा0 अरूण कुमार व अन्य।

बरेली, अमृत विचार : एक पेड़ मां के नाम अभियान के द्वितीय चरण में रविवार को बीसलपुर रोड स्थित श्री गोरखनाथ मंदिर परिसर में अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन की ओर से आयोजित कार्यक्रम में नक्षत्र वाटिका की स्थापना मुख्य अतिथि वन मंत्री डॉ अरुण कुमार और लखनऊ से आए विधायक एवं वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नीरज बोरा ने रुद्राक्ष और बरगद के पौधे रोपकर की। विशिष्ट अतिथि डॉ राघवेंद्र शर्मा और ब्लॉक प्रमुख हरेंद्र पटेल ने भी पौधे लगाए।

कार्यक्रम संयोजक डॉ. प्रमेन्द्र माहेश्वरी ने बताया कि नक्षत्र वाटिका में वन विभाग की ओर से दिए गए 27 पौधे लगाए गए। वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

● **अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन की ओर से हुआ कार्यक्रम का आयोजन**

ने 35 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। डॉ. नीरज बोरा ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। विधायक डॉ. राघवेंद्र शर्मा ने बताया कि पांच वर्षों में प्रदेश में एक प्रतिशत वन क्षेत्र बढ़ा है। आईवीएफ के प्रदेश महामंत्री जितेंद्र रस्तोगी और क्षेत्रीय अध्यक्ष जगमोहन गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत किया। जिलाध्यक्ष नवीन अग्रवाल, कोषाध्यक्ष दिलीप खंडेलवाल, डॉ. विनोद पगरानी, हरेंद्र पटेल, बीडीए के वरिष्ठ अधिकारी एपीएन सिंह, अग्रिम गुप्ता, अमित कंचन, सुमेन्द्र गंगवार, तरुण शर्मा, अरविन्दर बंटी ने भी पौधे रोपे।

सिटी डायरी

आईटीबीपी के जवानों के साथ निकाली साइकिल रैली

बरेली, अमृत विचार : फिट इंडिया मूवमेंट के तहत भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) की ओर से कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को साइक्लिंग विद सीआरपीएफ कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें तीसरी बटालियन आटीबीपी के अधिकारियों और सैनिकों के साथ साइकिल रैली निकाली गई। इस अवसर पर प्रतिदिन 30 मिनट साइकिल चलाने को प्रेरित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कमांडेंट पवन सिंह, विशिष्ट अतिथि साई केंद्र प्रभारी गायत्री देवी कन्नौजिया रहीं। इस दौरान सह कमांडेंट वीरेन्द्र, कमलेश पांडेय, सूबेदार मेजर पीसी जोशी, संदीप चौधरी, रोहित शर्मा, मीना कुमारी, शुभम चौरसिया आदि रहे।

ग्लोबल वार्मिंग रोकने के लिए पौधरोपण करना ही होगा: वनमंत्री

बरेली, अमृत विचार : रोटरी क्लब ऑफ बरेली श्री की ओर से रविवार को रेजीडेंसी गार्डन के मुख्य पार्क में पौधरोपण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वनमंत्री डॉ. अरुण कुमार, विशिष्ट अतिथि पूर्व रोटरी गवर्नर किशोर कटरू ने क्लब सदस्यों, और बच्चों के साथ पौधे रोपे। डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि अगर ग्लोबल वार्मिंग को रोकना है तो पौधरोपण करना ही होगा। चार्टर अध्यक्ष साकेत सुधांशु शर्मा, विकास अग्रवाल, पवन गुप्ता, संजय आयलानी, अभिषेक अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, मयुरेश अग्रवाल, नितिन सेहता, नवनीत अग्रवाल, विकास बंसल, अमित अग्रवाल, सीए हर्ष अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

सनातन परिवार सेवा समिति ने भंडारे में कांवड़ियों को प्रसाद बांटा

बरेली, अमृत विचार : सनातन परिवार सेवा समिति की ओर पीलीभीत रोड स्थित महाकालेश्वर मंदिर, छोटी विहार में कांवड़ियों के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। हजारों की संख्या में कांवड़ियों ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में भाजपा नेता अनिल सक्सेना, प्रदीप सक्सेना, पुष्पेंद्र कुमार, मनोज कुमार गिरी, पुष्पेंद्र पटेल, अरुण कुमार सिंह, बबलू पटेल ने कांवड़ियों की सेवा की। इस दौरान देवेंद्र कुमार गुप्ता, शिव मिलन कुमार गुप्ता, प्रेमपाल सिंह पटेल, मोहनलाल पटेल, सत्य प्रकाश, वीरेंद्र कुमार, गौरव रस्तोगी कुलदीप सिंह, डॉ. कृष्ण अवतार वार्ष्णेय, राम प्रकाश यादव, डीके भटनागर, आदि रहे।

नवम हरेला महोत्सव 3 अगस्त को

बरेली, अमृत विचार : अखिल भारतीय उत्तराखंड महासभा इकाई की ओर से नवम हरेला महोत्सव 3 अगस्त को रोटरी भवन में सुबह 10 बजे आयोजित किया जाएगा। रविवार को त विद्युत निरीक्षण भवन में हुई बैठक में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद घिल्डियाल ने बताया कि महोत्सव में डीएफओ दीक्षा भंडारी को उत्तराखंड गौरव सम्मान, नगर निगम के उपसभापति नरेंद्र सिंह, वरिष्ठ पत्रकार लक्ष्मण सिंह भंडारी को नागरिक अभिनंदन व आरबी सिंह को वृक्ष मित्र सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। महासचिव चंदन सिंह नेगी ने बताया कि कार्यक्रम में नैनीताल, अल्मोड़ा, खटीमा के सांस्कृतिक दलों के साथ स्थानीय कलाकारों की सहभागिता होगी।

मीरगंज में घर से जेवरात उड़ाए

मीरगंज, अमृत विचार : शनिवार और रविवार के मध्य रात गांव हल्दी खुर्द में अज्ञात चोरों ने एक घर मे घुसकर चोरी की घटना को अंजाम दिया और मौके से फरार हो गए।

थाना मीरगंज मे गांव हल्दी खुर्द के रहने वाले इसराईल अंसारी के घर शनिवार और रविवार की रात अज्ञात चोरों ने घर में रखा सामान चोरी किया और मौके से फरार हो गए। पीड़ित ने बताया कि शनिवार की रात को वो परिवार के साथ अपने घर में सो रहे थे तभी कुछ अज्ञात चार उसके घर की दीवार फांदकर अंदर घुस आए और अलमारी के अंदर रखा सोने चांदी का सामान सहित बीस हजार नगदी चोरी करके ले गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की पड़ताल की और जांच शुरु कर दी है।

नशे में चला रहे टेंपो चालक ने कांवड़ियों को मारी टक्कर

भुता, अमृत विचार : कछला घाट से जल लेकर लौट रहे कांवरिया को बरेली बीसलपुर मार्ग रजपुरी नवादा मंदिर के पास टेंपो ने टक्कर मार दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल कांवरियों को उपचार के लिए बरेली अस्पताल भेजा।

बरेली बीसलपुर मार्ग रजपुरी नवादा के पास बने मंदिर में कछला घाट से गंगाजल लेकर लौट रहे चंद्रपुरा निवासी कांवरियों का एक जत्था रात्रि विश्राम कर रहा था । चित्रसेन ने बताया कि शनिवार की रात्रि लगभग 11: बजे शिवम पुत्र श्यामलाल निवासी चंद्रपुरा लघु शंका करने के लिए उठा। जब वह वापस मन्दिर की तरफ आ रहा था । शिवम को पीछे से तेज रफ्तार से आ रहे टेंपो ने टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही शिवम दूर जाकर गिरा और सारे कांवरिये जाग गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल कांवरिया को इलाज के लिए बरेली अस्पताल भेजा और हंगामा काट रहे कांवरियों को पुलिस ने शांत किया। चित्रसेन कांवरिया ने बताया कि टेंपो और ड्राइवर को हम सभी ने पुलिस के हवाले कर दिया । टेंपो चालक शराब के नशे की हालत में था । थाना प्रभारी निरीक्षक रविंद्र कुमार ने बताया। टेंपो चालक को हिरासत में ले लिया है। आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज भी किया गया है।

नौकरी दिलवाने का झांसा देकर ले गया और रुपए छीन कर हुआ फरार

नवाबगंज, अमृत विचार : कम्पनी में नौकरी दिलाने का झांसा देकर एक युवक को शातिर बरेली ले गया और उसके रुपए छीन कर फरार हो गया । युवक ने पुलिस को तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की है। क्षेत्र के ग्राम धौरेरा निवासी सुरेश चन्द्र शर्मा के पुत्र हिमांशु का आरोप है कि मोहल्ला भट्टा पहलवान निवासी एक युवक ने उसे सुपरवाइजर की नौकरी दिलाने का आश्वासन दिया और 20 हजार की सिक्योरिटी व 10 हजार रुपए खर्च के लेकर बरेली जंक्शन पर बुला लिया वहां उसे प्लेटफार्म से बाहर टहलने के लिए ले गया । जहां उसके चार - पांच साथी और खड़े थे और सभी ने उससे 30 हजार छीनकर धमकाकर भाग गये।

पंचायत सचिवालय के सामने लगे ट्रांसफार्मर से बना है खतरा

शेरगढ़, अमृत विचार: क्षेत्र के गांव नगरिया कलां में पंचायत सचिवालय के सामने लगे ट्रांसफार्मर से गांव वासियों के साथ ही सरकारी कर्मचारियों व राहगीरों को भी खतरा बना रहता है। यहां रोजाना बच्चे खेल आदि खेलते हैं यहीं पर मेला स्थल है। जहां प्रतिवर्ष श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का मेला लगता है। तकरीबन 5 वर्ष पूर्व मेले के दौरान बिजली लाइन की चपेट में आने से 6 वर्षीय बच्ची की मौत हो गई थी। ट्रांसफार्मर ऐसी जगह पर लगा है जहां लोगों की आवाजाही बनी रहती है। गांव वासी भानु प्रताप श्रीवास्तव,हरीश कुमार गंगवार,पूर्व प्रधान उग्रसेन राठौर,एडवोकेट अमित गंगवार,राम बहादुर शर्मा,सत्यपाल शर्मा,चौधरी राजू सिंह,चौधरी प्रदीप सिंह,भुवन चंद्र राठौर,वीरेंद्र कुमार मौर्य,नत्थू लाल कश्यप,चोखेलाल मौर्य,बद्री प्रसाद गंगवार,ओम सिंह मौर्य,मिढ़ई लाल गंगवार आदि समेत गांव वासियों ने विद्युत ट्रांसफार्मरों को अन्यत्र स्थानांतरित करने की मांग की है।

आवश्यकता है
● नर्स (Male/Female) (ANM/GNM) ● OT टेक्निशियन
● आयुर्वेदिक परिचारिका ● कम्प्यूटर ऑपरेटर
● वार्ड ब्यॉय ● स्टोर इंचार्ज ● कैंटीन कुक
रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल
सेक्टर-7, रामगंगा नगर योजना डोहरा रोड बरेली
मो: +91-8077808309, 9837357497

ADMISSION OPEN 2025-26
AIIA Group of Institutions
Bring Out the Best in you
COURSE OFFERED
BAMS B.Sc. Nur. B.Tech.
B.Pharma GNM M.Tech.
D. Pharma Polytechnic M.B.A.
B.B.A. B.C.A.
CALL US: 8937002800/8937002805
Campus : 13.5 Km. Bareilly-Delhi Highway, Near Rubber Factory, Agras Road, Bareilly U.P. (243501)

न्यूज ब्रीफ

घर के बाहर खेल रही बच्ची की करंट से मौत

शाहजहांपुर, अमृत विचार : खेरा सण्डा गांव में एक पांच साल की बच्ची घर के बाहर खेल रही थी। घर के बाहर दरवाजे लोहे का बिजली का खंभा लगा हुआ है। खंभे में करंट आ रहा था। बच्ची ने खंभे को छुआ तो करंट लग गया। परिवार वाले उसे डॉक्टर के पास ले गए, जहां उसे मृत घोषित कर दिया। थाना क्षेत्र के गांव खेड़ा सण्डा निवासी छत्रपाल के दरवाजे पर बिजली का खंभा है। उसकी पांच साल की बेटी एकता रविवार की सुबह घर के बाहर खेल रही थी। खेलते-खेलते एकता ने बिजली का खंभा पकड़ लिया और करंट लगने से चिल्लाई। ग्रामीण दौड़कर आए तो बमुश्किल से बच्ची को छुड़ाया। डॉक्टर ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया।

माता-पिता व बहन की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या

गाजीपुर, एजेंसी : जिले में जमीन के एक टुकड़े की खातिर रविवार को एक व्यक्ति ने अपने माता-पिता और बहन की कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी। जिले के पुलिस अधीक्षक ईराज राजा ने बताया कि कोतवाली क्षेत्र के डीलिया गांव में अभय यादव नामक व्यक्ति ने अपने पिता शिवराम यादव (65), मां जमुनी देवी (60) और बहन कुसुम देवी (36) की कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ प्रहार करके हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की

चंगाई सभा की आड़ में चल रहा धर्मांतरण का खेल

अल्हादपुर और कुंभिया माफी गांव में सामने आए दो अलग-अलग मामले, हिंदू संगठनों ने किया हंगामा

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर/निगोही/खुटार

अमृत विचार : जनपद में रविवार को धर्मांतरण को लेकर दो गांवों में विवाद हो गया। निगोही थाना क्षेत्र के अल्हादपुर गांव में प्रार्थना सभा तो खुटार के कुंभिया माफी गांव में चंगाई सभा के जरिए हिंदू समाज के लोगों को ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रेरित करने का आरोप लगा। दोनों मामलों में हिंदू संगठनों के विरोध के बाद भारी हंगामा हुआ और पुलिस को मोर्चा संभालना पड़ा। पुलिस ने दोनों स्थानों से कुल चार लोगों को हिरासत में लिया है और जांच शुरू कर दी है।

रविवार की सुबह हिंदू युवा वाहिनी के जिलाध्यक्ष राघवेंद्र सिंह को सूचना मिली कि निगोही क्षेत्र के अल्हादपुर गांव में एक मकान में प्रार्थना सभा की आड़ में धर्मांतरण कराया जा रहा है। सूचना मिलते ही जिलाध्यक्ष अपने कई कार्यकर्ताओं के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने सभा बंद कराने का प्रयास किया, लेकिन मकान के अंदर मौजूद महिलाओं ने डंडों से हमला कर दिया। हिंदू युवा वाहिनी का आरोप है कि जब उन्होंने धर्मांतरण का विरोध किया तो महिलाओं ने उन्हें एससी एक्ट और छेड़छाड़ के झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी। कुछ ही देर में गांव में भीड़ जमा हो गई और स्थिति तनावपूर्ण हो गई। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और किसी तरह हालात पर काबू पाया। दो महिलाओं को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। हिंदू युवा वाहिनी की ओर से जिलाध्यक्ष ने थाना निगोही पर तहरीर दी है, जिसमें आरोप है कि करीब 25 लोगों को ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रलोभन दिया जा रहा था। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

चंगाई सभा के धर्मांतरण की सूचना पर पहुंचे थानाध्यक्ष आरके रावत। ● अमृत विचार

अल्हादपुर गांव में पहुंची पुलिस। ● अमृत विचार

खुटार: चंगाई सभा में 40 से ज्यादा लोग, मिशनरी साहित्य बरामद

खुटार थाना क्षेत्र के कुंभिया माफी गांव में चंगाई सभा के नाम पर अवैध धर्मांतरण की सूचना पर भी हड़कंप मच गया। हिंदू युवा संगठन उत्तर प्रदेश (अ) के अध्यक्ष अवनीश मिश्र को जानकारी मिली कि गांव के किनारे एक खेत में बने मकान में ईसाई मिशनरी से जुड़े लोग हिंदू धर्म छोड़ने के लिए लोगों को उकसा रहे हैं। अवनीश मिश्र अपने कार्यकर्ताओं के साथ मौके पर पहुंचे, जहां उन्होंने देखा कि लगभग 40-50 महिलाएं और पुरुष एक बड़े कमरे में बैठे थे और मकान मालिक हरिश्चंद्र जाटव और उनका बेटा शैलेश कुमार धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित कर रहे थे। आरोप है कि ईसाई धर्म अपनाने पर रुपये का लालच भी दिया जा रहा था। इस दौरान दोनों ने संगठन कार्यकर्ताओं के साथ अभद्र व्यवहार किया और जान से मारने की धमकी दी। सूचना पर थानाध्यक्ष राजेंद्र कुमार रावत फोर्स के साथ पहुंचे और दोनों को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने मौके से बाइबिल सहित अन्य ईसाई मिशनरी से संबंधित साहित्य भी बरामद किया। थानाध्यक्ष ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है और जांच जारी है।

प्रलोभन देकर धर्म बदलवाने का आरोप

हिंदू युवा संगठन के अध्यक्ष अवनीश मिश्र ने बताया कि खुटार कस्बे के मोहल्ला बगियानाथ निवासी सुमित कुमार ने उन्हें बताया कि हरिश्चंद्र ने उसे ईसाई धर्म अपनाने पर 50 हजार रुपये देने का लालच दिया था। सुमित कई बार चंगाई सभा में शामिल हुआ, लेकिन उसे हर बार धर्म परिवर्तन का दबाव दिया जाता रहा। संगठन का आरोप है कि हरिश्चंद्र और उसका परिवार बाहरी मिशनरी संगठनों से फंड लेकर लंबे समय से इस काम में लगा है और जिले में कई स्थानों पर इस तरह की गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। उन्होंने आरोपियों के बैंक खातों की जांच और पूरे परिवार पर कठोर कार्रवाई की मांग की है।

महिला और युवक का शव फंदे से लटका मिला

शाहजहांपुर, अमृत विचार: जिले में अलग-अलग स्थानों पर महिला समेत दो लोगों के कमरे में पंखे के कुंडे से शव लटके मिले। रामचंद्र मिशन थाना क्षेत्र में युवक ओर कांट थाना क्षेत्र में महिला का शव लटका मिला है। पुलिस ने दोनों शव उतार लिए।

रामचंद्र मिशन थाना क्षेत्र के मोहल्ला चमकनी गाड़ीपुरा निवासी अरुण कुमार राठौर (19) गाजीपुर में माता-पिता के साथ रहता था। दो दिन पहले वह यहां दादा नत्थूलाल के पास आ गया था। शनिवार शाम आठ बजे नत्थूलाल घर के बाहर बेठे थे। उनका पोता अरुण घर के अंदर था। वह मकान के अंदर गए तो देखा कि अरुण कुमार कमरे में पंखे के कुंडे से लटका हुआ है। उन्होंने शोर मचाया तो रिश्तेदार और मोहल्ले वाले एकत्रित हो गए। रिश्तेदारों ने मृतक अरुण के पिता खुशीराम को सूचना दी। रामचंद्र मिशन थाना प्रभारी धर्मेंद कुमार गुप्ता सिपाहियों के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को उतार लिया। मृतक गाजीपुर में बताशा बेचने का काम करता था और उसके पिता मजदूरी करते हैं। उसकी शादी नहीं हुई थी। मौत की खबर से परिवार में रोना पीटना मच गया।

जबरन लिंग परिवर्तन की फर्जी कहानी गढ़ने वाले दो गिरफ्तार

संवाददाता, शाहबाद

अमृत विचार : पटवाई में जबरन लिंग परिवर्तन कराने के मामले में केस दर्ज कर जांच कर रही पुलिस ने हकीकत से पर्दा उठा दिया है। पुलिस की तहकीकात में जबरन लिंग परिवर्तन का मामला नहीं पाया गया है बल्कि युवक ने खुद अपनी मर्जी से कराया था। सच्चाई सामने आने के बाद पुलिस ने फर्जी कहानी गढ़ने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

एक जुलाई को पटवाई थाना क्षेत्र के कमालपुर की महिला ने तहरीर देकर बताया था कि उसका पति किन्नर रुबीना के साथ डांस पार्टी में काम करता है। आरोप था कि 26 जून को वह आंवला में कार्यक्रम करने जा रहा था। रास्ते में रुबीना और उसके साथी विकास ने नशीला पदार्थ देकर उसका लिंग परिवर्तन करा दिया। पुलिस ने युवक की पत्नी की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर हुए रुबीना और विकास को जेल भेज दिया।

सूचना पाकर आसपास के किन्नर थाने पहुंचे और निष्पक्ष जांच की मांग की थी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। पुलिस के मुताबिक, जांच में सामने आया कि युवक ने अपने गुरु रुबीना और विकास को फर्जी तरीके से फंसाया था। दोनों की नामजदगी गलत पाई गई।

नशीला पदार्थ पिलाकर किशोरी से दुष्कर्म

स्वार,अमृत विचार : कोल्ड ड्रिंक में किशोरी को नशीला पदार्थ पिलाकर आरोपी ने अपने साथी की मदद से दुष्कर्म किया। पुलिस ने पीड़िता के पिता की तहरीर पर मुख्य आरोपी समेत दो आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस ने किशोरी मेडिकल परीक्षण के लिए भेज आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। कोतवाली के एक गांव निवासी किसान दो दिन पूर्व अपने खेत पर काम करने गया था। उसकी पत्नी खेत पर पति को खाना देने गई थी। उसकी की 15 वर्षीय बेटी घर पर थी। आरोप है कि घर पर किशोरी को अकेले होने की जानकारी पाकर गांव के ही महेंद्र व विशाल घर में घुस आए।

धर्म छिपाकर दोस्ती कर युवती से किया दुष्कर्म, रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

● युवती ने शादी के लिए कहा तो आरोपी ने बनाया धर्म परिवर्तन का दबाव

अमृत विचार: थाना सिविल लाइंस क्षेत्र के अगवानपुर की रहने वाली युवती ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसके पिता और भाई की मौत हो चुकी है। वह मां के साथ रहती है। परिवार की गुजर बसर का जिम्मे भी उस पर है।

बताया कि हरथला निवासी रेहान उर्फ नसरुद्दीन से एक कोठी में काम करने के दौरान उसकी मुलाकात हुई थी। रेहान उस कोठी में टाइल्स पत्थर लगा रहा था। यहां मोबाइल नंबर का आदान-प्रदान हुआ। आरोपी ने शुरुआत में धर्म छिपाकर बातचीत की। आरोप है कि कभी युवक ने मुस्लिम होने का जिक्र नहीं किया। कई बार उसे होटलों में ले गया और दुष्कर्म किया। इससे वह तीन बार गर्भवती हो गई। आरोपी ने दवा खिला कर उसका गर्भपात भी करा दिया। एक साल तक आरोपी ने युवती को अपने धर्म की भनक तक नहीं लगने दी।

कुछ दिन पहले युवती ने उससे शादी के लिए कहा तो रेहान ने बताया कि वह मुस्लिम है। अगर शादी करनी है तो धर्म परिवर्तन करना होगा। युवती ने अगवानपुर पुलिस चौकी में उसके खिलाफ तहरीर दी। उसने बताया कि पुलिस से शिकायत करने पर आरोपी और उसके परिवार ने उसे जान से मारने की धमकी दी। सीओ सिविल लाइंस कुलदीप गुप्ता ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

संभल के श्री हरिहर मंदिर में जलाभिषेक करने जा रहे 850 शिवसैनिक रोके

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : संभल जिले में स्थित ऐतिहासिक श्री हरिहर मंदिर को पूजा जलाभिषेक के लिए मुक्त कराने के उद्देश्य से शिवसेना की ओर से रविवार को आंदोलन किया। राज्य प्रमुख ललित मोहन शर्मा के नेतृत्व में संभल के लिए निकले 850 शिवसैनिकों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। बाद में उन्हें छोड़ दिया।

रविवार को शिव सैनिक मुरादाबाद, बिजनौर, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, बरेली,बदायूं, अमरोहा, बागपत और गौतमबुद्ध नगर से भगवा ध्वज हाथ में लिए जय भवानी जय शिवाजी के नारों के साथ संभल के लिए प्रस्थान कर रहे थे। राज्य प्रमुख ललित मोहन शर्मा और जिला प्रमुख गुड्डु सैनी ने पहले कमिश्नरी चौराहे पर छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। काफिला जैसे ही आगे बढ़ा प्रशासन व पुलिस ने शिवसैनिकों को छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर हिरासत में ले लिया। राज्य प्रमुख ने कहा कि यह हिंदू समाज के साथ अन्याय है। उन्होंने प्रदेश सरकार की नीतियों की आलोचना की। शिवसैनिकों में राज्य उप प्रमुख नरेश शर्मा, राज्य सचिव दीपक सक्सेना, रामप्रसाद प्रजापति, आई टी सेल प्रभारी ऋषुल शर्मा,, जितेंद्र ठाकुर, सूरज सैनी, मोहर सिंह कश्यप, विशाल सागर, तिलक सैनी, ठाकुर दास सैनी, कपिल कुमार, पुष्पा सिरोही व अन्य कार्यकर्ता आदि लोग शामिल रहे।

जलाभिषेक के लिए जाते शिव सेना के राज्य प्रमुख व शिव सैनिक। ● अमृत विचार

● प्रशासन ने छत्रपति शिवाजी चौक पर हिरासत में लिया, प्रदेशभर से जुटे थे पदाधिकारी

क्षेत्रीय कार्यालय सहायक रजिस्ट्रार फर्म्स, सोसाइटीज तथा चिट्स

193-ए सिविल लाइन्स, बरेली मण्डल बरेली

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि बाबा सर्वेश्वर नाथ मंदिर पता पीलीभीत बाईपास रोड सिल्वर एस्टेट महानगर उपडाकघर, तहसील सदर, जिला बरेली के अध्यक्ष की हैसियत से पंजीकरण हेतु सोसा. रजि. अधि. 1860 के अन्तर्गत ऑनलाईन पंजीकरण शुल्क व प्रपत्र प्रस्तुत किये गये है। उक्त संस्था के स्मृति पत्र व नियमावली में निम्नलिखित पदाधिकारी व सदस्य दर्शाये गये है :-

क्र.सं.	नाम/पिता/पति का नाम	पद
1.	श्रीमती शशि पाराशर पत्नी श्री भवेश चन्द्र पारासर	अध्यक्ष
2.	श्रीमती उषा श्रोत्रिय पत्नी श्री अजय कुमार श्रोत्रिय	उपाध्यक्ष
3.	श्रीमती कुसुम सिंह पत्नी श्री जितेन्द्र कुमार सिंह	सचिव
4.	श्रीमती कमलेश जोशी पत्नी श्री हरीश चन्द्र जोशी	कोषाध्यक्ष
5.	श्रीमती रागिनी गुप्ता पत्नी श्री गोविन्द कुमार गुप्ता	सदस्य
6.	श्रीमती जयश्री कोटनाला पत्नी श्री प्रभात कोटनाला	सदस्य
7.	श्रीमती अंजू भारद्वाज पत्नी श्री एल.एम. भारद्वाज	सदस्य

उपरोक्त संस्था के पंजीकरण किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर इस कार्यालय को दस्तावेजी साक्ष्यों एवं फोटो युक्त नोटरी शपथ पत्र सहित आपत्ति पत्र प्रस्तुत किया जा सकता है। उपरोक्त सार्वजनिक सूचना/नोटिस सोसा. रजि. अधि. 1860 की धारा 3(1) के ''परन्तुक'' के अन्तर्गत जारी की जा रही है।

सहायक रजिस्ट्रार, बरेली।

कार्यालय क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी शाहजहाँपुर।

संख्याः- 862/शास्त्रोक्त औषधि/2025-26 दिनांक- 23-07-2025

ई-निविदा-सूचना

महामहिम राज्यपाल महोदय, उत्तर प्रदेश की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, शाहजहाँपुर में शास्त्रोक्त आयुर्वेदिक औषधि (निर्मित औषधि) को वित्तीय हस्तपुस्तिका खण्ड-5 भाग-1 के परिशिष्ट-19 एवं राज्य सरकार द्वारा उ0प्र0 प्रोक्योरमेन्ट मैनुअल, 2016 में ई-निविदा से सम्बन्धित सामान्य सिद्धान्त में निहित निर्देश के अनुसार रू0-30,00,000-00 (रूपया-तीस लाख मात्र) के अन्तर्गत दर अनुबन्ध के आधार पर आपूर्ति करने हेतु ऐसे अनुभवी एवं GMP धारक प्रतिष्ठित व्यापारियों (औषधि निर्माता) से ऑनलाइन निविदायें आमन्त्रित की जाती है। जो निविदा दाता के पास विगत तीन वर्षों में समान प्रकृति की सामग्री आपूर्ति के कार्य का अनुभव होना चाहिये तथा केन्द्रीय जॉच ब्यूरो तथा किसी विभाग द्वारा बैन (प्रतिबन्धित) Black Listed (काली सूची) में शामिल नहीं होनी चाहिये। ऐसे निविदा दाता फर्म का गत तीन वर्षो से वाणिज्य कर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण होना आवश्यक है। फर्म का औसत टर्न ओवर विगत तीन वर्षों में निविदा लागत का न्यूनतम 30% या उससे अधिक होना चाहिये। इसके अतिरिक्त निविदा प्रपत्र में दी गयी शर्तो एवं नियमों को पूर्ण करना अनिवार्य होगा। शास्त्रोक्त निर्मित आयुर्वेदिक औषधियों की मात्रा अनुमानित रखी गयी है जो वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता के सापेक्ष परिवर्तनीय हो सकती है।

1. निविदा प्रपत्र https://e-tender.up.nic.in से डाउनलोड किया जा सकता है।
2. ऑनलाइन निविदा प्रकाशन की तिथि :-29-07-2025
3. निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की तिथि व समय :-29-07-2025 सायं 05.00 बजे से।
4. ऑनलाइन निविदा भरने की प्रारम्भिक तिथि :-29-07-2025 सायं 05.00 बजे से।
5. ऑनलाइन निविदा भरने की अन्तिम तिथि व समय :-18-08-2025 सायं 5.00 बजे तक।
6. तकनीकी निविदा ऑनलाइन खोलने की तिथि व समय :-19-08-2025 अपरान्ह 03.00 बजे।
7. निविदा मूल्य जो वापस न होगा रू0-5,400.00 (रू0-पांच हजार चार सौ मात्र) (समस्त कर सहित) का डिमांड ड्राफ्ट जो निविदा भरने से पूर्व कार्यालय क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, मोहल्ला बंगश, निकट जनता इन्टर कालेज, शाहजहाँपुर के पदनाम से जमा कराकर कार्यालय में दिनांक-18-08-2025 समय सायं 05.00 बजे तक जमा कर रसीद प्राप्त करना आवश्यक है। अन्यथा निविदा पर विचार नही किया जायेगा।
8. धरोहर धनराशि रू0-60,000-00 (रू0-साठ हजार मात्र) राष्ट्रीयकृत बैंक से जारी एफ0डी0आर0 के रूप में क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, शाहजहाँपुर के पदनाम से बन्धक कराकर निविदा के साथ अपलोड करना होगा, तथा अर्नेस्ट मनी के रूप में एफ0डी0आर0 एवं निविदा फार्म शुल्क के रूप में बैंक ड्राफ्ट मूल रूप में दिनांक दिनांक-18-08-2025 समय सायं 05.00 बजे तक कार्यालय क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी शाहजहाँपुर में (व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर) उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। उक्त एफ0डी0आर0/बैंक ड्राफ्ट की मूलप्रति समयान्तर्गत प्राप्त न कराये जाने की स्थिति में निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा। विलम्ब की दशा में विभाग का कोई उत्तरदायित्व नहीं होगा।
9. आपूर्ति स्थानः-एफ0ओ0आर0 कार्यालय-क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, मो0 बंगश निकट जनता इण्टर कालेज, शाहजहाँपुर। औषधियों की आपूर्ति जीएम0पी0 मानक के अन्तर्गत स्वीकार की जायेगी। किसी भी दशा में पॉलीथीन की पैकिंग में आपूर्ति स्वीकार नहीं की जायेगी।
10. निविदा की वैधताः-31-03-2026 तक मान्य होगी।
11. निविदा में उल्लिखित आईटमों की आपूर्ति के समय अनुमोदित लैब से लैब परीक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा जिसका व्यय सम्बन्धित फर्म द्वारा ही वहन किया जायेगा।

समस्त निविदायें क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, शाहजहाँपुर के कार्यालय में निश्चित तिथि एवं समय पर उपस्थित निविदादाताओं/उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जायेगी। निविदा खुलने की तिथि में अवकाश पड़ने की दशा में निविदा अगले कार्य दिवस में खोली जायेगी। अधोहस्ताक्षरी को किसी एक या सम्पूर्ण निविदाओं को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है। इस सम्बन्ध में कोई वाद स्वीकार नहीं होगा।

जिन फर्मो के सभी तकनीकी अभिलेख निविदा शर्तो के अनुसार सही व पूर्ण पाये जायेंगे उन्ही फर्मो के वित्तीय भाव पत्रों पर विचार किया जायेगा। सशर्त निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी।

UP - 236348 दिनांकः 25/07/2025

विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(डा0 सिराज अहमद अन्सारी)
क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी
शाहजहाँपुर।

13 राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों के 63 जिलों में आधे से अधिक बच्चे छोटे कद के

नई दिल्ली,एजेंसी

● प्रदेश के 34 जिलों में इस समस्या का स्तर 50 प्रतिशत से अधिक

संसद में प्रस्तुत कई दस्तावेजों के विश्लेषण से पता चला है कि उत्तर प्रदेश के 34 जिलों सहित 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 63 जिलों ने बताया है कि आंगनवाड़ी केंद्रों में नामांकित 50 प्रतिशत से अधिक बच्चों की लंबाई उनकी उम्र के लिहाज से कम है।

बच्चों की लंबाई कम रहने के पीछे कई कारक हो सकते हैं जिनमें दीर्घकालिक या बार-बार होने वाला कुपोषण भी शामिल है। विश्लेषण से यह भी पता चला है कि 199 जिलों में कम लंबाई का स्तर 30 प्रतिशत से 40 प्रतिशत के बीच है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के जून 2025 के पोषण ट्रैकर पर आधारित आंकड़ों के अनुसार, उम्र के लिहाज से बच्चों की लंबाई कम होने के उच्चतम स्तर वाले कुछ सर्वाधिक प्रभावित जिलों में महाराष्ट्र का नंदुरबार (68.12 प्रतिशत), झारखंड का पश्चिमी सिंहभूम (66.27 प्रतिशत), उत्तर प्रदेश का चित्रकूट (59.48 प्रतिशत), मध्य प्रदेश का शिवपुरी (58.20 प्रतिशत) और असम का बोंगाईगांव (54.76 प्रतिशत) शामिल है। उत्तर प्रदेश इस सूची में सबसे ऊपर है, जहां 34 जिलों में इस समस्या का स्तर 50 प्रतिशत से अधिक है, इसके बाद मध्य प्रदेश, झारखंड, बिहार और असम का स्थान है।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने कई सवालों के जवाब में बताया कि आंगनवाड़ी केंद्रों में 0-6 साल की उम्र के 8.19 करोड़ बच्चों में से 35.91 प्रतिशत बच्चे कम लंबाई वाले हैं और 16.5 प्रतिशत कम वजन के हैं। पांच साल से कम उम्र के बच्चों में उम्र के मुकाबले लंबाई कम होने की व्यापकता और भी ज्यादा यानी 37.07 प्रतिशत है।

कम वजन वाले बच्चों के मामले में भी स्थिति उतनी ही गंभीर है। महाराष्ट्र के नंदुरबार में 48.26% बच्चों का वजन कम दर्ज किया गया, जो प्रतिशित आंकड़े के लिहाज से देश में सबसे अधिक है। इसके बाद मध्य प्रदेश के धार (42 प्रतिशत), खरगोन (36.19 प्रतिशत) और बड़वानी (36.04 प्रतिशत), गुजरात के डांग (37.20 प्रतिशत), डूंगरपुर (35.04 प्रतिशत) और छत्तीसगढ़ के सुकमा (34.76 प्रतिशत) जिले हैं। कम वजन बच्चों में तीव्र कुपोषण का संकेत है। मध्य प्रदेश के धार में सबसे अधिक 17.15 प्रतिशत बच्चे कम वजन के मिले।

दातागंज, कादरचौक, उसहैत और दबतोरी में देखे गए ड्रोन

संवाददाता, उघैती

अमृत विचार : मुरादाबाद और संभल क्षेत्र से हुई रात में ड्रोन जैसी किसी चीज की दहशत लगातार बढ़ती जा रही है। शनिवार रात दातागंज, कादरचौक, दबतोरी, उघैती आदि क्षेत्र के अलग-अलग गांवों के ऊपर ड्रोन उड़े। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। ड्रोन का पीछा भी किया, लेकिन ड्रोन गायब हो गए। तकरीबन सप्ताह भर से ड्रोन उड़ने के बाद भी पुलिस अभी तक खाली हाथ है। अभी तक यह भी पता नहीं चल पाया है कि यह ड्रोन कौन और क्यों उड़ा रहा है।

शनिवार रात कई क्षेत्र में ड्रोन जैसी कोई चीज दिखने पर रविवार को पूरा दिन तरह-तरह की चर्चा रही। इसके चलते पुलिस विभाग को अफवाह पर ध्यान न देने का आह्वान करना पड़ा। कहा कि कुछ दिनों से कुछ जगहों पर ड्रोन से संबंधित अफवाह फैलाई जा रही है। पुलिस की ओर से अब तक कराई गई जांच में ड्रोन की सूचना झूठी मिली है। अगर कहीं ड्रोन दिखने जैसी अफवाह फैलाई जाती है तो उसकी सूचना अपने क्षेत्र के थाने पर, डायल 112 या जिला नियंत्रण कक्ष के नंबर 9454402956 पर सूचना दें। कानून व्यवस्था अपने हाथ में न लें। किसी के बहकावे में आकर गलत कदम न उठाएं।

रात 12 बजे तक आसमान में दिखती रही रोशनी ग्रामीणों में बैठी दहशत

कादरचौक, अमृत विचार : कादरचौक थाना क्षेत्र के गांव बेहटा डंबर, मोहम्मदगंज क्षेत्र में ड्रोन की दहशत रही। घरों पर बच्चे और महिलाएं बहुत डरे हुए हैं। शनिवार रात 12 बजे तक गांवों के ऊपर रोशनी होती रही। ग्रामीणों को लगा कि वह ड्रोन है। गांव में ड्रोन का शोर मचा तो ग्रामीण अपने घरों से बाहर निकल आए। रात भर जागते रहे। मोहम्मदगंज चौकी इंचार्ज संजीव कुमार ने कहा कि ड्रोन नहीं है। किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें।

किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म करने वाले आरोपी गिरफ्तार

विजय नगला, अमृत विचार : किशोरी को उसके रिश्तेदार ने मिलने के लिए एक स्थान पर बुलाया। यहां गांव के युवक मौके पर पहुंच गए। आरोप है कि किशोरी को धमकाकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। पीड़िता के पिता की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की।

मामला थाना बिनावर क्षेत्र के एक गांव का है। बताया जा रहा है कि गांव निवासी किशोरी का बहनोई के भाई के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा है। उसने शुक्रवार दोपहर किशोरी को मिलने के लिए बुलाया था। वह दोनों सड़क किनारे बात करने के बाद जंगल में चले गए थे। किशोरी का पीछा करते हुए उसके गांव के तीन युवक भी जंगल में पहुंच गए। आरोप है कि किशोरी को धमकाकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। किशोरी अपने घर पहुंची और परिजनों को आपबीती बताई। किशोरी के पिता उसे लेकर थाने पहुंचे और तहरीर दी। पुलिस ने आरोपी पीलीभीत निवासी करण, विजय नगला निवासी रविंद्र, सोनू और गांव के अन्य युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके पीड़िता को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा।

छांगुर प्रकरण के बाद कोना-कोना टटोल रहीं एजेंसियां

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● बरेली से लेकर कोलकाता तक यूपी के सुरक्षातंत्र ने उखाड़ दीं धर्मांतरण की जड़ें

अमृत विचार : जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा प्रकरण के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सख्त हिदायत का असर दिख रहा है। राज्य और राज्य के बाहर कोने-कोने पर जांच एजेंसियों और इंटीलिजेंस की नजर है। ऐसे में उत्तर प्रदेश में जबरन धर्म परिवर्तन कराने वाले छांगुर समेत अन्य खतरनाक गिरोहों की करतूतें उजागर हो रही हैं।

धर्मांतरण को लेकर बरेली से लेकर कोलकाता तक बड़ा खुलासा हुआ है। ये सारे खुलासे छांगुर मॉड्यूल पर चल रहे गिरोहों से संबधित हैं। जांच में पता चला है कि धर्मांतरण के जाल में फंसाने के बाद हिंदू लड़कियों को जिहाद में धकेलने की योजना थी। यह उसी तर्ज पर किया जा रहा था जैसा आईएआईएस करता है। धर्मांतरण गैंग के आगरा मॉड्यूल का कनेक्शन लश्कर-ए-तैयबा से होने की जांच बहुत तेजी से बढ़ रही है। दरअसल, छांगुर बाबा गिरोह नाम के इस नेटवर्क के खुलासे ने न केवल पुलिस प्रशासन को चौकन्ना कर दिया है, बल्कि पूरे प्रदेश को हिला कर रख दिया है। बरेली, लखनऊ, बलरामपुर, अलीगढ़ और कोलकाता समेत पूरे देश में फैले इस नेटवर्क में महिलाओं से लेकर धर्मगुरुओं तक की भूमिका सामने आई है।

प्रदेश में धर्मांतरण के मामले निरंतर सामने आ रहे हैं। पहले बलरामपुर, फिर आगरा और अब शाहजहांपुर में एक धर्मांतरण सिंडिकेट का राजफाश हुआ है। शाहजहांपुर में कुछ ट्रस्टों द्वारा इस मद में दी गई वित्तीय सहायता की पुष्टि होने के बाद आरोपियों की गिरफ्तारी की गई है। आशंका है कि इन लोगों को विदेशी पैसा मिला है। यह जांच एक हिंदू संगठन की शिकायत के आधार पर शुरू की गई। शिकायत में स्थानीय महिला किरण जोशुआ (37) का नाम आया है। आरोप है कि ये लोगों को गुमराह करके ईसाई धर्म अपनाने की सलाह देती थी। इस बीच यूपी पुलिस ने आगरा के अलावा गोवा, पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड, दिल्ली और राजस्थान के 11 ठिकानों पर छापा मारकर 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, पूरे देश में चल रहे इस तरह के नेटवर्क में कम उम्र की लड़कियों को प्रलोभन, लव जिहाद और अन्य तरीकों से प्रभावित करके धर्मांतरण कराया जाता है। अवैध धर्मांतरण का यह आईएसआईएस का सिग्नेचर स्टाइल है। इस रैकेट को चलाने के लिए यूएई, कनाडा, लंदन और अमेरिका के जरिए फंडिंग आ रही थी। इस ग्रुप का संबंध पीएफआई, एसडीपीआई और पाकिस्तान के आतंकी संगठनों से भी होने के संकेत मिले हैं।

विज्ञापन

अपील/आग्रह

संपादक महोदय,
समस्त दैनिक समाचार पत्र/
सम्मानित जिला प्रशासन/
पुलिस प्रशासन एवं
समस्त सम्मानित जनता ।

"आदर पूर्वक सूचित करना चाहता हूं कि सौरभ राठौर, टिंकू राठौर पुत्रगण नन्हे लाल राठौर निवासी सम्राट अशोक नगर, थाना बारादरी जिला बरेली के निवासी हैं। उपरोक्त दोनों व्यक्तियों के संबंध में मैं पूर्व में भी लगभग तीन बर्ष पहले सभी दैनिक समाचार पत्रों के माध्यम से पूरे पृष्ठ का विज्ञापन देकर ये स्पष्ट कर चुका हूं कि उपरोक्त दोनों व्यक्तियों से मेरा कोई रिश्ता अथवा वास्ता नहीं है। उपरोक्त दोनों व्यक्तियों पर आए दिन लोगों से झगड़ा करना, गोली चलाना, लोगों से उधार के नाम पर पैसे लेकर हड़प लेना तथा लोगों को जान से मारने की धमकी देने सम्बन्धी आरोप लगना व FIR होना आम बात हो चुकी है।"

अभी हाल ही में लगभग 7–8 माह पूर्व ही उपरोक दोनों लोगों पर अपने ही सगे रिश्तेदारों पर सरेआम गोली चलाने की FIR दर्ज हुई ओर इनको जेल भी जाना पड़ा। उपरोक्त दोनों व्यक्तियों के संबंध में मैं पुनः समाचार पत्रों में विज्ञापन के माध्यम से बरेली की समस्त सम्मानित जनता, जिला व पुलिस प्रशासन को अवगत कराना चाहता हूं कि यदि उपरोक्त दोनों के द्वारा कोई घटना की जाती है अथवा इन पर कोई FIR आदि होती है तो इन दोनों के विरुद्ध कानून के माध्यम से सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

मैं यह भी स्पष्ट करना चाहता हूं कि उपरोक्त दोनों पर जब भी कोई आरोप आदि लगता है, तो बिना वजह ही मेरा व मेरी पत्नी श्रीमती रेखा आर्या (कैबिनेट मंत्री, उत्तराखंड सरकार) का नाम रिश्तेदारों के तौर पर इन लोगों से जोड़ दिया जाता है जो पूर्णतः गलत है।

अतः समस्त सम्मानित समाचार पत्रों के सम्मानित संपादकों/ पत्रकार बन्धुओं / जिला व पुलिस प्रशासन के अधिकारियों से व सम्मानित जनता से मेरी पुरजोर अपील है कि मेरा व मेरी पत्नी रेखा आर्या (कैबिनेट मंत्री उत्तराखंड सरकार) का नाम उपरोक अपराधिक प्रवृति के लोगों के साथ न जोड़ा जाए।

भवदीय
गिरधारी लाल साहू
मो. 8958052185, 8445343991

अमृत विचार

सोमवार, 28 जुलाई 2025

"उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए।"

भीड़ प्रबंधन की जरूरत

हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने से हुई जानलेवा भगदड़ ने एक बार फिर देश में भीड़ प्रबंधन क्षमता की खामियों को उजागर करने के साथ इस सवाल का उत्तर खोजने के लिए विवश कर दिया है कि आखिरकार हमारे धार्मिक स्थलों में इस तरह की भगदड़ क्यों मचती है। ऐसे हादसों में होने वाली मौतों का जिम्मेदार किसे माना जाए? कमी तैयारी और निगरानी में रह जाती है या समूची व्यवस्था ही लापरवाही की भेंट चढ़ जाती है? प्रशासन पिछली घटनाओं से सबक क्यों नहीं लेता? देश के मंदिरों, मेलों और धार्मिक आयोजनों में भगदड़ होना अगर कोई नई बात नहीं है, तो यह भी सही है कि हर हादसा, चाहे वह किसी पर्व या उत्सव के दौरान हुआ हो या अचानक लोगों का हुजूम उमड़ने का नतीजा रहा हो, भीड़ प्रबंधन की नाकाम रणनीति और सरकारी तंत्र की कमजोरी या विफलता ही उजागर करता रहा है। दरअसल, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के भीड़ प्रबंधन से जुड़े दिशा-निर्देशों को छोड़ दें, तो किसी भी राज्य या शहर में भीड़ प्रबंधन का एक जैसा प्रोटोकॉल नहीं है। कोई ऐसा कानून भी नहीं है, जो बड़े धार्मिक और सार्वजनिक आयोजनों को सफलता से क्रियान्वित और प्रबंधित करने की प्रणाली को अनिवार्य बनाता हो। सच तो यह भी है कि राष्ट्रीय और राज्य आपदा प्रबंधन टीमें प्राकृतिक आपदाओं में बढ़िया काम दिखाने के बावजूद भगदड़ जैसे हादसों से निपटने में शायद उतनी कुशल और दक्ष नहीं हैं। इसकी वजह यह भी है कि भगदड़ अचानक कुछ सेकेंड में मचती है और हालात बेकाबू होकर हाथ से निकल जाते हैं।

देश में आमतौर पर किसी भी आयोजन में भीड़ प्रबंधन का काम पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के कंधों पर ही रहता है, लेकिन इनमें से तमाम अधिकारियों के पास भगदड़ नियंत्रण का पर्याप्त प्रशिक्षण और कुशलता नहीं होती है। बेंगलूरू में बीती चार जून को आईपीएल विजेता टीम की विक्ट्री परेड में हुई भगदड़ का सबक नाकाफी योजना ही था, जिसके कारण बड़ी मानवीय कीमत चुकानी पड़ी थी। इससे पहले इसी साल तिरुपति मंदिर, गोवा के श्रीलैराई देवी मंदिर, प्रयागराज महाकुंभ में भगदड़ घटनाएं हमारी व्यवस्था की कमजोर कड़ियों को झकझोर चुकी हैं। हाथरस में तो पिछले साल हुई भगदड़ में 121 लोगों की जान चली गई थी। लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाओं से साफ है कि हमें भीड़ को नियंत्रित करने का तौर-तरीका बदलना होगा। पुलिस बलों को तेजी से बदलते हालात के मुताबिक त्वरित प्रबंधन प्रतिक्रिया करना सीखना होगा। भगदड़ की स्थिति में सबसे आगे खड़े पुलिस कर्मी को रियल टाइम में सही फैसला लेने की क्षमता से लैस करना होगा, जिसकी समझ लगातार मॉक ड्रिल और अभ्यास से ही आती है। पुलिस बलों की कार्यशैली में आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने में दक्षता का स्तर बढ़ाना होगा। तकनीक का बेहतर इस्तेमाल करना सीखना होगा। इसकी मदद से ड्रोन और रियल-टाइम एनालिटिक्स समेत संचार और निगरानी की आधुनिक तकनीक भीड़ का गुब्बारा फटने से पहले आगाह कर सकती है

प्रसंगवश

आंखें खोलने वाला फैसला

देश भर के शैक्षिक संस्थानों और कोचिंग केंद्रों में छात्र-छात्राओं की बढ़ती आत्महत्या की घटनाएं रोकने और उनके मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए सुप्रीम कोर्ट की पहल स्वागत योग्य है। शीर्ष कोर्ट ने इस संबंध में मौजूदा स्थिति को व्यवस्थागत विफलता ठहराते हुए कॉलेजों, कोचिंग संस्थानों और छात्रावासों के लिए 15 बिंदुओं की गाइड लाइन जारी की है। इसमें छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य, काउंसलिंग, शिकायत निवारण और संस्थागत जवाबदेही जैसे अहम उपायों को शामिल किया है। इसमें दो राय नहीं है कि पढ़ाई के बोझ, सामाजिक तानों, मानसिक तनाव और संस्थानों की बेरुखी जैसे कारणों से अगर छात्र-छात्राएं अपनी जान दे रहे हैं, तो बात साफ है कि समूची प्रणाली सवालों के घेरे में है। ऐसा लगता है कि धीरे-धीरे देश की शिक्षा प्रणाली में एक अनकही बेचैनी और अविश्वास की बेल गहराई में जड़ जमा चुकी है। यही वजह है कि वर्तमान परिदृश्य में शिक्षा की मूल आत्मा ही विकृत हो गई है। छात्रों को एक दूसरे से आगे निकलने की अंधाधुंध दौड़ में धकेला जा रहा है। इसके लिए उन पर लगातार मनोवैज्ञानिक दबाव डाला जाता है। लेकिन यह नहीं सिखाया जाता है कि असफलता, निराशा या अनिश्चितता से कैसे निपटना है। सारी पढ़ाई छात्रों को सिर्फ परीक्षाओं के लिए तैयार करने में सिमट गई है।

अमित नारायन

कानपुर

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में इसी और रास्ता दिखाया है, जिससे यह उम्मीद बलवती हुई है कि जल्दी ही शैक्षिक और कोचिंग संस्थानों के लिए मार्गदर्शक नीति के साथ जवाबदेह विधिक प्रणाली सामने आएगी

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट इसी गंभीरता को बयान करती है, जिसके मुताबिक देश में साल 2022 में 13 हजार से ज्यादा छात्र-छात्राओं ने आत्महत्या की थी, जबकि दो दशक पहले साल 2001 में छात्र-छात्राओं की आत्महत्या का आंकड़ा 5,425 ही था। सुप्रीम कोर्ट ने इस रिपोर्ट को बेहद चिंताजनक बताते हुए कहा है कि 2,248 छात्र-छात्राओं ने सिर्फ इसलिए जान दे दी, क्योंकि वे परीक्षा में फेल हो गए थे। यह स्थिति देश के बीमार हो चुके शैक्षिक परिस्थितिकी तंत्र में न्यायपालिका को हस्तक्षेप करने के लिए बाध्य करती है। ऐसे में शीर्ष कोर्ट का यह कहना गलत नहीं है कि जिस किसी संस्थान की लापरवाही से कोई छात्र या छात्रा आत्महत्या करती है, तो उस संस्थान को कानूनी व प्रशासनिक रूप से जिम्मेदार ठहराया ही जाना चाहिए। शैक्षिक संस्थानों की जिम्मेदारी और जवाबदेही तय करने के लिए ही शीर्ष कोर्ट ने सभी राज्यों को 60 दिनों के भीतर सुरक्षा मानदंड, काउंसिलिंग तथा शिकायत निवारण तंत्र बनाने वाले नियम-कानून अधिसूचित करने का आदेश दिया है। बात साफ है कि छात्र-छात्राओं के लिए एक ऐसी सहायता प्रणाली या व्यवस्था बनानी होगी जो उन्हें संभाल सके और मौजूदा हालात से बचाने वाला सुरक्षा कवच प्रदान कर सके। यह काम देश में एक जिम्मेदार नियामक ढांचा बनाकर ही किया जा सकता है, तभी पढ़ाई के बोझ, मनोवैज्ञानिक तनाव, उत्पीड़न, सामाजिक कलंक, संस्थागत असंवेदनशीलता जैसे कारणों से होने वाली युवाओं की असमय मौतों की रोकथाम का रास्ता सुनिश्चित हो सकेगा।

इस आम धारणा के विपरीत कि अधिकतर छात्र-छात्राएं खराब शैक्षणिक प्रदर्शन के कारण अपनी जान देते हैं, आत्महत्या की घटनाओं में कई बार अन्य कारक भी शामिल रहते हैं, जैसे रिश्ता टूटना, आत्म सम्मान को ठेस, सामाजिक अलगाव तथा पारिवारिक एवं मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं। वैसे जहां तक शैक्षिक संस्थानों में परामर्शदाताओं, मनोचिकित्सकों और अन्य मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता की बात है, तो हालात पहले की तुलना में अब काफी कुछ बेहतर हुए हैं, और यह भी सही है कि शीर्ष शैक्षिक संस्थानों में घटित होने वाली आत्महत्याओं के मुकाबले कहीं अधिक विद्यार्थियों को आत्महत्या करने से रोकने में सफलता भी मिली है, लेकिन इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि इस मामले में हमें अभी और भी बहुत कुछ करने की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में इसी और रास्ता दिखाया है, जिससे यह उम्मीद बलवती हुई है कि जल्दी ही शैक्षिक और कोचिंग संस्थानों के लिए मार्गदर्शक नीति के साथ जवाबदेह विधिक प्रणाली सामने आएगी।

संबंध सुधारने की नई नीति का संकेत है मोदी का मालदीव दौरा

अनिल यादव

वरिष्ठ पत्रकार

मालदीव के चीन की ओर झुकाव को एक दुस्साहसिक घटनाक्रम के रूप में देखा गया क्योंकि इस देश का कुल इलाका नब्बे हजार वर्ग किलोमीटर का है जिसका 96 प्रतिशत भाग समुद्र से घिरा हुआ है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कई ऐसे काम किए हैं जो इससे पहले किसी प्रधानमंत्री ने नहीं किए। इनमें से एक चारो ओर समुद्र से घिरे छोटे से पड़ोसी देश मालदीव का हालिया दौरा है जहां वह स्वाधीनता दिवस के मुख्य अतिथि के रूप में गए। वह पहले ऐसे प्रमुख विदेशी नेता भी हैं जिनकी अगवानी पौने दो साल पहले सत्ता में आए मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने की। महत्वपूर्ण यह है कि कट्टर चीन समर्थक मोहम्मद मोइज्जू ने अपने चुनाव अभियान में 'इंडिया आउट' यानि भारत को अपने देश से बाहर करने का नारा दिया था। इस दौरे को विदेश नीति में एक बदलाव के रूप में देखा जा रहा है जिसके चलते भारत खुद अपने निकटतम पड़ोसी देशों से संबंध सुधारने की पहल कर रहा है।

पहलगाम की आतंकी कार्रवाई के बाद बीती मई के पहले सप्ताह में भारत ने पाकिस्तान पर मिसाइल हमले किए जिनके बीच में अचानक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने युद्ध विराम का दावा कर दिया। मोदी के प्रतिवाद के बावजूद ट्रंप की ओर से भारत की संप्रभुता की तौहीन करने वाले इस तरह के दावे अब तक जारी हैं। इस सैन्य झड़प के समय भारत के परंपरागत मित्रों ने अपना समर्थन जताने में परहेज किया। इसके बाद दुनिया के सामने भारत का पक्ष रखने के लिए एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विदेश यात्रा पर गया लेकिन सरकार उसकी मुलाकात राष्ट्राध्यक्षों या विश्व राजनीति के प्रभावशाली लोगों से करा पाने में विफल रही। इस दौरान पाकिस्तान को अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, एशियाई विकास बैंक जैसी संस्थाओं से बड़ी वित्तीय सहायता मिली और संयुक्त राष्ट्र के आतंकवाद मामलों के पैनल में उपाध्यक्ष पर पाकिस्तान के प्रतिनिधि को नियुक्ति भी मिल गई। इन घटनाक्रमों से सीधा नतीजा निकाला गया कि भारत कूटनीतिक रूप से अलग-थलग पड़ता जा रहा है। भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर के चीन दौरे के बाद प्रधानमंत्री के पहली बार मालदीव जाने को सबसे पहले पड़ोसियों से संबंध सुधारने की पहल के रूप में देखा जा रहा है।

यह मालदीव दौरा भी पुराने विवादों से अछूता नहीं रहा। इसी समय मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू के नजदीकी रिश्तेदार और धार्मिक संगठन सलफ जमीयत के अध्यक्ष अब्दुल्लाह बिन मोहम्मद इब्राहिम ने ट्विटर पर कथित तौर पर मोदी को मुस्लिम विरोधी बताते हुए एक टिप्पणी की और बाद में इस पोस्ट को डिलीट कर दिया। भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा है कि हमने पहले भी इस तरह की टिप्पणियों की परवाह नहीं की है और भारत-मालदीव संबंधों का भविष्य अच्छा है। मालदीव के पिछले चुनाव में मोइज्जू की भारी जीत में इस तरह के बयानों ने अहम भूमिका निभाई थी और उन्हें वहां के किसी भी पूर्व राष्ट्रपति की तुलना में अधिक चीन समर्थक माना जाता है।

मालदीव के चीन की ओर झुकाव को एक दुस्साहसिक घटनाक्रम के रूप में देखा गया क्योंकि इस देश का कुल इलाका नब्बे हजार वर्ग किलोमीटर का है जिसका 96 प्रतिशत भाग समुद्र से घिरा हुआ है। जलवायु परिवर्तन के मद्देनजर विशेषज्ञों ने भविष्यवाणी कर रखी है कि 2050 तक मालदीव का अस्सी प्रतिशत भाग समुद्र में डूब जाएगा। तब वह अपने निवासियों की जान बचाने के लिए निकटम पड़ोसी भारत के अलावा किससे और सहायता मांगेगा जिसकी दूरी 70 नॉटिकल मील है। भारत मान कर चल रहा था कि भूगोल ही दोनों देशों का भाग्य है जिससे बचा नहीं जा सकता। मालदीव हर मामले में भारत पर निर्भर रहा है। भारतीय स्टेट बैंक अब भी इस द्वीप का सबसे बड़ा बैंक है जिसने यहां पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था विकसित करने में सबसे बड़ा योगदान दिया है।

मालदीव पर आए अब तक के तीन बड़े संकटों में भारत ही पहला मददगार रहा है। ये संकट थे 1988 का सैन्य तख्ता पलट, 2004 की सुनामी और 2014 का पेयजल संकट। वहां की स्वास्थ्य सेवाएं और शिक्षा का ढांचा भारतीय डाक्टरों और शिक्षकों का खड़ा किया हुआ है। अब भी दूर-दराज के द्वीपों तक में वही काम कर रहे हैं। व्यापार और पर्यटन के मामले में भारत सबसे बड़ा साझेदार है। चावल, आटा, आलू, चीनी, अंडे समेत बालू और भवन निर्माण सामग्रियों की सप्लाई भारत से ही होती है। दिक्कत भारत की सत्ताधारी पार्टी की मुसलमानों से संबंधित नीति से शुरू होनी शुरू हुई जो पिछले वर्षों में मुसलमानों पर भीड़ के द्वारा किए जाने वाले हमलों और हिंदुत्ववादी नेताओं के बयानों के चलते अब काफी जटिल हो चुकी है। मालदीव एक धार्मिक रंगत वाला देश है। वहां के संविधान के मुताबिक सिर्फ सुन्नी मुसलमान ही वहां के नागरिक हो सकते हैं। मुसलमानों के अन्य फिरकों को भी वहां बसने की इजाजत नहीं है।

भारत की मुश्किल यह है समुद्र के रास्ते आतंकवाद, मालवाहक पोतों पर डकैती, नशीले पदार्थों के कारोबार और समुद्र में होने वाले अन्य अपराधों पर रोकथाम के लिए मालदीव की रणनीतिक स्थिति एक चेकपोस्ट की तरह है जिस पर चीन का नियंत्रण बढ़ता जा रहा है। पूर्व राष्ट्रपति यामीन के शासन के दौरान चीन समर्थक नीति अपनाई गई जिसके बाद से कर्जों का जाल बढ़ता गया है। पर्यटन से आय के कारण यह एशिया में प्रति व्यक्ति सबसे अधिक आमदनी वाला देश है इसलिए चीनी कर्जों का दुष्प्रभाव अभी नहीं दिखाई दे रहा है। भारत और मालदीव के पुराने आपसी एतिहासिक-राजनीतिक संबंधों का आधार परस्पर निर्भरता हुआ करती थी लेकिन चीन के साथ संबंधों की बुनियाद में पैसा या अर्थव्यवस्था है।

आमने

भाजपा सांसद गुलाम अली खटाना ने कहा, "भारतीय गठबंधन, खासकर कांग्रेस, की मानसिकता इतनी गिर गई है कि उन्होंने चुनाव आयोग को भी निशाना बनाना शुरू कर दिया है। जहां वे चुनाव जीतते हैं, वहां चुनाव आयोग और वोटिंग मशीनें ठीक हैं, लेकिन जहां वे हारते हैं, वहां वे संदेह पैदा करते हैं।

सामने

कांग्रेस नेता आशुतोष चटर्जी ने कहा, यह भाजपा के नेतृत्व में चुनाव आयोग द्वारा की गई धांधली है। 65 लाख नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। राहुल गांधी और पूरी कांग्रेस ने इसका विरोध किया। इसलिए, दक्षिण कलकत्ता जिला कांग्रेस के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया। वे पश्चिम बंगाल में एसआईआर मॉडल लागू करने की साजिश कर रहे हैं।

कंबोडिया-थाईलैंड के बीच तनाव

राजेश जैन

कोटा

थाईलैंड का आरोप है कि कंबोडिया ने बीएम-21 रॉकेट लॉन्चर से पहले हमला किया। वहीं कंबोडिया का दावा है कि थाई सैनिकों ने बिना उकसावे के आक्रामकता दिखाई और हवाई हमले किए।

दक्षिण-पूर्व एशिया एक बार फिर अशांत है। कंबोडिया और थाईलैंड खतरनाक सीमा संघर्ष में उलझ गए हैं। अब तक 27 लोगों से ज्यादा की मौत हो चुकी है और हजारों को अपने घर छोड़ने पड़े हैं। इस बार भी विवाद की जड़ वही पुरानी है-प्रीह विहेयर मंदिर। हजारों साल पुराना यह मंदिर खमेर साम्राज्य की धरोहर है, लेकिन इस पर मालिकाना दावा थाईलैंड और कंबोडिया दोनों करते हैं। 1962 में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने इसे कंबोडिया का हिस्सा माना था, पर थाईलैंड ने यह फैसला पूरी तरह स्वीकार नहीं किया।

वैसे भी 817 किलोमीटर लंबी थाई-कंबोडिया सीमा पर दशकों से विवाद चला आ रहा है। इसकी जड़ें फ्रांसीसी औपनिवेशिक काल के नक्शों में हैं। 1907 में बने नक्शों को थाईलैंड अब भी विवादित मानता है। कंबोडिया का कहना है कि प्रीह विहेयर और ता मुएन थोम जैसे ऐतिहासिक मंदिर उसके क्षेत्र में आते हैं, वहीं थाईलैंड इन्हें अपनी सांस्कृतिक विरासत मानता है।

2008 से 2011 के बीच इसी विवाद पर हुई झड़पों में 34 लोगों की मौत हो गई थी। 2025 की चिंगारी तब भड़की जब एक कंबोडियाई सैनिक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। 24 जुलाई को हालात और बिगड़ गए जब ता मुएन थोम मंदिर के पास भारी गोलीबारी और हवाई हमले हुए।

थाईलैंड का आरोप है कि कंबोडिया ने बीएम-21 रॉकेट लॉन्चर से पहले हमला किया। वहीं कंबोडिया का दावा है कि थाई सैनिकों ने बिना उकसावे के आक्रामकता दिखाई और हवाई हमले किए। फिलहाल थाईलैंड ने सीमाएं सील कर दी हैं और कंबोडिया ने भी थाईलैंड से आने वाले आयात-जैसे फल, सब्ज़ियां, गैस और फिल्मों-पर रोक लगा दी है।

कंबोडिया पहले से ही चीन के प्रभाव में है। पूर्व प्रधानमंत्री हुन सेन और वर्तमान प्रधानमंत्री हुन मानेट दोनों को चीन का भरोसेमंद साथी माना जाता है। यही वजह है कि चीन इस पूरे घटनाक्रम में शांत तो है, पर उसकी मौजूदगी हर स्तर पर महसूस की जा सकती है।

दक्षिण कंबोडिया में चीन द्वारा विकसित किया गया रीम नौसैनिक अड्डा अमेरिका और भारत जैसे देशों के लिए चिंता का विषय है। माना जाता है कि ऐसे ठिकाने दक्षिण चीन सागर से लेकर हिंद महासागर तक चीन की सामरिक पहुंच बढ़ा सकते हैं। थाईलैंड लंबे समय से अमेरिका का रणनीतिक साझेदार रहा है और कोबरा गोल्ड जैसे संयुक्त सैन्य अभ्यासों में अमेरिका के साथ बढ़-चढ़कर हिस्सा लेता है। लेकिन बीते वर्षों में चीन से उसके आर्थिक और सैन्य रिश्ते भी गहरे हुए हैं। अगर चीन इस टकराव में मध्यस्थ बनता है, तो वह अमेरिका के प्रभाव को तो काफी हद तक कम कर ही सकता है, साथ ही दोनों देशों के साथ व्यापार और निवेश को भी अपनी शर्तों पर आगे बढ़ा सकता है।

भारत की चिंताएं और कूटनीतिक चुनौती-भारत के लिए यह संघर्ष कई वजहों से चिंता का कारण है। थाईलैंड 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' का मुख्य प्रवेश द्वार है, जबकि कंबोडिया 'मेकोंग-गंगा सहयोग' में एक अहम साझेदार। भारत ने दोनों देशों में डिजिटल कनेक्टिविटी, सांस्कृतिक परियोजनाओं और रणनीतिक संवादों पर काम किया है। लेकिन अगर दोनों देशों के बीच यह तनाव लंबा चलता है, तो भारत की कूटनीतिक स्थिति अस्थिर हो सकती है। भारत को संतुलन साधना होगा-दोनों पक्षों से संबंध बनाए रखते हुए अपने हितों की रक्षा करनी होगी। भारत को चाहिए कि वह आसियान के साथ संवाद और सहयोग को और मजबूत करे। मेकोंग-गंगा सहयोग के तहत थाईलैंड और कंबोडिया दोनों में सांस्कृतिक और विकास परियोजनाओं को गति दे। क्षेत्रीय मंचों का उपयोग करके सामूहिक सुरक्षा व्यवस्था पर संवाद बढ़ाना भारत की प्राथमिकता होनी चाहिए। साथ ही भारत को स्पष्ट संदेश देना चाहिए कि क्षेत्रीय स्थिरता में उसका सीधा हित है और वह किसी भी बाहरी दबाव के खिलाफ अपने साझेदारों के साथ खड़ा रहेगा।

कंबोडिया ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से आपात बैठक की मांग की है और मामला फिर से अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में ले जाने की तैयारी कर रहा है। लेकिन थाईलैंड ने अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के अधिकार को नकारते हुए सिर्फ द्विपक्षीय बातचीत पर जोर दिया है। इसके लिए उसने पहले युद्धविराम की शर्त रखी है। इस तनाव को सुलझाने के लिए अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता की भूमिका अहम हो सकती है। अगर चीन इस संघर्ष में 'शांति-निर्माता' बनकर उभरता है, तो वह दक्षिण-पूर्व एशिया में अमेरिका की साख को और कमजोर करेगा और भारत की रणनीतिक स्थिति पर भी असर डालेगा।

सामयिकी

सर्वोच्च न्यायाधीश है प्रकृति

सभ्य समाज को बांधकर रखने वाला सबसे महत्वपूर्ण तत्व न्याय है। न्याय व्यवस्था पर हमारे विश्वास ने ही सामाजिक व्यवस्था की गतिशीलता और क्रियाशीलता को बनाए रखा हुआ है। हालांकि रोजमर्रा के दैनिक जीवन में अनेक ऐसे अवसर आते हैं जब बाह्य न्याय व्यवस्था पर हमारा विश्वास खंडित होने लगता है। उस स्थिति में हताश और बेबस व्यक्ति के मन से बस एक ही वाक्य निकलता है कि अब ईश्वर/प्रकृति न्याय करेगी और यह सत्य भी है कि बाह्य न्याय व्यवस्था की तमाम खामियों के बावजूद प्रकृति की न्याय व्यवस्था सटीक, वस्तुनिष्ठ और परिशुद्ध है।

बीना नयाल

दिल्ली

बाह्य न्याय व्यवस्था की ही भांति प्रकृति का न्याय भी कई बार त्वरित और कई बार देरी से होता है परंतु होता अवश्य है। बाह्य न्याय व्यवस्था आपके दोष सिद्ध होने पर आपको केवल शारीरिक और मानसिक कष्ट पहुंचाती है परंतु प्रकृति की न्याय व्यवस्था तो कई बार मौन कुल्हाड़ी की भांति आपकी आत्मा को ही लहूलुहान कर देती है।

मेरे दिवंगत पिताजी यह कहानी सुनाया करते थे कि उनके एक जानकार पेंशन विभाग में कार्यरत उच्च अधिकारी थे। रोज दफ्तर में पेंशन बनवाने के कार्य से अनेकों परेशान वृद्धजन अपनी समस्याएं लेकर आते थे जिनकी लाचारी का फायदा उठाकर वे मनमानी वसूली किया करते थे। वसूली करते हुए उन्होंने आय के अतिरिक्त काफी धन संपत्ति एकत्रित कर ली थी। उनका एक विकलांग बेटा था। देखने में सुदर्शन, पढ़ने में औसत के साथ वाणी व सुनने में सीमित शक्ति। अधिकारी की इच्छा थी कि उनके पद पर रहते बालक कहीं सरकारी सेवा में नियुक्त हो जाए। विकलांग कोटा तो था ही। लेकिन जब विकलांग कोटा में भी पेपर पास नहीं हुआ तो नौकरी के लिए मोटी रकम रिश्वत में दी और लगे हाथ धूमधाम से बेटे का विवाह किया लेकिन बेटे की विकलांगता के कारण साल भर में ही बेटे का विवाह विच्छेद हो गया।

अधिकारी भी सेवानिवृत हो गए। अपने जीवन भर की उपरी कमाई का नफा नुकसान लगाया तो वह लगभग उतना ही था जितना बेटे की नौकरी में रिश्वत और विवाह में खर्च हुआ। कुल मिलकर परेशान और असहाय वृद्ध लोगों की बददुआओं ने उनके पुत्र रूपी आत्मा पर आघात किया। वहीं एक मेरे भी एक परिचित है जिन्होंने जीवन भर नौकरी में ईमानदारी से अपने कर्तव्यों को पूरा किया और सरल, सदव्यवहार के कारण कई बार सहकर्मियों ने काम के मामले में उनका शोषण भी किया परंतु मित्र अपने सदाचार से डिगे नहीं। प्रकृति ने उनको सुयोग्य व सफल संतान के रूप में पुरस्कृत किया। आज बेटा मल्टीनेशनल कंपनी में उच्च पद पर आसीन है और बेटी राज्य प्रशासनिक अधिकारी है। दोनों ही उद्धरणों में प्रकृति न्यायाधीश की भूमिका में है। आप अपने गलत कर्मों को सबसे छुपा सकते हैं लेकिन अपनी अंतरात्मा और प्रकृति से नहीं।

प्रकृति के पांचो तत्व पंचों की भांति आपके कर्मों को अवलोकन कर रहे हैं। उन्हें विभिन्न कसौटियों पर परख रहे हैं और कर्म रूपी वृक्ष के पुष्पित फलित होने पर फल जब परिपक्व होकर जब आपकी गोद में गिरता है तो उसकी तीक्ष्णता और मृदुलता की तीव्रता आपके द्वारा रोपित बीजों पर निर्भर है। शिशुपाल वध के लिए भगवान श्रीकृष्ण के सुदर्शन चक्र का प्रयोग करके के दौरान उंगली कटने पर द्रौपदी ने अविलंब आंचल का जो चीर बांधा, ईश्वर ने वही चीर वस्त्र हरण के समय कई गुना कर द्रौपदी की लाज बचाने हेतु लौटाया। कर्मों का खेल भूल भुलैया की भांति ना समझने वाले के लिए जटिल और क्लिष्ट है तो अर्जुन की भांति भक्त के लिए अत्यंत सरल और बोधगम्य है।

सोशल फोरम

राजनीति भी सरकारी नौकरियों की तरह

देश में ट्रक बनाने वाली दो प्रमुख कंपनियां टाटा और अशोक लेलैंड हैं। वी एफ जे में काम करने के दौरान अशोक लेलैंड के कुछ सीनियर अफसरों से मिलने पर पता चलता था कि वे अशोक लेलैंड में आने के पहले 20-30 साल टाटा में काम कर चुके थे। बाद में उन्नति के लिए उन्होंने कंपनी बदली। प्राइवेट संस्थानों में उन्नति के लिए कुछ साल बाद कंपनी बदलने का चलन आम बात है। नौकरी वहां 'कांट्रैक्ट मैरिज' टाइप होती है। सरकारी नौकरियां हिंदुस्तानी विवाह की तरह होती हैं। नौकरी करने वाला इंसान हिंदुस्तानी बहुओं की तरह होता है। जिस घर मे डोली आई वहीं से अर्थी निकलने की तर्ज पर जहां ज्वाइन करता है वहीं से रिटायर मेंट लेता है। पहले की राजनीति भी आमतौर पर सरकारी नौकरियों की तरह करते थे लोग। जिस दल, विचार धारा से शुरू करते थे, आमतौर पर उसी से जुड़े रहते थे। इधर सरकारी नौकरियां तेजी से कम हुई हैं। काम चलाने के लिए कांट्रैक्ट वर्कर का चलन बढा है। ठिकाना नहीं कि कब निकाल दिए जाएं। राजनिति में भी प्राइवेटाइजेशन बढ़ा है। लोग मौका देखकर धुर विरोधी पार्टी में शामिल होने में गुरेज नहीं करते। बल्कि मौके पर पार्टी और स्टैंड बदल लेना सबसे बड़ी समझदारी मानी जाती है। जिसको गरियाते हुए सत्ता में पाई बाद में उसी के साथ सरकार बनाना सफल और समझदार राजनीतिज्ञ की निशानी है।

अनूप शुक्ल

कानपुर

देश के राजनीतिज्ञ समझदार होते जा रहे हैं। वे ठेके पर काम करने वाले मजदूरों की तरह काम करने लगे हैं। जो ठेकदार रोजी-रोटी देगा उसी के जुड़कर जनता की सेवा करने पर मजबूर है। आज राजनीति का सबसे बड़ा ठेकेदार बाजार है। क्या पक्ष क्या विपक्ष सब बाजार के इशारे पर उठते-बैठते, हिलते-डुलते हैं। बाजार के इशारे पर पक्ष-विपक्ष आपस में ग्लेडियेटर की तरह लड़ने का नाटक करते हैं। बाजार दोनों में से किसी को मरने नहीं देता। जिंदा रखता है दोनों को। आखिर दोनों को बनाने में उसका ही पैसा लगता है। जनता बेचारी इन्हीं लोगों से अपनी सेवा कराने को मजबूर है। जिसको वह अपनी सेवा के लिए चुनती है वह अगर बाजार को पसंद नहीं आता तो वह उसे बदल देता है। आखिर सेवक चुनने में पैसा तो उसी का लगता है। इसलिए जनता का सेवक चुनने का हक भी उसी को है। जनता को तो बस सेवा से मतलब होना चाहिए। सेवक कौन होगा यह तय करना बाजार का काम है।

-फेसबुक वॉल से

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- bly.editor@amritvichar.com, info@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

आज की युवा पीढ़ी न केवल स्टाइलिश लुक चाहती है, बल्कि दमदार परफॉर्मेंस और माइलेज का भी ख्याल रखती है। यही कारण है कि मोटरसाइकिल कंपनियां युवाओं के लिए लगातार नए-नए फीचर से लैस बाइक मॉडल ला रही हैं। भारत में 150 सीसी से लेकर 350 सीसी सेगमेंट की बाइकों की मांग सबसे ज्यादा है। आइए जानते हैं आज के युवाओं की सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली बाइकों के बारे में

युवाओं की पहली पसंद बनीं स्टाइलिश व दमदार बाइकें

रॉयल एनफील्ड हंटर 350

- रॉयल एनफील्ड का नाम ही रॉयल है और इसकी हंटर 350 बाइक आज युवाओं की पहली पसंद बन चुकी है। कंपनी की सबसे किफायती बाइक्स में शामिल यह मॉडल अगस्त 2022 में लांच हुआ था। आज यह न केवल देश में बल्कि विदेशों में भी अपनी धाक जमा चुकी है। हंटर 350 में 350 सीसी का सिंगल सिलेंडर इंजन है, जो 27 एनएम टॉर्क जनरेट करता है। इसका वजन 181 किलोग्राम है। यह दो वेरिएंट्स – रेट्रो (स्पोक रिम, ट्यूब टायर) और मेट्रो (एलॉय व्हील) में आती है। यह बाइक आठ आकर्षक रंगों में उपलब्ध है। 35–40 किमी/लीटर का माइलेज, दमदार परफॉर्मेंस और स्टाइलिश डिजाइन के चलते यह भारत ही नहीं, विदेशों में भी धूम मचा रही है। हंटर 350 को रॉयल एनफील्ड की अब तक की सबसे फुर्तीली और ट्रेंडी बाइक माना जा रहा है।

कीमत
1.50
लाख रुपये से शुरू

माइलेज
35-40
किमी प्रति लीटर

क्यों खास
स्टाइलिश लुक, रेट्रो डिज़ाइन, रॉयल एनफील्ड ब्रांड की विरासत

बजाज पल्सर एन160

बजाज पल्सर एन160 नई पीढ़ी की एक स्टाइलिश और मस्क्युलर बाइक है। जो परफॉर्मेंस, सेफ्टी और डिज़ाइन का बेहतरीन मेल पेश करती है। इसमें 165सीसी का ऑयल–कूल्ड इंजन दिया गया है, जो शानदार पावर और स्मूथ राइडिंग का अनुभव देता है। यह बाइक डुअल चैनल एबीएस के साथ आती है, जो ब्रेकिंग के दौरान बेहतर कंट्रोल और सुरक्षा सुनिश्चित करता है। इसका ऑल–ब्लैक लुक, एलईडी प्रोजेक्टर हेडलाइट, स्लीक टेललाइट और स्पोर्टी बॉडी इसे युवाओं के बीच और भी आकर्षक बनाते हैं। इसकी बेहतर ग्राउंड क्लियरेंस और सस्पेंशन सेटअप खराब रास्तों पर भी आरामदायक राइड देते हैं। हालांकि इसमें ब्लूटूथ कनेक्टिविटी या स्मार्ट जोनेक्ट जैसे स्मार्ट फीचर्स नहीं हैं। लेकिन इसकी ताकतवर परफॉर्मेंस, दमदार लुक और बजट फ्रेंडली प्रकृति इसे एक भरोसेमंद मिड–साइज बाइक बनाती है।

कीमत
1.30
लाख रुपये से शुरू

माइलेज
40-45
किमी प्रति लीटर

क्यों खास
डुअल चैनल एबीएस, दमदार ब्रेकिंग, नया इंजन ट्यून

केटीएम ड्यूक 200

- केटीएम ड्यूक 200 एक प्रीमियम स्पोर्ट्स नेकेड बाइक है। जो युवाओं के बीच अपनी रफ्तार, स्टाइल और एग्रेसिव डिज़ाइन के लिए जानी जाती है। इसका 199 .5 सीसी का लिक्विड–कूल्ड, सिंगल–सिलेंडर इंजन जबरदस्त पावर और तेज़ पिक–अप देता है, जो शहर की सड़कों से लेकर हाईवे तक शानदार प्रदर्शन करता है। हल्का ट्रेलिस फ्रेम और बेहतर वज़न संतुलन इसे स्टंट और ट्रैफिक दोनों के लिए उपयुक्त बनाता है। इसमें मिलने वाली शानदार रोड ग्रिप, डब्ल्यूपी सस्पेंशन, एलईडी लाइट्स और डिजिटल डिस्प्ले इसे और भी प्रीमियम फील देते हैं। बाइक का आक्रामक लुक और ऑरेंज–सिग्नेचर थीम इसे यूथ आइकन बना देती है। हालांकि, इसका माइलेज थोड़ा कम है और मेंटेनेंस कॉस्ट अपेक्षाकृत ज्यादा हो सकता है। फिर भी, स्पीड और स्पोर्टी एक्सपीरियंस चाहने वालों के लिए यह बाइक एक बेहतरीन विकल्प है।

कीमत
1.96
लाख रुपये से शुरू

माइलेज
33–35
किमी प्रति लीटर

क्यों खास
रेसिंग डीएनए, अडवेंचरस लुक, टॉर्की इंजन

टीबीएस अपाचे आरटीआर-160 4वी

टीबीएस अपाचे आरटीआर–160 4वी एक स्पोर्टी, किफायती और फीचर–लोडेड बाइक है। जो खासकर युवा राइडर्स के बीच बेहद लोकप्रिय है। इसका 159 .7 सीसी का ऑयल–कूल्ड इंजन बेहतरीन पावर और माइलेज का संतुलित अनुभव देता है। जिससे यह शहर और हाईवे दोनों पर दमदार प्रदर्शन करती है। बाइक में स्मार्ट जोनेक्ट तकनीक के साथ ब्लूटूथ कनेक्टिविटी, गियर शिफ्ट इंडिकेटर, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और तीन राइडिंग मोड्स जैसे मॉडर्न फीचर्स मिलते हैं। इसका मस्कुलर टैंक और एग्रेसिव ग्राफिक्स इसे एक प्रीमियम स्पोर्ट्स लुक देते हैं। टीवीएस की विश्वसनीयता, कम मेंटेनेंस कॉस्ट और किफायती सर्विस इसे कॉलेज स्टूडेंट्स और डेली कम्यूटर के लिए परफेक्ट चॉइस बनाते हैं। यह बाइक उन लोगों के लिए है जो स्टाइल, परफॉर्मेंस और बजट – तीनों को एक साथ पाना चाहते हैं।

कीमत	माइलेज	क्यों खास
1.25 लाख रुपये से शुरू	40-45 किमी प्रति लीटर	ब्लूटूथ कनेक्टिविटी, सस्पेंशन और बैलेंस का बेहतरीन कॉम्बिनेशन

यामाहा आर-15 वी-4

- यामाहा आर–15 वी–4 एक स्पोर्टी और स्टाइलिश बाइक है। जो खास तौर पर युवाओं के बीच बेहद लोकप्रिय है। इसका 155 सीसी का लिक्विड–कूल्ड, 4–स्ट्रोक वीवीए इंजन शानदार पिक–अप और स्मूद परफॉर्मेंस देता है। यह न सिर्फ तेज़ रफ्तार में बेहतरीन स्थिरता देता है, बल्कि माइलेज के मामले में भी अच्छा विकल्प माना जाता है। इसमें मिलने वाले ट्रैक्शन कंट्रोल सिस्टम, डुअल चैनल एबीएस, स्लिपर क्लच और एलईडी हेडलाइट्स जैसे एडवांस फीचर्स इसे एक प्रीमियम स्पोर्ट्स बाइक बनाते हैं। बाइक का डिज़ाइन पूरी तरह से रेसिंग इंस्पायर्ड है, जिसमें एग्रेसिव फ्रंट, एयरोडायनामिक बॉडी और स्टाइलिश ग्राफिक्स दिए गए हैं। इसका डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और ब्लूटूथ कनेक्टिविटी जैसे स्मार्ट फीचर्स भी युवाओं को खूब लुभाते हैं।

कीमत	माइलेज	क्यों खास
1.82 लाख रुपये से शुरू	40–45 किमी प्रति लीटर	डुअल एबीएस, ट्रैक्शन कंट्रोल, एलईडी हेडलाइट्स

* बाइकों के प्राइस सभी प्रदेशों में अलग हो सकते हैं।

बाजार दिखा बड़ा लेकिन खरीदार है छोटा

टिक पाएगी टेस्ला इंडिया में!

मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स की चमचमाती सड़कें, शीशे के भव्य शोरूम में खड़ी एक कार और बाहर भीड़ का उत्साह 15 जुलाई की सुबह कुछ ऐसी ही थी, जब भारत में टेस्ला ने आधिकारिक तौर पर कदम रखा। टेस्ला यानी उस सपने का नाम, जो अमेरिका में नवाचार की पहचान बन चुका है। लेकिन भारत में यह सपना साकार होगा या फिर वही हश्र होगा जो पहले भी कई विदेशी कंपनियों का हुआ, यही सवाल आज देश का हर गंभीर ऑटो विशेषज्ञ पूछ रहा है। टेस्ला की Model Y भारत में लॉन्च हुई है, जिसकी कीमत 60 लाख से 70 लाख के बीच है। यह गाड़ी आम आदमी के सपनों से कहीं दूर है, और इसीलिए यह चर्चा का विषय बन गई है। भारत में जहां कारों की औसत कीमत 11.5 लाख है, वहीं टेस्ला की शुरुआती कीमत छह गुना अधिक है। सवाल यह नहीं कि टेस्ला महंगी क्यों है, सवाल यह है कि भारत जैसे मूल्य-संवेदनशील बाजार में क्या यह टिक पाएगी?

टेस्ला को बनानी होगी जगह

- भारत में गाड़ी खरीदना केवल यात्रा का जरिया नहीं, यह स्टेटस सिंबल भी है। लेकिन स्टेटस के साथ–साथ भारतीय ग्राहक "वैल्यू फॉर मनी" भी चाहता है। भारत में आज भी SUV सेक्टर में 20–30 लाख की रेंज में टाटा, महिंद्रा और हुंडई जैसी कंपनियों का बोलबाला है। टेस्ला अगर इस रेंज में आती तो शायद बड़ी हलचल मचती, लेकिन 60 लाख से ऊपर की रेंज में वो खरीदारों का एक सीमित तबका ही पकड़ सकती है। और यह सीमित तबका भी टेस्ला के लिए आसान नहीं होगा। भारत में मर्सिडीज–बेंज, बीएमडब्ल्यू और पोर्शे पहले से इस प्रीमियम सेगमेंट में मौजूद हैं। साल 2024 में भारत में 50 लाख से ऊपर की गाड़ियों की हिस्सेदारी मात्र 1 से 1.5% थी। यानी 100 में से सिर्फ एक या दो खरीदार ही इस रेंज में खर्च करते हैं। टेस्ला को इन्हीं के बीच अपनी जगह बनानी होगी।

भारत की ईवी नीति और इंपोर्ट टैक्स बड़ी चुनौती

भारत की EV नीति और इंपोर्ट टैक्स भी टेस्ला के लिए बड़ी चुनौती हैं। फिलहाल जो मॉडल लॉन्च किए गए हैं, वे चीन की शंघाई फैक्ट्री से आयातित हैं। भारत में इलेक्ट्रिक गाड़ियों पर 70% से ज्यादा इंपोर्ट ड्यूटी लगती है। यही कारण है कि टेस्ला की कीमतें भारत में दो गुना हो जाती हैं। अगर कंपनी भारत में मैन्युफैक्चरिंग शुरू करती है और सरकार की नई EV नीति के तहत 4,150 करोड़ का निवेश करती है, तो उसे इंपोर्ट ड्यूटी में राहत मिल सकती है। लेकिन मस्क इस पर अब तक कोई साफ संकेत नहीं दे पाए हैं। अब बात करें ब्रांड के भावनात्मक पक्ष की। भारत में आईफोन जैसे महंगे ब्रांड्स की भी सीमित पहुंच है। आज भी भारत में एप्पल की बाजार हिस्सेदारी केवल 7–12% है, जबकि अमेरिका में यह 40% के आसपास है। इसका सीधा अर्थ है कि भारत के मध्यम वर्ग में महंगे ब्रांड्स का क्रेज तो है, लेकिन जेब उतनी मजबूत नहीं। ऐसे में टेस्ला को भी वही चुनौती झेलनी होगी, जो एप्पल झेल रही है "ब्रांड दिखे, पर बिके नहीं।" उद्योग जगत भी इस एंट्री को लेकर सतर्क है। एक प्रमुख भारतीय ऑटोमोबाइल ग्रुप के अध्यक्ष ने तो एलन मस्क को सोशल मीडिया पर चुनौती देते हुए लिखा "चार्जिंग स्टेशन पर मिलते हैं!" यह सिर्फ एक मजाक नहीं, बल्कि एक सीधा संदेश है कि टेस्ला को भारतीय ब्रांड्स हल्के में नहीं लेने वाले। टाटा मोटर्स और महिंद्रा जैसी कंपनियां पहले ही 10 से 25 लाख की रेंज में EV गाड़ियाँ उपलब्ध करा रही हैं, जो आम भारतीयों की जरूरत और बजट दोनों से मेल खाती हैं।

भारत का चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर एक बड़ी चुनौती

- अब सवाल यह भी है कि क्या भारत का चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर टेस्ला जैसे ब्रांड को सपोर्ट करने के लिए तैयार है? फिलहाल नहीं। टेस्ला ने भले ही मुंबई और दिल्ली मेंसुपरचार्जिंग स्टेशन लगाने की योजना बनाई हो, लेकिन पूरे देश में नेटवर्क बनाना एक लंबी प्रक्रिया है। और जब तक यह नेटवर्क तैयार नहीं होता, तब तक टेस्ला का बाजार केवल दिखावे तक सीमित रहेगा। टेस्ला का भविष्य इस पर भी निर्भर करेगा कि वह भारतीय ग्राहकों के लिए क्या पेशकश करती है। अगर टेस्ला भविष्य में 40–45 लाख की रेंज में कोई मॉडल लाती है, तो वह मिड प्रीमियम ग्राहकों को आकर्षित कर सकती है। ये वही ग्राहक हैं जो 30 लाख की गाड़ी खरीदने की हैसियत रखते हैं और ब्रांड वैल्यू के लिए थोड़ा और खर्च करने को तैयार रहते हैं। लेकिन जब सामने टाटा, महिंद्रा और हुंडई जैसे भरोसेमंद ब्रांड हों, तो टेस्ला को केवल ब्रांड इमेज के सहारे सफलता नहीं मिलेगी। इतिहास भी यही कहता है। हर्ले डेविडसन, शेव्रले और फोर्ड जैसी कंपनियों ने भी भारत में धमाकेदार एंट्री की थी, लेकिन कुछ वर्षों बाद उन्हें भारत छोड़ना पड़ा। वजह साफ थी भारतीय बाजार को समझने में चूक। सिर्फ नाम और टेक्नोलॉजी से भारत में गाड़ी नहीं बिकती, यहां लोगों की जरूरत, खर्च की सीमा और सेवा नेटवर्क की अहम भूमिका होती है।
- भारत में EV का भविष्य उज्ज्वल है, लेकिन अभी शुरुआती दौर में है। 2025 तक कुल गाड़ियों की बिक्री में EV की हिस्सेदारी केवल 4% रहने का अनुमान है। ऐसे में टेस्ला को जल्दबाजी नहीं, बल्कि रणनीति से काम लेना होगा। उसे भारत के लिए खास मॉडल, कीमत और सर्विस नीति बनानी होगी। टेस्ला की भारत में एंट्री एक नई शुरुआत है, लेकिन इसका भविष्य इस पर निर्भर करेगा कि क्या एलन मस्क भारत को सिर्फ एक बाजार नहीं, बल्कि एक साझेदार मानते हैं। अगर वह भारत में उत्पादन, रोजगार और तकनीक साझा करते हैं, तो उन्हें भारत का दिल भी मिलेगा और बाजार भी। वरना यह एंट्री भी एक शानदार लेकिन अल्पकालिक तमाशा बनकर रह जाएगी।

ऑटो टिप्स

बारिश में क्यों फटते हैं गाड़ी के टायर

टायर फटना यानी खतरे का संकेत। अचानक होने वाली घटना होती है टायर फटना, खासकर जब आप कहीं जा रहे हो। टायर फटने की वजह से कई बार बड़े हादसे होते हैं जिनकी वजह से लोगों की जान तक चली जाती है। अक्सर देखने में आता है कि लोग गाड़ी का ध्यान तो खूब रखते हैं लेकिन टायर्स की देखभाल नहीं करते और बाद में उन्हें नुकसान उठाना पड़ता है। बारिश में टायर फटना आम बात है। बारिश के गड्ढों में ईंट या गिट्टी की कचक से भी टायर कई बार फट जाते हैं जब गड्ढे में गाड़ी हिचकोले खाते हुए अंदर से बाहर सड़क पर आती है। अगर टायर में हवा जरूरत से ज्यादा है तो टायर फट सकता हैं। कम हवा होने पर टायर ज्यादा गर्म होता है और दीवारें झुकती हैं, जिससे ब्लोआउट का खतरा बढ़ता है।

ओवरलोडिंग

- गुरुनानक आटोमोबाइल्स के आनर्स राजू बताते हैं कि जब गाड़ी की क्षमता से ज्यादा लोड डाला जाता है, तो टायरों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है और तेज रफ्तार पर टायर ब्लास्ट हो सकता है। वे बताते हैं कि पंक्चर, कील, तेज पत्थर या कोई नुकीली वस्तु टायर की सतह को डैमेज कर देती है। हाईवे पर तेज रफ्तार में गड्ढे में लगने से टायर का साइडवॉल फट सकता है।

पुराने या घिसे हुए टायर

- कंपनी डीलर्स के मुताबिक टायर की उम्र 5–6 साल होती है या अधिकतम 40,000–50,000 किमी तक। घिसे हुए टायरों की ग्रिप कम होती है और रबर सख्त होकर क्रैक करने लगता है, जिससे ब्लोआउट हो सकता है। टायर फटने का एक कारण यह भी माना जाता है कि अगर टायर सही ढंग से फिट नहीं किया गया है या रिम खराब है, तो टायर संतुलन खो सकता है और फट सकता है।

परिवारों में तेजी से बढ़ रही है शिक्षित मेड की मांग

मुंबई। दोहरी आय वाले परिवारों की बढ़ती संख्या और दैनिक काम के लिए बाहरी सहायता पर बढ़ती निर्भरता के कारण शिक्षित घरेलू सहायक-सहायिकाओं (मेड) की मांग कई गुना बढ़ गई है। भर्ती मंच वर्कइंडिया की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। इसके मुताबिक, विभिन्न शिक्षा स्तर वाले घरेलू सहायकों की भूमिकाओं में 2024 में सालाना आधार पर तेज वृद्धि हुई। इस दौरान 10वीं कक्षा से कम शिक्षा प्राप्त लोगों की मांग में 112 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

अमृत विचार

बरेली, सोमवार, 28 जुलाई 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

एक्सपो में 4,000 से ज्यादा ब्रांड का प्रदर्शन

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में स्थित भारत मंडपम में आयोजित तीन दिन के गिफ्ट वर्ल्ड एक्सपो-2025 में 650 प्रदर्शकों ने 4,000 से ज्यादा ब्रांड का प्रदर्शन किया। आयोजक मेक्स एक्जीबिशन्स प्राइवेट लिमिटेड ने बताया कि 24 से 26 जुलाई तक आयोजित इस अंतरव्यापारिक (बी2बी) प्रदर्शनी में बड़ी संख्या में आगंतुकों ने हिस्सा लिया। इसमें भारत के कोने-कोने से आए कॉरपोरेट खरीदार, सोर्सिंग प्रमुख, खुदरा विक्रेता, संस्थागत खरीदार और उद्यमी शामिल हुए। आयोजक ने बताया कि 650 से अधिक प्रदर्शकों, 4,000 से अधिक ब्रांड और 30,000 से अधिक उत्पादों के प्रदर्शन के साथ, इस प्रदर्शनी ने व्यक्तिगत, कॉरपोरेट, उत्सव और लक्जरी गिफ्टिंग खंड के लिए एक प्रमुख सोर्सिंग केंद्र के रूप में अपना योगदान दिया।

12,000 कर्मियों की छंटनी करेगी टीसीएस

नई दिल्ली। भारत की सबसे बड़ी आईटी सेवा कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) इस साल अपने वैश्विक कार्यबल के लगभग दो प्रतिशत या 12,261 कर्मचारियों की छंटनी करने वाली है, जिनमें से ज्यादातर मध्यम और वरिष्ठ स्तर के होंगे। टीसीएस के कर्मचारियों की संख्या 30 जून, 2025 तक 6,13,069 थी। हाल ही में समाप्त अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी ने अपने कर्मचारियों की संख्या में 5,000 की वृद्धि की। टीसीएस ने एक बयान में कहा कि यह कदम कंपनी की भविष्य के लिए तैयार संगठन बनने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है।

सेंसेक्स की 6 कंपनियों का मार्केट कैप घटा

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 2.22 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई। बसे ज्यादा नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 294.64 अंक या 0.36 प्रतिशत नीचे आया। सप्ताह के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के पूंजीकरण में सामूहिक रूप से 2,22,193.17 करोड़ रुपये की गिरावट आई।

सभी अर्थव्यवस्थाओं में भारत की स्थिति बेहतर

आरबीआई की एमपीसी के सदस्य नागेश ने कहा- 6.5 % की दर से आगे बढ़ने में कोई चुनौती नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय अर्थव्यवस्था तेज रफ्तार से आगे बढ़ रही है और चालू वित्त वर्ष (2025-26) में इसे 6.5 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर हासिल करने में किसी चुनौती का सामना नहीं करना पड़ेगा। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के सदस्य नागेश कुमार ने रविवार को यह बात कही।

कुमार ने एक साक्षात्कार में कहा कि दुनिया की सभी अर्थव्यवस्थाओं में भारत की स्थिति बेहतर बनी हुई है। उन्होंने कहा, वास्तव में, एक-तिहाई से ज्यादा वैश्विक अर्थव्यवस्थाएं ऋण संकट से जूझ रही हैं, औद्योगिकीकृत अर्थव्यवस्थाएं भारी दबाव, ऊंची मुद्रास्फीति और आर्थिक वृद्धि में सुस्ती का सामना कर रही हैं। कुमार ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था निर्यात या व्यापार से अधिक घरेलू खपत और घरेलू निवेश पर टिकी है। इस वजह से आज भी भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, मुझे चालू वित्त वर्ष और अगले साल भारतीय अर्थव्यवस्था के 6.5 प्रतिशत से अधिक की दर से बढ़ने की राह में कोई दिक्कत नजर नहीं आ रही है। उन्होंने कहा, और, आप जानते हैं, उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में भी इस तरह की वृद्धि जारी रहेगी, और एक समय यह सात से 7.5 प्रतिशत पर पहुंच जाएगी। पिछले वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था के 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमान के अनुसार, चालू वित्त वर्ष में भी देश की अर्थव्यवस्था इसी दर से बढ़ेगी। मुद्रास्फीति पर एक सवाल पर कुमार ने कहा कि वर्तमान उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति लगभग दो प्रतिशत है और यह काफी हद तक एमपीसी (मौद्रिक नीति समिति) या आरबीआई द्वारा अपनाई गई नीति का परिणाम है। और अब यह लक्ष्य के दायरे में आ गई है।

यह पूछे जाने पर कि क्या आरबीआई के लिए आगे दरों में कटौती की गुंजाइश है, उन्होंने कहा, यह केवल मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर ही नहीं, बल्कि सभी विभिन्न वृहद आंकड़ों पर निर्भर करेगा। अगर मुद्रास्फीति किसी महीने में दो प्रतिशत तक नीचे आ जाती है, तो इसका मतलब यह नहीं है कि यह इसी स्तर पर रहेगी। केंद्रीय बैंक ने इस साल प्रमुख नीतिगत दर रेपो में एक प्रतिशत की कटौती की है। आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि जून में मुख्य मुद्रास्फीति चार प्रतिशत के लक्ष्य के मुकाबले घटकर 2.1 प्रतिशत रह गई है। आरबीआई की छह सदस्यीय मौद्रिक समिति अगस्त में अपनी अगली द्विमासिक नीति की घोषणा करने वाली है। कुमार ने कहा, इसलिए, एमपीसी न केवल मुद्रास्फीति के आंकड़ों, बल्कि अन्य सभी वृहद मापदंडों के रुझान पर भी गौर करेगी। इन्हीं के आधार पर एमपीसी को किसी निष्कर्ष पर पहुंचना होगा। सरकार ने आरबीआई को मुद्रास्फीति को दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ चार प्रतिशत पर रखने का लक्ष्य दिया है।

अमेरिका से समझौता हुआ तो हमारे लिए विशाल बाजार के रास्ते खुलेंगे

अमेरिका के साथ भारत के प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर एक सवाल के जवाब में, कुमार ने कहा, अगर हम इस समझौते को पूरा कर पाते हैं, तो हमें श्रम-प्रधान क्षेत्र में अमेरिका के विशाल बाजार तक पहुंच प्राप्त होगी, जहां भारत को अपने प्रचुर श्रम संसाधनों के कारण प्रतिस्पर्धी लाभ प्राप्त है। उन्होंने बताया कि भारत को अपने कृषि क्षेत्र, डेयरी क्षेत्र और कुछ अन्य क्षेत्रों को खोलने को लेकर कुछ चिंताएं हैं। यह देखते हुए कि व्यापार वार्ताएं लेन-देन पर आधारित होती हैं। उन्होंने कहा, कुछ बातों को ध्यान में रखते हुए, हम बाजार खोलने पर सहमत होते हैं, लेकिन एक कोटा निर्धारित किया जा सकता है। इससे भागीदार देश को सीमित मात्रा में शुल्क लाभ सीमित अवधि के लिए मिलेगा। एफडीआई पर एक सवाल के जवाब में कुमार ने कहा कि जहां तक कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का संबंध है तो यह 71 अरब डॉलर से बढ़कर 2024-25 में 81 अरब डॉलर पर पहुंच गया है, तो अच्छी वृद्धि है।

सोने ने पहली छमाही में दिया 27% रिटर्न, नए निवेश से बचें: विशेषज्ञ

नई दिल्ली, एजेंसी

- वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में सुधार के साथ सोने की कीमतों में कमी आ सकती

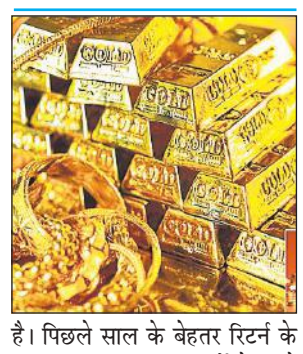

सोना एक सुरक्षित निवेश परिसंपत्ति के रूप में अपनी मजबूती बनाए हुए है और 2025 की पहली छमाही में इस बहुमूल्य धातु ने निवेशकों को लगभग 27 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में सुधार के साथ निवेशकों को मौजूदा स्तर पर सोने में नए निवेश से बचने की जरूरत है। उनका कहना है कि सोने में मौजूदा तेजी लंबी खिंचती दिख रही है। ऐसे में कीमतें फिर से बढ़ने से पहले कुछ समय के लिए थम सकती हैं और इसमें कुछ गिरावट आ सकती है।

मेहता इक्विटीज लि. के उपाध्यक्ष (जिंस) राहुल कलंत्री ने कहा, सोना एक सुरक्षित निवेश परिसंपत्ति के रूप में अपनी पारंपरिक मजबूती बनाये हुए है। एमसीएक्स में सोना इस साल की पहली छमाही में करीब 27 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 76,772 रुपये प्रति 10 ग्राम से जून, 2025 के अंत में 96,075 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। और अगर हम चालू वित्त वर्ष की शुरुआत अप्रैल, 2025 से बात करें, तो सोने ने निवेशकों को लगभग 33 प्रतिशत का उल्लेखनीय रिटर्न दिया है। पिछले साल के बेहतर रिटर्न के साथ यह सभी परिसंपत्ति वर्गों में सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले निवेश उत्पादों में से एक बन गया है। मौजूदा हालात में सोने में निवेश के बारे में पूछे जाने पर कलंत्री ने कहा, 2025 की पहली छमाही निश्चित रूप से सोने के लिए अनुकूल थी, लेकिन अब वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में सुधार के साथ, सोने की कीमतों में कमी आ सकती है। ऐसे में हमारी निवेशकों को मौजूदा स्तर पर सोने में नए निवेश से बचने की सलाह है। अल्पकाल के लिए निवेश करने वाले निवेशक अपने पोर्टफोलियो का कुछ हिस्सा चांदी में लगाने पर विचार कर सकते हैं।

समयबद्ध सेवाओं को लेकर मंत्रालयों के लिए बने कानून

नई दिल्ली, एजेंसी

- देरी या कमियों के लिए दंड और एक मजबूत शिकायत निवारण ढांचा भी हो शामिल : सीआईआई

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने रविवार को केंद्रीय मंत्रालयों के व्यवसायों को समयबद्ध सेवाएं देने की गारंटी के लिए एक केंद्रीय कानून बनाने की अपील की। सीआईआई ने यह भी कहा कि इसमें देरी या कमियों के लिए दंड और एक मजबूत शिकायत निवारण ढांचा भी शामिल होना चाहिए।

भारतीय उद्योग परिसंघ ने तर्क दिया कि यह सुधार नियामकीय निश्चितता को मजबूत करने, पूर्वानुमान को बढ़ाने और भारत में समग्र रूप से कारोबारी सुगमता में सुधार के लिए महत्वपूर्ण है। उद्योग मंडल ने कहा कि एक प्रमुख चुनौती मंजूरी की समयसीमा को लेकर अनिश्चितता के बारे में है, जिससे देरी और लागत में वृद्धि होती है। सीआईआई ने कहा कि इस मुद्दे का समाधान करने से भरोसा मजबूत होगा और समय पर सेवाएं देने में मदद मिलेगी।

कुछ सरकारी बैंकों की बचत जमा दरें ऐतिहासिक रूप से निचले स्तर पर

मुंबई। आरबीआई अनुसार 2011 में विनियमन मुक्त होने के बाद से सार्वजनिक क्षेत्र के कुछ बैंकों (पीएसबी) की बचत जमा दरें ऐतिहासिक रूप से निचले स्तर पर हैं। पीएसबी और निजी क्षेत्र के बैंकों, दोनों की नई जमाओं के लिए भारित औसत घरेलू सावधि जमा दरों में उल्लेखनीय गिरावट आई है। आरबीआई के बुलेटिन में प्रकाशित एक लेख में कहा गया है, इस समय कुछ बैंकों की बचत जमा दरें 2011 में विनियमन मुक्त होने के बाद से निचले स्तर पर हैं। अक्टूबर, 2011 में बचत बैंक जमा ब्याज दर को विनियमन मुक्त कर दिया था, और बैंकों को अपनी इच्छानुसार ब्याज दर निर्धारित करने की अनुमति दी थी।

एफटीए: उद्योगों की जागरूकता के लिए होंगी 1,000 बैठकें

नई दिल्ली, एजेंसी

- उद्योग और राज्यों को जागरूक करने के लिए अगले 20 दिन होंगे कार्यक्रम

सरकार भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौते पर उद्योग और राज्यों को जागरूक करने के लिए अगले 20 दिन में देशभर में हितधारक बैठकों, कार्यशालाओं, जागरूकता अभियानों और रायशुमारी सत्रों सहित कुल 1,000 संपर्क कार्यक्रम आयोजित करेगी। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

इस कवायद का मकसद 24 जुलाई को हस्ताक्षरित व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते (सीईटीए) का प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करना और इसके लाभ को अधिकतम करना है। संबंधित मंत्रालय भी समझौते पर कार्यक्रम आयोजित करेंगे। केंद्रीय दल इस व्यापार समझौते के फायदों के बारे में जानकारी देने के लिए विभिन्न राज्यों का दौरा भी करेंगे। उद्योग मंत्री पीयूष गोयल सोमवार को यहां व्यापार समझौते पर चमड़ा और वस्त्र क्षेत्र के साथ बैठक करेंगे।

इसके साथ ही कार, सौंदर्य प्रसाधन और व्हिस्की जैसे ब्रिटिश उत्पादों पर शुल्क भी कम हो जाएगा। गोयल ने 26 जुलाई को कहा था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें पहले ही विशिष्ट उद्योग क्षेत्रों से बात करने का निर्देश दिया है, जो इस समझौते के लागू होने के बाद अब अधिक प्रतिस्पर्धी हो जाएंगे। संसद सत्र चलने तक मैं हर क्षेत्र के साथ क्षेत्रीय बैठकें करूंगा और उसके बाद सभी राज्यों का दौरा करूंगा। भागलपुर सिल्क (बिहार), पश्मीना शॉल (जम्मू और कश्मीर), कोल्हापुरी चप्पल (महाराष्ट्र) और तंजावुर गुड़िया (तमिलनाडु) अब ब्रिटेन भर के मॉल और दुकानों में प्रमुखता से दिखाई देगी।

ब्रिटेन को शुल्क में राहत की पेशकश

नई दिल्ली। भारत ने हाल ही में हस्ताक्षरित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत पेस्ट्री, पालतू पशुओं के भोजन, सौंदर्य प्रसाधन और माइक्रोवेव ओवन सहित कई ब्रिटिश वस्तुओं पर शुल्क में रियायतें दी हैं, जबकि घरेलू हितों की रक्षा के लिए संवेदनशील क्षेत्रों को इससे बाहर रखा है। पिछले बृहस्पतिवार को हस्ताक्षरित व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (सीईटीए) केक, प्रोटीन कॉन्संट्रेट, पशुओं के भोजन, साबुन, शेविंग क्रीम, डिटर्जेंट, और एयर कंडीशनर (एसी) व वाशिंग मशीन जैसे घरेलू उपकरणों जैसे ब्रिटिश उत्पादों तक शुल्क-मुक्त पहुंच प्रदान करता है।

राष्ट्रीय

ऑपरेशन सिंदूर से साबित हुआ आतंकियों व भारत के दुश्मनों के लिए कोई स्थान सुरक्षित नहीं: मोदी

प्रधानमंत्री ने कहा - सीमा पार सैन्य कार्रवाई ने पूरे देश में आत्मविश्वास पैदा किया

गंगईकोंडा चोलपुरम, एजेंसी

तमिलनाडू के राज्यपाल प्रधानमंत्री मोदी को तस्वीर भेंट करते हुए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने दुनिया को दिखाया कि अगर भारत की संप्रभुता पर हमला हुआ, तो वह किस तरह जवाब देगा और सीमा पार सैन्य कार्रवाई ने पूरे देश में एक नया आत्मविश्वास पैदा किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने यहां चोल सम्राट राजेंद्र चोल के सम्मान में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने यह भी साबित कर दिया कि भारत को निशाना बनाने वाले दुश्मनों और आतंकवादियों के लिए कोई पनाहगाह नहीं है।

यह कार्यक्रम महान चोल सम्राट राजेंद्र चोल प्रथम की जयंती को रेखांकित करता है, जिसे 'आदि तिरुवथिरई' (तमिल माह आदि में राजा का जन्म नक्षत्र तिरुवथिरई है) उत्सव के रूप में मनाया जाता है। प्रधानमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर के संबंध में कहा, दुनिया ने देखा कि अगर कोई भारत की सुरक्षा और संप्रभुता पर हमला करता है, तो वह कैसे जवाब देता है। उन्होंने कहाजब मैं हेलीपैड से यहां आया, तो तीन-चार किलोमीटर की दूरी अचानक एक रोड शो में बदल गई, और हर कोई ऑपरेशन सिंदूर की प्रशंसा कर रहा था। कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने पूरे देश में एक नई जागृति, एक नया आत्मविश्वास पैदा किया है। दुनिया को भारत की ताकत का एहसास होना चाहिए। मोदी ने कहा कि सम्राट राजराज चोल व उनके पुत्र राजेंद्र चोल-प्रथम के नाम भारत की पहचान और गौरव के पर्याय हैं। मोदी ने कहा कि लोकतंत्र पर टिप्पणी करते हुए कई लोग ब्रिटेन के मैग्नाकार्टा का जिक्र करते हैं, जबकि चोल कालीन 'कुडवोलाई प्रणाली' उससे भी पुरानी है।

लगाई जाएंगी चोल सम्राट व उनके पुत्र राजेंद्र चोल प्रथम की भव्य प्रतिमाएं

प्रधानमंत्री मोदी ने तमिलनाडु में रविवार को प्रतिष्ठित चोल सम्राट राजराजा चोल और उनके पुत्र राजेंद्र चोल प्रथम की भव्य प्रतिमाओं का निर्माण कराने की घोषणा की। प्रधानमंत्री ने राजेंद्र चोल प्रथम की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित आदि तिरुवथिरई महोत्सव को संबोधित करते हुए कहा कि ये प्रतिमाएं भारत की ऐतिहासिक चेतना के आधुनिक स्तंभ को प्रतिबिंबित करेंगी।

बिना उचित प्रक्रिया के मसौदा मतदाता सूची से कोई नाम नहीं हटाया जा सकता: ईसी

नई दिल्ली। विपक्ष के इस दावे के बीच कि बिहार की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से करोड़ों पात्र नागरिक अपने मताधिकार से वंचित हो जाएंगे, चुनाव आयोग ने कहा कि उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना मसौदा सूची से कोई भी नाम नहीं हटाया जाएगा।

एक बयान में आयोग ने एसआईआर अभ्यास के 10 उद्देश्य भी सूचीबद्ध किए ताकि यह रेखांकित किया जा सके कि यह समावेशी है और इसका उद्देश्य किसी भी पात्र नागरिक को उसके मतदान के अधिकार से वंचित करना नहीं है। ईसी ने कहा कि बिहार में प्रकाशित होने वाली मतदाता सूची का मसौदा अंतिम मतदाता सूची नहीं है। आयोग ने कहा कि बिहार की मतदाता सूची के एसआईआर के पहले चरण के समापन के बाद 7.24 करोड़ या 91.69 प्रतिशत मतदाताओं से गणना फार्म प्राप्त हो गए हैं।

हर-हर महादेव

अहमदाबाद में पवित्र श्रावण मास के दौरान लोग एक धार्मिक जुलूस में भाग लेते हैं। जुलूस में शामिल भगवान शिव और अन्य देवताओं की प्रतिमाएं। ● एजेंसी

हंगामे की भेंट चढ़े पहले सप्ताह के बाद पहलगाम व ऑपरेशन सिंदूर पर संसद में छिड़ेगी तीखी बहस

- सुरक्षा और विदेश नीति के मुद्दों पर सत्ता पक्ष-विपक्ष होंगे आमने-सामने

नई दिल्ली, एजेंसी

संसद के मानसून सत्र का पहला सप्ताह हंगामे की भेंट चढ़ने के बाद सोमवार से पहलगाम हमले और 'ऑपरेशन सिंदूर' पर तीखी बहस होने की संभावना है, क्योंकि सत्तारूढ़ गठबंधन और विपक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति से जुड़े दो मुद्दों पर आमने-सामने होंगे।

भाजपा के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) और विपक्षी दलों द्वारा लोकसभा और राज्यसभा में चर्चा के दौरान अपने शीर्ष नेताओं को मैदान में उतारे जाने की उम्मीद है। सूत्रों ने बताया कि गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर इन मुद्दों पर सरकार का पक्ष रखेंगे। ऐसे संकेत हैं कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय सुरक्षा पर अपनी सरकार के 'मजबूत' रुख के ट्रैक रिकॉर्ड से अवगत कराने के लिए हस्तक्षेप कर सकते हैं। दोनों सदनों में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव तथा अन्य नेताओं के साथ मिलकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल सकते हैं। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने 25 जुलाई को कहा था कि सत्र का पहला सप्ताह लगभग व्यर्थ चला गया था।

राहुल पाकिस्तान के विमर्श को दोहरा रहे : भाजपा

नई दिल्ली। सत्तारूढ़ भाजपा ने रविवार को राहुल गांधी पर पाकिस्तान का विमर्श आगे बढ़ाने का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि पहलगाम हमले के बाद किसी भी देश ने भारत का समर्थन नहीं किया जबकि सत्तारूढ़ दल का दावा है कि 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद सभ्य दुनिया भारत के साथ खड़ी थी। भाजपा के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, पहलगाम आतंकी हमले के बाद राहुल गांधी ने पूछा: 'किसने समर्थन किया हमें?' वे लगातार पाकिस्तान की घिसी-पिटी रट दोहराते रहते हैं कि भारत अंतरराष्ट्रीय मंच पर अकेला पड़ गया है। आइए इस झूठ को पूरी तरह उजागर करें।

निर्धारित चर्चा पर कांग्रेस बोली- देर आए दुरुस्त आए

नई दिल्ली। कांग्रेस ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर संसद में होने वाली चर्चा को लेकर रविवार को कहा कि यह चर्चा बहुत समय से लंबित थी लेकिन देर आए दुरुस्त आए। कांग्रेस ने भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव को रुकवाने के अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्तक्षेप के दावों समेत संसद में सोमवार को होने वाली इस चर्चा की पृष्ठभूमि से जुड़ी घटनाओं पर प्रकाश डाला। पार्टी नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, लोकसभा में कल से पहलगाम आतंकवादी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर 16 घंटे की बहस शुरू होगी और राज्यसभा में यह बहस परसों होगी।

सीबीआई ने 3.81 करोड़ की साइबर धोखाधड़ी में तीन को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीबीआई ने एक ही दिन में ऑनलाइन धोखाधड़ी के जरिए 3.81 करोड़ रुपये की हेराफेरी करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बताया कि एजेंसी ने सुधीर भास्कर पलांडे और एजेंट यश ठाकुर तथा शौर्य सुनील कुमार सिंह को गिरफ्तार कर लिया है, जिन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि सूचना के आधार पर सीबीआई ने एक म्यूल खाता धारक (धोखाधड़ी के लिए इस्तेमाल किया गया बैंक खाता), अज्ञात साइबर ठगों, बैंक अधिकारियों और अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

उद्धव को जन्मदिन की बधाई देने मातोश्री पहुंचे राज ठाकरे

मुंबई, एजेंसी

मनसे के प्रमुख राज ठाकरे ने अपने चचेरे भाई एवं शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता उद्धव ठाकरे से रविवार को मुलाकात कर उन्हें उनके 65वें जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं। राज दादर स्थित अपने आवास 'शिवतीर्थ' से उद्धव के बांद्रा स्थित आवास 'मातोश्री' पहुंचे।

उद्धव ने अपनी पार्टी के सांसद संजय राउत के साथ मुंबई स्थित मातोश्री बंगले के प्रवेश द्वार पर अपने चचेरे भाई का स्वागत किया। राज ने उद्धव को लाल गुलाब का एक बड़ा गुलदस्ता भेंट किया। राज ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मेरे बड़े भाई, शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के जन्मदिन के अवसर पर, मैं अपनी शुभकामनाएं देने के लिए दिवंगत माननीय बालासाहेब ठाकरे के निवास मातोश्री गया। मुलाकात की एक तस्वीर भी साझा की, जिसमें पृष्ठभूमि में उनके चाचा और उद्धव के पिता बाल ठाकरे की तस्वीर लगी हुई दिखाई दे रही है।

शिक्षा ऐसी हो जो अपने दम पर जीवित रहने में मदद करे: भागवत

कोच्चि। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो किसी व्यक्ति को कहीं भी अपने दम पर जीवित रहने में मदद कर सके। यह भी कहा कि भारतीय शिक्षा त्याग और दूसरों के लिए जीना सिखाती है और अगर कोई चीज़ किसी व्यक्ति को स्वार्थी होना सिखाती है तो वह शिक्षा नहीं है। भागवत ने यह बात यहां आरएसएस से जुड़े शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन ज्ञान सभा में कही। कहा कि दुनिया ताकत की भाषा समझती है, इसलिए भारत को आर्थिक दृष्टि से शक्तिशाली-समृद्ध बनना होगा।

शिक्षा मंत्रालय ने जेएनयू कुलपति से सफाई मांगी

नई दिल्ली। शिक्षा मंत्रालय ने जेएनयू की कुलपति शांतिश्री धुलीपुडी पंडित से एक महत्वपूर्ण सम्मेलन में उनकी अनुपस्थिति के संबंध में स्पष्टीकरण मांगा है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि यह पाया गया कि पंडित बिना औपचारिक अनुमति के केंद्रीय विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के सम्मेलन में शामिल नहीं हुईं। इस मुद्दे पर जेएनयू की कुलपति की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

सूत्र ने कहा, पंडित की अनुपस्थिति को गंभीरता से लिया गया है। ऐसी परिस्थितियों में कुलपतियों को पूर्वानुमति लेनी होती है। कुलपतियों के सम्मेलन के साथ ही जेएनयू में एक सम्मेलन आयोजित किया जाना था। लेकिन यह ध्यान में रखा जाना चाहिए था कि इस सम्मेलन के लिए निमंत्रण बहुत पहले ही दे दिया गया था। शिक्षा मंत्रालय ने 10-11 जुलाई को गुजरात के केवडिया में केंद्रीय विश्वविद्यालयों के कुलपतियों का दो दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया था।

वर्ल्ड ब्रीफ

श्रीनगर के अमरेश्वर मंदिर में छड़ी स्थापना

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में वार्षिक अमरनाथ यात्रा के तहत रविवार सुबह श्रीनगर के श्री अमरेश्वर मंदिर में 'छड़ी स्थापना' समारोह का आयोजन किया गया। महंत दीपेंद्र गिरि के नेतृत्व में साधुओं के एक समूह ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ दो घंटे से अधिक समय तक चले इस अनुष्ठान को संपन्न कराया। इस मौके पर गिरि ने कहा कि छड़ी मुबारक (पवित्र गदा) को चार अगस्त को तीर्थयात्रा के मुख्य मार्ग पर रवाना होने तक श्रीनगर के दशनामी अखाड़ा भवन स्थित मंदिर में दर्शन के लिए रखा जाएगा। इसमें एक भगवान शिव और दूसरी देवी पार्वती की है।

ऑस्ट्रेलिया में भारतीय पर जानलेवा हमला

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया में कुछ किशोरों ने भारतीय मूल के 33 वर्षीय एक व्यक्ति पर धारदार हथियार से क्रूरता के साथ हमला कर दिया जिससे उसे कई चोट पहुंची हैं और उसका हाथ भी लगभग कट गया है। पुलिस के अनुसार, सौरभ आनंद 19 जुलाई को मेलबर्न के अल्टोना मीडोज में सेंट्रल स्क्वायर शॉपिंग सेंटर के एक दवाखाने से दवाइयां लेने के बाद घर जा रहे थे, तभी किशोरों ने पीछे से उनपर हमला कर दिया। आरोपियों ने आनंद पर हमला करने से पहले उसे जमीन पर गिरा दिया। पुलिस ने तीन किशोरों को गिरफ्तार किया है।

वडोदरा : डामर प्लांट में विस्फोट से तीन मरे

वडोदरा। गुजरात में वडोदरा के पास एक संयंत्र में रविवार शाम डामर गर्म करने के दौरान एक टैंकर में विस्फोट हो गया, जिससे तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि यह घटना वडोदरा जिले के सावली तालुका के मोक्षी गांव में हुई। वाहन से चिपके हुए डामर को बैरल में डालने के लिए एक टैंकर को गर्म किया जा रहा था, तभी उसमें विस्फोट हो गया और समीप खड़े तीन लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मृतकों में वाहन का चालक और खलासी के साथ-साथ एक मजदूर भी शामिल है।

कांगो: चर्च पर हमला कर 34 लोगों की हत्या

किंशासा। इस्लामिक स्टेट समर्थित विद्रोहियों द्वारा पूर्वी कांगो में चर्च परिसर पर किए गए हमले में रविवार को कम से कम 34 लोग मारे गए। यह हमला पूर्वी कांगो के कोमांडा में एक कैथोलिक चर्च परिसर में रात लगभग एक बजे एलाइड डेमोक्रेटिक फोर्स (एडीएफ) के सदस्यों द्वारा किया गया। हमले में कई मकानों और दुकानों को भी जला दिया गया। कोमांडा में नागरिक संस्था समन्वयक, डियूडोने दुरानथाबो ने कहा, 34 से अधिक लोगों को गोली मार दी गई और हमें कम से कम तीन जले हुए शवों तथा कई मकानों के जल जाने की सूचना मिली है।

गूगल मैप ने फिर दिया धोखा खाई में गिरी महिला की कार

मुंबई, एजेंसी

नवी मुंबई में अपने गंतव्य तक जाने के लिए 'गूगल मैप्स' की मदद ले रही एक महिला की कार गलत मोड़ लेने के कारण खाई में गिर गई। पुलिस ने महिला को बचा लिया है।

पुलिस ने बताया कि महिला को बचा लिया गया। यह घटना शुक्रवार रात करीब एक बजे महाराष्ट्र में नवी मुंबई के बेलापुर इलाके में हुई। बेलापुर पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि महिला 'बे ब्रिज' जाने के बजाय 'गूगल मैप्स' के निर्देश पर गलत मोड़ लेकर ध्रुवतारा जेट्टी पहुंच गई और उसकी कार खाई में गिर गई।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने समुद्री सुरक्षा दल, उसकी नौका और स्थानीय प्राधिकारियों की मदद से महिला को बचा लिया। अधिकारी ने बताया कि घटना के समय नवी मुंबई के खारघर इलाके में सैलून का व्यवसाय करने वाली महिला अपनी कार से बेलापुर से उल्वे स्थित अपने घर जा रही थी। गूगल मैप्स की वजह से इससे पहले भी कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं।

● गलत मोड़ लेने के कारण दुर्घटना हुई, पुलिस ने महिला को बचाया

भारत में तेजी से बढ़ रहा है गिग नौकरियों का बाजार

गिग नौकरियों का अर्थ रोजगार के वह लचीला लेकिन अनौपचारिक रूप है, जिसमें काम करने वाले लोग यानी गिग वर्कर किसी संगठन से स्थाई रूप से नहीं जुड़ने के बजाय अस्थाई या प्रोजेक्ट आधारित काम करते हैं। स्थाई रोजगार की कमी से उपजा गिग नौकरियों का बाजार दिन दूनी रात चौगुनी रफ्तार से बढ़ रहा है और आज की बदलती अर्थव्यवस्था का एक अहम हिस्सा बन चुका है। नीति आयोग का अनुमान है कि अगले पांच साल में गिग नौकरियों की तादाद में तीन गुना से भी ज्यादा वृद्धि हो सकती है। इस तरह गिग नौकरियां 21वीं सदी के कार्य ढांचे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन रही हैं। यह युवाओं और अस्थाई रूप से बेरोजगार लोगों के लिए एक अवसर है लेकिन इससे जुड़ी सामाजिक सुरक्षा नीतियां पूरी तरह लागू होने तक इसे स्थाई और सुरक्षित रोजगार का विकल्प नहीं कहा जा सकता।

क्या हैं गिग नौकरियां

गिग नौकरियों में व्यक्ति एक निश्चित समय या कार्य के लिए काम करता है, जैसे- कैब ड्राइवर, फ्रीलांसर कंटेंट राइटर या ग्राफिक डिजाइनर, फूड डिलीवरी एग्जीक्यूटिव, ऑनलाइन ट्यूटर या डिजिटल मार्केटिंग, डेटा एंट्री जैसे कार्य करने वाले फ्रीलांस वर्कर।

कितनी तरह की ये नौकरियां

- बड़ी संख्या प्लेटफॉर्म आधारित गिग नौकरियां हैं। इनमें टैक्सी सेवाएं या फूड डिलीवरी जैसे काम शामिल हैं।
- फ्रीलांस पेशेवर भी इसी श्रेणी में आते हैं। इनमें लेखक, डिजाइनर, वीडियो एडिटर, अनुवादक जैसे वर्कर होते है।
- डेटा एंट्री ऑपरेटर, ऑनलाइन सर्वे और ट्रांस्क्रिप्शन करने वाले लोग माइक्रो गिग वर्कर की श्रेणी में आते हैं।
- तकनीकी, वित्तीय या कानूनी सलाह की सेवाएं देने वाले पेशेवर को कंसल्टिंग गिग वर्कर कहा जाता है।
- शिल्प या हस्तशिल्प आधारित गिग वर्कर भी होते हैं जिन्हें कई अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर काम मिलता है।

वृद्धि के कारण

- डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का प्रसार और कोविड-19 के बाद नौकरियों में लचीलापन चाहने की प्रवृत्ति।
- कंपनियों का लागत कम करना, स्थाई कर्मचारियों के बजाय गिग वर्कर्स हायर करना सस्ता होता है।
- बेरोजगारी और नौकरियों की कमी की वजह से भी युवाओं को यह विकल्प चुनना पड़ रहा है।
- स्टार्टअप संस्कृति का विकास भी एक कारण है। क्योंकि स्टार्टअप्स गिग इकोनॉमी पर निर्भर होते हैं।
- गिग इकॉनमी की वृद्धि में बेरोजगारी एक बड़ा कारक है। युवा स्थाई नौकरी का विकल्प इसमें देखते हैं।

देश में कितने गिग वर्कर

- नीति आयोग की वर्ष 2022 की रिपोर्ट के अनुसार भारत में लगभग 77 लाख गिग वर्कर हैं।
- इसमें तेजी से वृद्धि हो रही है और यह संख्या 2029-30 तक 2.35 करोड़ तक पहुंच सकती है।
- भारत में गिग वर्कर्स का हिस्सा कुल कार्यबल का 1.5% है जो कुछ वर्षों में 4.1% हो सकता है।

सरकारी नीतियां

- सरकार ने कोड ऑन सोशल सिक्योरिटी लागू किया है जिसमें गिग वर्कर्स को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने की सिफारिश की गई है।
- ई श्रम पोर्टल पर देश भर के असंगठित श्रमिकों के लिए एक राष्ट्रीय डेटाबेस बनाया गया है जिसमें गिग वर्कर भी शामिल हैं।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ

सकारात्मक : रिपोर्ट्स कहती हैं कि गिग इकॉनमी भारत में रोजगार का बड़ा स्रोत बन सकती है। यह महिलाओं और दिव्यांगों के लिए भी अवसर खोलती है।

चिंताएं : आईएलओ और कुछ अर्थशास्त्री कहते हैं कि गिग जॉब्स में शोषण की संभावना अधिक होती है। इनके लिए कोई नियम-कायदे और लाभ तय नहीं हैं।

गाजा के तीन क्षेत्रों में रोज 10 घंटे लड़ाई रोकने पर माना इजराइल

अंतर्राष्ट्रीय दबाव के बाद मानवीय मदद पहुंचाने को सुरक्षित मार्ग बनाने की घोषणा

दीर अल बलाह, एजेंसी

इजराइल की सेना ने रविवार को गाजा के तीन घनी आबादी वाले क्षेत्रों में प्रतिदिन 10 घंटे के लिए लड़ाई रोकने की शुरुआत की। यह कदम इस क्षेत्र में बढ़ती भुखमरी की चिंताओं मद्देनजर उठाया गया है। इजराइल 21 महीने से चल रहे युद्ध में अपने आचरण की वजह से अंतरराष्ट्रीय आलोचना का सामना कर रहा है।

इजराइली सेना ने कहा है कि वह बड़ी आबादी वाले गाजा सिटी, दीर अल-बलाह और मुवासी में सीमित समय के लिए युद्ध रोकेगी, ताकि मानवीय सहायता का दायरा बढ़ाया जा सके। यह रोक रविवार से शुरू होकर अगली सूचना तक स्थानीय समयानुसार प्रतिदिन पूर्वाह्न 10:00 बजे से रात 8:00 बजे तक रहेगी। सेना के मुताबिक, वह सहायता पहुंचाने के लिए सुरक्षित मार्ग बनाएगी और पहले ही गाजा में हवाई मार्ग से सहायता पहुंचाई है, जिसमें आटा, चीनी और डिब्बाबंद खाद्य सामग्री शामिल है।

खाद्य विशेषज्ञ महीनों से गाजा में भुखमरी के खतरे की चेतावनी दे रहे हैं क्योंकि इजराइल ने सहायता पर रोक लगा दी थी। उनका कहना है कि हमास अपने शासन को मजबूत करने के लिए दैनिक उपयोग की वस्तुओं में गबन करता है। हालांकि, इस दावे के लिए कोई सबूत नहीं दिया गया है। हाल के दिनों में गाजा से कमजोर बच्चों की तस्वीरें सामने आई थीं, जिसके बाद इजराइल की वैश्विक आलोचना तेज हो गई। आलोचना करने वालों में उसके करीबी भी हैं और उन्होंने युद्ध और इससे उत्पन्न मानवीय त्रासदी को समाप्त करने का आह्वान किया है।

संयुक्त राष्ट्र की खाद्य एजेंसी ने सहायता प्रतिबंधों में ढील देने के कदमों का स्वागत किया, लेकिन कहा कि गाजा में जरूरतमंद सभी लोगों तक सामान पहुंचाने के लिए व्यापक युद्धविराम की आवश्यकता है। इससे पहले, गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि इजराइल के अलग-अलग हमलों में कम से कम 27 फलस्तीनी मारे गए हैं।

उत्तरी गाजा में रविवार को इजराइल की बमबारी के बाद उठते धुएं के गुबार। ● एजेंसी

मिस्र-फ्रांस के राष्ट्रपति ने युद्धविराम पर की चर्चा

काहिरा। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अलसीसी ने शनिवार को अपने फ्रांसीसी समकक्ष इमैनुएल मैक्रों के साथ फोन पर बातचीत कर गाजा पट्टी में युद्धविराम के लिए मध्यस्थता के प्रयासों पर चर्चा की। मिस्र के राष्ट्रपति कार्यालय ने एक बयान में कहा, दोनों नेताओं ने गाजा के लोगों को पर्याप्त मानवीय सहायता उपलब्ध कराने पर जोर दिया। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय प्रस्तावों के अनुसार फिलिस्तीन मुद्दे का न्यायसंगत समाधान निकालने की जरूरत पर भी बल दिया। सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र के दौरान फिलिस्तीन को मान्यता देने के मैक्रों की घोषणा का स्वागत करते हुए सिसी ने कहा कि यह निर्णय दोराष्ट्र समाधान को लागू करने के लिए फ्रांस के प्रयासों का हिस्सा है। सिसी ने फिलिस्तीनी मुद्दे के समाधान के लिए उच्चस्तरीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन करने के उद्देश्य से फ्रांस-सऊदी पहल को मिस्र का समर्थन देने की भी पुष्टि की।

जहाज रोका, पत्रकारों सामाजिक कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया

तेल अवीव। इजराइली सेना ने फलस्तीनी क्षेत्र की नाकेबंदी तोड़ गाजा जा रहे एक राहत सहायता जहाज को रोक लिया तथा 21 अंतरराष्ट्रीय कार्यकर्ताओं और पत्रकारों को हिरासत में ले लिया। फलस्तीन समर्थक समूह 'फ्रीडम फ्लोटिला कोलेशन' ने बताया कि इजराइली सेना ने जहाज पर लदे शिशु उपयोग के लिए दूध, खाद्य सामग्री और दवा सहित सभी माल जब्त कर लिए। समूह ने कहा कि इजराइली सेना ने शनिवार आधी रात गाजा से 40 समुद्री मील दूर अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में जहाज को रोककर उसके संचार नेटवर्क को काट दिया। जहाज पर पूरा माल गैरसैन्य उपयोग के लिए था तथा यह इजराइल की अवैध नाकेबंदी के कारण भुखमरी और चिकित्सा संकट से जूझ रही आबादी को सीधे वितरित करने के लिए था।

नांगरानी उत्सव

महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले के वहल गांव में शनिवार को नांगरानी उत्सव के दौरान पारंपरिक बैल दौड़ प्रतियोगिता में हिस्सा लेता एक किसान। यह उत्सव किसानों की एकजुटता, परंपरा और खेती से गहरे संबंध का प्रतीक माना जाता है। एजेंसी

चीन : शाओलिन मठ के प्रमुख पर लगे भ्रष्टाचार यौन दुराचार के आरोप

बीजिंग। मार्शल आर्ट कुंग फू में विशेषज्ञता रखने वाले चीन के प्रसिद्ध बौद्ध मठ शाओलिन मंदिर के प्रमुख पर लगे गबन और यौन दुराचार के आरोपों की जांच की जा रही है। सरकारी अखबार 'चाइना डेली' ने बताया कि हेनान प्रांत में शाओलिन मंदिर के मठाधीश शी योंगशिन पर आपराधिक गड़बड़ियों का संदेह है, जिनमें परियोजना निधि और मंदिर की संपत्ति का गबन और दुरुपयोग शामिल है। मठाधीश ने लंबे समय तक कई महिलाओं के साथ अनुचित संबंध बनाए रखकर तथा नाजायज बच्चों को जन्म देकर बौद्ध धर्म के सिद्धांतों का गंभीर उल्लंघन किया है।

कश्मीर को सद्भाव के पुराने स्वरूप में लौटाने की जरूरत

श्रीनगर, एजेंसी

प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई ने रविवार को कहा कि ज्ञान के बिना अधिकार किसी काम के नहीं हैं। उन्होंने नागरिकों को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करने के महत्व पर जोर दिया। न्यायमूर्ति गवई ने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (एनएएलएसए) के उत्तरी क्षेत्र क्षेत्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि अतीत की विसंगतियों को दूर करने और कश्मीर को उसके पुराने स्वरूप में लौटाने की जरूरत है, जहां सभी समुदाय सद्भाव के साथ रहते थे।

उन्होंने कहा, न्यायाधीशों और वकीलों को मिलकर देश के अंतिम नागरिक के लिए न्याय सुनिश्चित करना होगा। नालसा इसी दिशा में काम करता है। हम नालसा के काम को देश के दूरदराज के इलाकों तक ले जाने की कोशिश कर रहे हैं-चाहे वह लद्दाख हो, पूर्वोत्तर हो या राजस्थान। जब तक लोगों को अपने अधिकारों का ज्ञान नहीं होगा, तब तक इन अधिकारों का कोई मतलब नहीं है। कश्मीर की पिछले 35 वर्षों की स्थिति का स्पष्ट संदर्भ देते हुए प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि कुछ विसंगतियां रही हैं, जिन्हें दूर करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, कुछ विसंगतियां रही हैं, लेकिन हमें इन्हें दूर करने के लिए काम करना होगा। न्यायाधीशों और वकीलों के बीच यह संवाद एक नया दृष्टिकोण प्रदान करेगा।

● राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के क्षेत्रीय सम्मेलन में बोले सीजेआई
● कहा- ज्ञान के बगैर किसी भी काम के नहीं होते अधिकार

सुदूर क्षेत्रों के अंतिम व्यक्ति को मिले न्याय

न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि नालसा को यह सुनिश्चित करने का अपना काम जारी रखना चाहिए कि देश के सुदूरवर्ती क्षेत्र के अंतिम निवासी को संविधान में निहित न्याय मिले। उन्होंने कहा, देश के संविधान के जरिए हमने खुद से राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक स्तर पर न्याय का वादा किया है। हमारा दायित्व है कि हम न्याय को उसकी सच्ची भावना के अनुरूप लागू करें। कानूनी बिरादरी को संविधान के सच्चे मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध होना चाहिए।

पुणे: ड्रग पार्टी पर छापा, पूर्व मंत्री के दामाद समेत सात गिरफ्तार

पुणे, एजेंसी

पुणे पुलिस ने रविवार की तड़के एक अपार्टमेंट में चल रही 'ड्रग पार्टी' में छापा मारकर मादक पदार्थ, हुक्का एवं शराब जब्त की तथा सात लोगों को गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों में महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री एकनाथ खडसे की बेटी रोहिणी खडसे के पति प्रांजल खेवलकर भी शामिल हैं।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के नेता एकनाथ खडसे ने कहा कि यह पता लगाया जाना चाहिए कि पुलिस कार्रवाई के पीछे कोई राजनीतिक उद्देश्य तो नहीं है। रोहिणी खडसे

● राकांपा (एसपी) के नेता हैं एकनाथ खडसे, मादक पदार्थ बरामद

विपक्षी राकांपा (एसपी) की महिला शाखा की प्रदेश अध्यक्ष हैं। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस की क्राइम ब्रांच ने 'रेव' पार्टी के बारे में एक गुप्त सूचना पर खराडी इलाके में स्टूडियो अपार्टमेंट में छापा मारा।

रविवार तड़के साढ़े तीन बजे छापेमारी कर यहां एक ड्रग पार्टी का भंडाफोड़ किया गया। पुलिस ने 2.7 ग्राम कोकीन जैसा पदार्थ, 70 ग्राम गांजा जैसा पदार्थ, एक हुक्का, विभिन्न हुक्का फ्लेवर, शराब और बीयर की बोतल जब्त कीं।

थाईलैंड-कंबोडिया संघर्ष विराम पर वार्ता को तैयार

बैंकॉक, एजेंसी

थाईलैंड और कंबोडिया के नेता संघर्ष समाप्त करने के लिए मलेशिया में बैठक करेंगे। थाईलैंड के प्रधानमंत्री कार्यालय ने रविवार को यह जानकारी दी। थाईलैंड और कंबोडिया के सैनिकों के बीच सीमा पर हो रहे संघर्ष को चार दिन हो गए हैं, जिसमें अब तक 34 लोगों की जान जा चुकी है तथा 1.68 लाख लोगों को विस्थापित होना पड़ा है।

प्रधानमंत्री कार्यालय के प्रवक्ता जिरायु हुआंगसाप ने बताया कि कार्यवाहक प्रधानमंत्री फुमथाम वेचायाचाई, मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के क्षेत्र में शांति प्रयासों पर चर्चा करने संबंधी निमंत्रण पर सोमवार को आयोजित होने वाली वार्ता में शामिल होंगे। जिरायु ने कहा कि फुमथाम के कंबोडियाई समकक्ष हुन मानेट भी वार्ता में शामिल होंगे, हालांकि कंबोडियाई अधिकारियों ने इसकी तत्काल पुष्टि नहीं की है। थाईलैंड और कंबोडिया की सीमा पर एक सुरंग में बृहस्पतिवार को हुए विस्फोट में पांच थाई सैनिकों के घायल होने के बाद दोनों देशों के बीच संघर्ष शुरू हो गया था।

कंबोडिया में प्रभावित लोगों को बांटी जा रही है राहत।

● मलेशिया में आज होगी बैठक, चार दिन से चल रहे संघर्ष में जा चुकी है 34 लोगों की जान

ट्रंप के प्रयासों के बाद वार्ता के लिए सहमत हुए दोनों देश

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा मध्यस्ता कराए जाने के प्रयासों के बाद थाईलैंड और कंबोडिया ने संकेत दिया था कि वे सीमा विवाद को खत्म करने के वास्ते बातचीत करने के लिए तैयार हैं। कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेट ने रविवार को कहा कि उनका देश "तत्काल और बिना शर्त युद्ध विराम" पर सहमत हो गया है। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने उन्हें बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति की फुमथाम के साथ बातचीत के बाद थाईलैंड भी हमले रोकने पर सहमत हो गया है। कूटनीतिक प्रयासों के बावजूद, दोनों देशों की विवादित सीमा के कुछ हिस्सों में रविवार को भी संघर्ष जारी रहा। दोनों पक्ष पीछे हटने को तैयार नहीं हुए तथा पुनः गोलाबारी व सैन्य गतिविधियों के लिए एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाते रहे।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 28 जुलाई, सोमवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-श्रावण, पक्ष-शुक्ल पक्ष, चतुर्थी 11.24 तक तत्पश्चात पंचमी।

आज का पंचांग

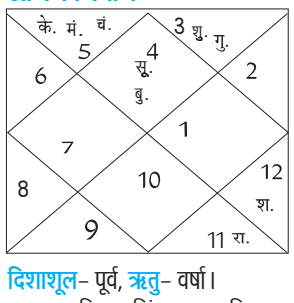

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- वर्षा।
चन्द्रबल-मिथुन, सिंह, तुला, वृश्चिक, कुम्भ, मीन।
ताराबल-अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद। नक्षत्र-पूर्वाफाल्गुनी 17.35 तक तत्पश्चात उत्तराफाल्गुनी।

मेष आज कानूनी मामलों को सुलझाने में सफल रहेंगे। अपने स्वास्थ्य के प्रति सावधान रहें। वैवाहिक समस्याओं का समाधान मिलेगा। माता-पिता आपका मनोबल बढ़ायेंगे। सामाजिक कार्यों में आप भाग ले सकते हैं।

वृष आज कारोबार में आपको थोड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। किसी मित्र और रिश्तेदार से आपको लाभ मिलने वाला है। लोग आपकी बातों को महत्व नहीं देंगे। प्राइवेट नौकरी कर रहे लोगों को बॉस का डर रहेगा। महिलाओं के लिये दिन बहुत ही अच्छा है।

मिथुन आज परिजनों और स्वयं के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पार्टी और पिकनिक में जाने से बचें। मित्रों के साथ आप बड़े गंभीर विषयों पर चर्चा करेंगे। आज व्यर्थ के झगड़ों का निपटारा कर सकते हैं। कारोबार में बिक्री बढ़ने से मन में प्रसन्नता होगी।

कर्क आज व्यापारी अपने बचे हुए माल को सेल में बेंच सकते हैं। व्यवसाय को लेकर यात्रा कर सकते हैं। अधीनस्थ कर्मचारियों से आपको लाभ प्राप्त होगा। आय के स्रोतों में वृद्धि होगी। जीवनसाथी आपका मनोबल बढ़ायेगा। राजनीति में असमंजस की स्थिति दूर होगी।

सिंह आज प्रशासन से जुड़े लोग बौद्धिक निर्णयों के लिये ख्याति प्राप्त करेंगे। स्वास्थ्य में सुधार आयेगा। आवश्यक कार्यों को समय पर पूरा कर लेंगे। बच्चे पढ़ाई में काफी बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे। तकनीकी क्षेत्र में अध्ययन कर रहे लोगों के लिये समय बहुत ही अच्छा है।

कन्या आज दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा। बच्चों की चिंता सता सकती है। मन में आप प्रसन्नता महसूस करेंगे। अपने प्रेमी से कोई भी बात न छिपायें। शोध कार्यों में आपको अच्छी सफलता मिलेगी। महत्वपूर्ण व्यापारिक निर्णयों में चूक हो सकती है।

तुला आज प्रिय जनों से अपने मन की बातें शेयर कर सकते हैं। एक साथ कई सारे काम न करें। कार्यक्षेत्र में आपका सम्मान बढ़ेगा। घर वालों के कारण आपको कुछ अनावश्यक खर्च करने पड़ सकते हैं। विदेश यात्रा होने के योग बन रहे हैं।

वृश्चिक आज आय के नए स्रोत विकसित होंगे। नजदीकी लोगों से आपको शुभ समाचार मिलेंगे। भौतिक सुख-साधनों का आनंद उठायेंगे। स्थायी संपत्ति में वृद्धि होगी। आप आलस्य त्यागकर अपने लक्ष्यों के प्रति काफी गंभीरता से आगे बढ़ेंगे।

धनु आज विद्यार्थियों को शिक्षा में ध्यान देना चाहिए। वाहन चलाते समय आपको सावधानी रखनी होगी। नकारात्मक लोगों की संगत आपको बचना चाहिए। कार्यक्षेत्र में आपको बहुत अधिक मेहनत करनी पड़ेगी। अधिकारी वर्ग की सलाह से आपको लाभ होगा।

मकर आज कार्यक्षेत्र को लेकर समस्या दूर होगी। उच्चाधिकारियों से ज्यादा बहस न करें। अधिक सोचने के कारण सिरदर्द की समस्या हो सकती है। शेयर मार्केट में संभलकर निवेश करें। कोई बड़ा कार्य पूर्ण होने से प्रसन्नता का अनुभव होगा। तकनीकी परेशानियों का अनुभव कर सकते हैं।

कुंभ आज जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। किसी नए काम की योजना बना सकते हैं। अपेक्षित कार्य के समय से पूरे न होने से थोड़े उदास हो सकते हैं। परोपकार के कार्यों में धन खर्च होगा। साथियों के बीच आपसी तनाव हो सकता है।

मीन आज सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होने के योग बन रहे हैं। कार्यशैली में सुधार लाने का प्रयास करेंगे। सन्तान के भविष्य की चिंता दूर होगी। दवा व्यापारियों को बड़ा धन लाभ हो सकता है। ससुराल पक्ष से आपको संमान प्राप्त होगा।

सुडोकू-52

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

2		3		4				
		8			7		5	
1					5			2
	2			5			3	
9			6		2			5
	1			8			4	
4			1			5		3
	6		5			9		
				2				8

सुडोकू - 51 का हल

3	1	9	6	7	4	8	5	2
2	6	7	5	1	8	4	3	9
5	4	8	9	2	3	6	7	1
4	5	1	2	3	6	7	9	8
7	3	2	8	4	9	5	1	6
9	8	6	7	5	1	2	4	3
8	9	4	3	6	5	1	2	7
1	7	3	4	8	2	9	6	5
6	2	5	1	9	7	3	8	4

शुभमन गिल को अंतिम एकादश चुनने में शायद अंतिम फैसला लेने का अधिकार नहीं था। ये फैसला पूरी तरह से कप्तान का होना चाहिए। वह शार्दुल को नहीं, कुलदीप यादव को टीम में चाहते थे।
–सुनील गावस्कर

स्टेडियम

बरेली, सोमवार, 28 जुलाई 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

स्पोर्ट्स हाईलाइट

एथलीट अंकिता ने रजत पदक जीता

राइन रूहर (जर्मनी) : स्टीपलचेज एथलीट अंकिता ने 9:31.99 सेकेंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ 3000 मीटर स्पर्धा में रजत पदक जीता जबकि पुरुषों की चार गुणा 100 मीटर रिले चौकड़ी ने कांस्य पदक अपने नाम किया जिससे भारतीय एथलीटों ने रविवार को विश्व विश्वविद्यालय खेलों (डब्ल्यूयूजी) के अंतिम दिन अपना अभियान समाप्त किया। मुनिता प्रजापति, मानसी नेगी और सेजल सिंह की तिकड़ी ने अंतिम दिन महिलाओं की 20 किमी टीम पैदलचाल में तीसरा स्थान हासिल कर कांस्य पदक जीता। भारत ने इस प्रतिष्ठित स्पर्धा में अपना अभियान दो स्वर्ण, पांच रजत और पांच कांस्य पदक के साथ समाप्त किया।

दीक्षा स्कॉटिश ओपन में 48वें स्थान पर

नॉर्थ आयशर (स्कॉटलैंड) : भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर 2025 आईएसपीएस हांडा महिला स्कॉटिश ओपन गोल्फ टूर्नामेंट के तीसरे दौर के बाद 11 स्थान के फायदे से संयुक्त रूप से 48वें स्थान पर हैं। लेडीज यूरोपीय टूर पर दो बार की विजेता 24 साल की दीक्षा ने तीसरे दौर में दो बर्डी और एक बोगी से एक अंडर 71 का स्कोर बनाया। वह दूसरे दौर के बाद संयुक्त रूप से 59वें स्थान पर थीं। टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही दो अन्य भारतीय प्रणवी उर्स और त्वेसा मलिक इससे पहले कट हासिल करने में नाकाम रहीं। इंग्लैंड की लोटी वोएड ने तीसरे दौर में पांच अंडर 67 के स्कोर से दो शॉट की बढ़त बना ली है।

आर्यन और लिखित आगे बढ़ने में नाकाम

सिंगापुर : भारतीय तैराक आर्यन नेहरा रविवार को यहां विश्व एक्वाटिक्स चैंपियनशिप में फाइनल के लिए क्वालीफाई करने से चूक गए जबकि एसपी लिखित भी अपनी स्पर्धा के सेमीफाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे। पुरुषों के 400 मीटर फ्रीस्टाइल वर्ग में प्रतिस्पर्धा कर रहे नेहरा चार मिनट 00.39 सेकेंड के समय के साथ अपनी हीट (शुरुआती दौर की रेस) में सातवें और कुल मिलाकर 37वें स्थान पर रहे। शीर्ष आठ तैराक फाइनल में पहुंचे। ऑस्ट्रेलिया के सैमुअल शॉर्ट ने तीन मिनट 42.07 सेकेंड के सबसे कम समय के साथ हीट में शीर्ष स्थान हासिल किया।

लेलाह और अन्ना फाइनल में

वाशिंगटन : लेलाह फर्नांडिज हार्ड कोर्ट टेनिस प्रतियोगिता डीसी ओपन के फाइनल में सत्र का पहला डब्ल्यूटीए खिताब जीतने उतरेंगी जबकि अन्ना कालिन्सकाया की नजरें करियर के पहले खिताब पर होंगी। अमेरिकी ओपन 2021 की उप विजेता फर्नांडिज ने 12 ऐस लगाते हुए सेमीफाइनल में शनिवार को 2022 की विंबलडन चैंपियन एलेना रिबाकिना को तीन घंटे और 16 मिनट में 6-7, 7-6, 7-6 से हराया। कालिन्सकाया ने हालांकि फर्नांडिज से आधे से भी कम समय में ऐमा राडुकानु को 6-4, 6-3 से हराकर फाइनल में जगह बनाई।

शतक की खुशी

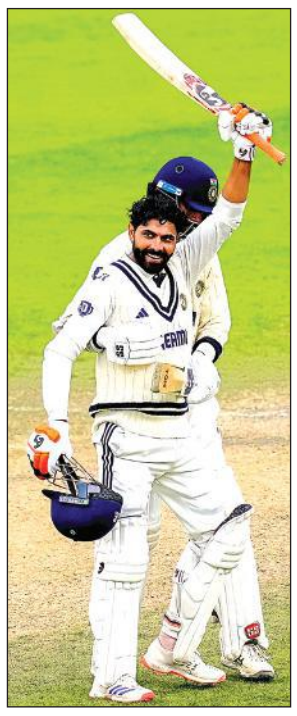

रविंद्र जडेजा। एजेंसी

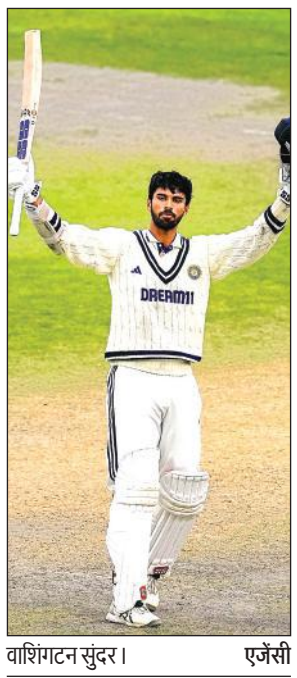

वाशिंगटन सुंदर। एजेंसी

भारतीय बल्लेबाजों ने मैनचेस्टर टेस्ट ड्रा कराया

कप्तान शुभमन, सुंदर और जडेजा के शतकों से इंग्लैंड की उम्मीदों पर फिरा पानी

मैनचेस्टर, एजेंसी

वाशिंगटन सुंदर और रविंद्र जडेजा अपनी नाबाद शतकीय पारियों के दौरान दो से अधिक सत्र तक बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट में रविवार को यहां पांचवें दिन भारत को हार के कगार से वापसी कराकर ऐतिहासिक ड्रॉ हासिल करने में सफल रहे।

पांच मैचों की इस करीबी शृंखला में इंग्लैंड अब भी 2-1 से आगे है लेकिन तीन दिन (31 जुलाई) के बाद से शुरू हो रहे पांचवें टेस्ट में अब भारत के पास शृंखला को बराबर करने का मौका होगा। पहली पारी में 311 रन से पिछड़ने के बाद भारत ने दूसरी पारी में बिना कोई रन बनाये दो विकेट गंवा दिए थे लेकिन इसके बाद बल्लेबाजों ने मजबूत दृढ़ संकल्प दिखाया और अनुकूल परिणाम हासिल किया।

मैच में भारत की वापसी का श्रेय कप्तान शुभमन गिल (238 गेंदों में 103 रन) और लोकेश राहुल (230 गेंदों में 90 रन) के बीच तीसरे विकेट के लिए हुई 188 रन की साझेदारी के साथ जडेजा (185 गेंदों में 107 रन नाबाद) और सुंदर (206 गेंदों में 101 रन नाबाद) के प्रयासों को जाता है। जडेजा और सुंदर ने पांचवें विकेट के लिए 203 रन की अटूट साझेदारी कर इंग्लैंड को मैच में वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। दोनों ने शतक जड़ने के साथ इंग्लैंड के गेंदबाजों और क्षेत्ररक्षकों को थकाने में भी योगदान दिया। जडेजा और सुंदर के शतक पूरा होने के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने हाथ मिलाए।

सुंदर के करियर का यह अपना पहला टेस्ट शतक है जबकि जडेजा ने इस प्रारूप में अपना पांचवां शतक पूरा किया। दिन के पहले सत्र में राहुल और गिल के पवेलियन लौटने के बाद जडेजा और सुंदर की धैर्य पूर्वक की गयी बल्लेबाजी ने यह 2021 के सिडनी टेस्ट में रविचंद्रन अश्विन और हनुमा विहारी की मैच बचाने वाली साझेदारी की यादें ताजा कर दी।

भारतीय विकेटकीपर ऋषभ पंत पैर में फैक्चर के बावजूद दूसरी पारी में बल्लेबाजी के लिए उपलब्ध थे, लेकिन उन्हें अपनी चोट को और बढ़ाने का जोखिम उठाने की जरूरत नहीं पड़ी। इंग्लैंड के लिए बैजबॉल युग (कोच ब्रैंडन मैकुलम के आने के बाद) यह 40 मैचों में सिर्फ दूसरा ड्रॉ टेस्ट मैच है। इससे पहले 2023 एशेज के दौरान ओल्ड ट्रैफर्ड में ही मैच ड्रॉ हुआ था लेकिन उस समय ड्रॉ का मुख्य कारण खराब मौसम था। दोनों टीमों के लिए एक लंबी और थकाऊ शृंखला में अपने तेज गेंदबाजों को फिट रखना मुश्किल हो रहा है, यह देखना दिलचस्प होगा कि 31 जुलाई से लंदन में शुरू होने वाले पांचवें टेस्ट में कितने पहली पसंद के तेज गेंदबाज हिस्सा लेते हैं।

भारत ने दिन के दूसरे सत्र में बिना कोई विकेट गंवाये 99 रन बनाकर मैच को ड्रॉ की ओर अग्रसर कर दिया था। इस समय टीम का स्कोर चार विकेट पर 322 रन था। दिन की शुरुआती सत्र में अपने आठ ओवर के स्पैल में खतरनाक दिखे इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स दूसरे सत्र में तीन ओवर के स्पैल में प्रभावित नहीं कर सके।

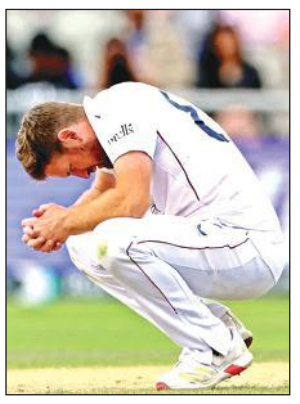

मैच ड्रा होने के बाद निराश इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स व लियाम डॉसन। एजेंसी

भारत पहली पारी : 358 रन
इंग्लैंड पहली पारी : 669 रन

भारत दूसरी पारी

425/4 (143 ओवर)

■	यशस्वी का रूट बो वोक्स	00
■	राहुल पगबाधा स्टोक्स	90
■	साई सुदर्शन का ब्रुक बो वोक्स	00
■	शुभमन का स्मिथ बो आर्चर	103
■	वाशिंगटन सुदर्शन नाबाद	101
■	रविंद्र जडेजा नाबाद	107

गेंदबाजी : क्रिस वोक्स 23-4-67-2, जोफ्रा आर्चर 23-3-78-1, ब्रायडन कार्स 17-3-44-0, लियाम डॉसन 47-11-95-0, जो रूट 19-2-68-0, बेन स्टोक्स 11-2-33-1

103 रन
238 गेंद
12 चौके

शुभमन गिल।

मैच में आया नाटकीय मोड़, स्टोक्स खफा

■ **मैनचेस्टर :** मैच उस समय नाटकीय मोड़ आ गया जब भारतीय बल्लेबाजों रविंद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर ने इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स के मैच के अंतिम घंटे की शुरुआत से पहले ड्रॉ पर सहमति जताने के प्रस्ताव को दुकरा दिया। टेस्ट मैच में यह प्रावधान है कि अगर दोनों कप्तानों को लगता है कि मैच का नतीजा आना असंभव है, तो वे हाथ मिलाकर ड्रॉ पर सहमत हो सकते हैं। मैच को ड्रॉ हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करने के बाद जडेजा और सुंदर जब क्रमशः 89 और 80 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे थे तब उन्होंने स्टोक्स के प्रस्ताव को खारिज कर दिया। स्टोक्स इसके बाद बेहद नाराज हो गए। दोनों बल्लेबाजों ने शतक के करीब होने के कारण बल्लेबाजी जारी रखने का फैसला किया। स्टोक्स के बाद जैक क्रॉली और बेन डकेट भी यह पूछते देखे गए कि भारत क्यों खेलना जारी रखना चाहता है।

जडेजा और सुंदर को पूरा हक था शतक बनाने का

मैनचेस्टर, एजेंसी

● **गिल ने जडेजा और सुंदर के बल्लेबाजी जारी रखने के फैसले का समर्थन किया**

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट में ड्रॉ सुनिश्चित करने के बाद अपनी टीम के बल्लेबाजी प्रदर्शन की सराहना की और बेन स्टोक्स के खेल जल्दी समाप्त करने के प्रस्ताव को स्वीकार न करने के फैसले का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि रविंद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर को अपने शतक तक पहुंचने का पूरा हक था।

गिल ने 103 रन बनाने के अलावा लोकेश राहुल (90) के साथ 188 रन की साझेदारी से मैच में भारत की वापसी कराई जिसके बाद जडेजा (107 नाबाद) और सुंदर (101 नाबाद) ने इंग्लैंड के गेंदबाजों को सफलता से दूर रखा। इस दौरान मैच उस समय नाटकीय मोड़ आ गया जब जडेजा और सुंदर ने इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स के मैच के अंतिम घंटे की शुरुआत से पहले ड्रॉ पर सहमति जताने के प्रस्ताव को ठुकरा दिया। बायें हाथ के ये दोनों बल्लेबाज उस समय शतक के करीब थे। गिल ने मैच के बाद पुरस्कार समारोह में कहा, निश्चित रूप से यह क्रीज पर मौजूद बल्लेबाजों पर निर्भर था। उन्होंने शानदार बल्लेबाजी की और उस समय दोनों 90 रन के करीब थे ऐसे में हमें लगा कि वे शतक के हकदार थे।

उन्होंने इस परिणाम का श्रेय बल्लेबाजों को देते हुए कहा हमारी बल्लेबाजी प्रदर्शन को लेकर पिछले कुछ दिनों से हम पर काफी दबाव था। लेकिन टीम ने जिस तरह से हमने जवाब दिया, खासकर शुरुआती दो विकेट गंवाने के बाद, वह कभी आसान नहीं था। एक बहुत ही दिलेर प्रयास था। हमारी कोशिश पिच को समीकरण से बाहर करने की थी। मैच के पांचवें दिन पिच से असामान्य उछाल थी ऐसे में हम बस गेंद दर गेंद खेलते हुए मैच को जितना हो सके उतना आगे ले जाना चाहते थे। भारत की पहली पारी के 358 रन के जवाब में इंग्लैंड ने 669 रन बनाये थे।

स्टोक्स को ब्रुक से गेंदबाजी नहीं करानी चाहिए थी: नासिर

■ इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने चौथे टेस्ट को जल्दी समाप्त करने के बेन स्टोक्स के प्रस्ताव को रविंद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर के द्वारा अस्वीकार करने के बाद हैरी ब्रुक को गेंदबाजी आक्रमण में लाने के फैसले को नासमझदारी करार दिया। हुसैन ने कहा कि जडेजा और सुंदर अपने शतकों के पूरे हकदार थे। मुझे इससे (जडेजा और सुंदर के बल्लेबाजी जारी रखने) कोई समस्या नहीं थी। इंग्लैंड को इससे समस्या लग रही थी। वे थोड़े थके हुए थे, गेंदबाज थक गए थे इसलिए वे मैदान छोड़ना चाहते थे, लेकिन दोनों खिलाड़ियों ने 80 और 90 रन तक पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत की और वे टेस्ट मैच में शतक बनाना चाहते थे। स्टोक्स को अंत में ब्रूक को गेंदबाजी करके नासमझ दिखाने की जरूरत नहीं थी।

शार्दुल नहीं, कुलदीप को खिलाना चाहते थे गिल

कुलदीप यादव।

मैनचेस्टर, एजेंसी

● **महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने कहा टीम को चुनने का अधिकार कप्तान के पास होना चाहिए**

महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर का मानना है कि शुभमन गिल को अंतिम एकादश चुनने में शायद अंतिम फैसला लेने का अधिकार नहीं था। उनका कहना है कि यह फैसला पूरी तरह से कप्तान का होना चाहिए और मुख्य कोच सहित किसी और का इस पर प्रभाव नहीं होना चाहिए।

बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को लगातार टीम में नहीं चुने जाने पर तीखी बहस छिड़ गई है, विशेषकर जो रूट के मौजूदा चौथे टेस्ट में रिकॉर्ड शतक के बाद जहां वह रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़ते हुए टेस्ट क्रिकेट में दूसरे सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। रूट के नाम अब 13,409 रन हैं और केवल सचिन तेंदुलकर (15,291 रन) उनसे आगे हैं।

गावस्कर ने सोनी स्पोर्ट्स पर कहा आखिरकार, यह कप्तान की टीम होती है। उन्होंने आगे कहा हो सकता है कि शुभमन शार्दुल को टीम में नहीं चाहते थे और कुलदीप को चाहते थे। रूट को 2018 में मैनचेस्टर और लॉर्ड्स में दो सीमित ओवरों के मैच तीन गेंद पर दो बार आउट करने के बावजूद कुलदीप अब तक पूरी टेस्ट शृंखला में बाहर रहे हैं।

आम धारणा यह है कि मुख्य कोच गौतम गंभीर ने ऐसे गेंदबाजों पर जोर दिया है जो बल्ले से योगदान दे सकें, विशेषकर हेडिंग्ले टेस्ट में भारत के तीन विकेट पर 430 रन बनाने के बावजूद अगले 11 ओवर में 471 पर ऑल आउट होने के बाद।

सुनील गावस्कर का मानना था कि कुलदीप को एकादश का हिस्सा होना चाहिए था। उन्होंने आगे कहा उसे टीम में वह मिलना चाहिए था। वह कप्तान है। लोग उसके और उसकी कप्तानी के बारे में बात करेंगे। इसलिए यह फैसला असल में उसका ही होना चाहिए।

आंतरिक मतभेदों पर गावस्कर ने इशारा किया

■ पूर्व भारतीय कप्तान का यह भी मानना था कि आंतरिक मतभेदों या चयन के मुद्दों को जानबूझकर छुपाया जा सकता है जिससे यह दिखाया जा सके कि ड्रेसिंग रूम में सब कुछ ठीक है। गावस्कर ने कहामुझे पता है कि सब कुछ ठीक-ठाक दिखाने के लिए ये बातें शायद सामने न आएं। सच तो यह है कि कप्तान जिम्मेदार है। वही एकादश का नेतृत्व करेगा। गावस्कर ने कहा कि उनके कप्तानी कार्यकाल में चीजें अलग तरह से होती थीं जब टीम का चयन पूरी तरह से कप्तान का विशेषाधिकार होता था और कोच की अवधारणा ही नहीं थी क्योंकि सब कुछ मैनेजर और सहायक मैनेजरों के बारे में था। उन्होंने कहा हमारे पास कोच नहीं थे। हमारे पास सिर्फ पूर्व खिलाड़ी ही टीम के मैनेजर या सहायक मैनेजर हुआ करते थे। वे ऐसे लोग थे जिनके पास जाकर आप बात कर सकते थे।

भारतीय टेबल टेनिस को लगातार चैंपियन देने के लिए स्पष्ट व्यवस्था की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

● **अनुभवी टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल ने नई प्रतिभा को तरासने के लिए बताए उपाय**

अनुभवी टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल का मानना है कि भारतीय टेबल टेनिस को युवा प्रतिभाओं को सीनियर स्तर पर सफलतापूर्वक आगे बढ़ने में मदद करने के लिए एक सुस्पष्ट प्रणाली की आवश्यकता है। हालांकि हाल के परिणाम उत्साहजनक रहे हैं लेकिन 43 वर्षीय शरत का कहना है कि दीर्घकालिक विकास को बढ़ावा देने वाली प्रणाली के बिना केवल प्रतिभा ही पर्याप्त नहीं है।

शरत ने पीटीआई वीडियो को बताया हम एक-दो सितारों पर निर्भर नहीं रह सकते, हमें एक ऐसी संरचना की आवश्यकता है जो लगातार चैंपियन तैयार करे। उन्होंने कहा युवा प्रतिभाएं तो बहुत हैं लेकिन मुख्य समस्या बदलाव के दौर की है... जब तक हम सही व्यवस्था नहीं अपनाते, हम जूनियर चैंपियन को सीनियर चैंपियन बनते नहीं देख पाएंगे। भारत ने 2024

एशियाई चैंपियनशिप में तीन कांस्य पदक जीते जिसमें आयहिका और सुतीर्था मुखर्जी ने महिला युगल में ऐतिहासिक पहला पदक जीता जबकि महिला टीम स्पर्धा में भी पहली बार कांस्य पदक मिला। पेरिस ओलंपिक में महिला टीम पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंची और प्री क्वार्टर फाइनल में दुनिया की चौथे नंबर की रोमानियाई टीम को हराया। एकल मुकाबलों में मनिका बत्रा और श्रीजा अकुला दोनों ही प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने में सफल रहीं।

शरत ने कहा असली चुनौती निरंतरता की है। एक पदक को दो होना चाहिए और उसे पांच या छह तक बढ़ाना होगा। शरत के अनुसार यह निरंतरता एक व्यवस्थित योजना से आएगी जिसकी शुरुआत 11 साल की उम्र के बच्चों से होनी चाहिए।

उन्होंने कहा 2036 को देखते हुए हमें उन बच्चों से शुरुआत करनी होगी जो अभी 11 या 12 साल के हैं। हम सभी इसी दिशा में प्रयास कर रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि हम जल्द ही एक व्यवस्थित बदलाव देखेंगे। भारतीय ओलंपिक संघ के खिलाड़ी आयोग के उपाध्यक्ष शरत ने नए खेल विधेयक की भी प्रशंसा की जिसमें खिलाड़ियों को तवज्जो देने वाला ढांचा है।

विधेयक के डोपिंग रोधी प्रावधानों पर शरत ने एक बेहद जरूरी बदलाव की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, ''इस बार सिर्फ खिलाड़ियों को ही सजा नहीं मिलेगी बल्कि कोच और अन्य संलिप्त लोगों को भी सजा मिलेगी।

डूरंड कप में आईटीबीपी ने मॉर्निंग स्टार को हराया

कोकराझार : भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) फुटबॉल टीम ने डूरंड कप में अपने पदार्पण को यादगार बनाते हुए रविवार को यहां ग्रुप डी मैच में 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रही कार्बी आंगलोंग मॉर्निंग स्टार एफसी (केएएमएसएफसी) को 2-1 से हराया। आई-लीग 3 में खेलने वाली केएएमएसएफसी को 23वें मिनट के बाद से ही 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा जब घाना के सेंटर-बैक बेन नैश क्वांश को रेड कार्ड दिखाया गया। दोनों टीमें मिडफील्ड पर नियंत्रण पाने की कोशिश कर रही थीं लेकिन असम की टीम ने लुनमिनलेन हाओकिप के गोल से बढत कायम की। आईटीबीपी ने एक खिलाड़ी के फायदे का इस्तेमाल करते हुए गेंद पर बेहतर नियंत्रण बनाया और पुलुंग तथा हेमराज के गोलों से जीत दर्ज कर पूरे तीन अंक हासिल किए।

विश्वास | शीर्ष खिलाड़ी बिलकिस मीर बोलीं-जलक्रीड़ा में राज्य के खिलाड़ी दे सकते हैं अहम योगदान

जम्मू कश्मीर के खिलाड़ियों में ओलंपिक पदक जीतने की क्षमता

श्रीनगर, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर की शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल बिलकिस मीर का मानना है कि बर्फ से ढकी ढलानें, ग्लेशियर से निकलने वाली नदियां और खिलाड़ियों की नयी पीढ़ी को देखते हुए शीतकालीन खेलों और जलक्रीड़ा में राज्य के खिलाड़ियों के पास देश के लिए ओलंपिक पदक जीतने की क्षमता है।

पेरिस ओलंपिक (2024) में जूरी सदस्य के रूप में देश का प्रतिनिधित्व करने वाली पहली भारतीय महिला मीर ने कहा कि वह जम्मू-कश्मीर और देश को पोडियम के शीर्ष स्थान पर देखना चाहती हैं और इस दिशा में अपने प्रयास जारी रखेंगी। श्रीनगर की इस 38 साल की खिलाड़ी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की खिलाड़ियों के साथ नियमित बातचीत की प्रशंसा की और कहा कि यह एक खिलाड़ी के लिए बड़ा क्षण है और खेल संस्कृति बनाने की दिशा में एक कदम है।

बिलकिस मीर। एजेंसी

जल क्रीड़ा खिलाड़ी मीर ने पीटीआई वीडियो को दिये साक्षात्कार में कहा मेरा सपना है कि जम्मू-कश्मीर और देश को वैश्विक मंच पर शीर्ष स्थान पर देखूं। जम्मू-कश्मीर में ओलंपिक में जलक्रीड़ा और शीतकालीन खेलों में भारत का सफलतापूर्वक नेतृत्व करने की क्षमता है क्योंकि हमारे पास प्राकृतिक संसाधन होने के साथ-साथ आवश्यक प्रतिभा भी है जिसे बस निखारने की आवश्यकता है। कयाकिंग और कैनोइंग की प्रसिद्ध खिलाड़ी रही मीर ने कहा कि उन्होंने उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, मणिपुर और देश के भीतर तथा बाहर कई अन्य जगहों पर युवा खिलाड़ियों को प्रशिक्षित किया है लेकिन हमारे बच्चों (जम्मू-कश्मीर के खिलाड़ी) में एशियाई खेल और ओलंपिक में जाने की बहुत क्षमता है और मुझे लगता है कि उनका भविष्य उज्ज्वल है।

उन्होंने कहा कि सरकार को प्रमुख खिलाड़ियों और उपलब्धि हासिल करने वालों के साथ जुड़ना चाहिए क्योंकि उनके पास अपने खेलों में विशेषज्ञता है और वे भविष्य के लिए एक खाका बनाने में सहायता कर सकते हैं। उन्होंने कहा मुझे उम्मीद है कि एक बिलकिस मीर की बजाय, यहां से हजारों लड़कियां निकलेंगी और जम्मू-कश्मीर तथा देश को गर्व महसूस कराएंगी। मीर हाल ही में तब सुर्खियों में थीं जब उन्होंने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो द्वारा दायर एक एफआईआर को रद्द करवाने के लिए अपनी तीन साल की कानूनी लड़ाई जीती।

संघर्ष भरा करियर रहा मीर का

■ मीर के 28 साल के शानदार करियर का आगाज आठ साल की उम्र में ही शुरू हो गया था। उनकी उपलब्धियों में हंगरी में 2009 कैनोइंग और कयाकिंग विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व कर आठवां स्थान हासिल करना है। उन्होंने कहा मैं जब 1990 के दशक में खेल में आई, तो मेरा संघर्ष मेरे घर के दरवाजे से ही शुरू हो गया था। जब मैंने ट्रैकसूट पहना तो आस-पास के लोग उसे गलत नजरिए से देखते थे और उनकी राय थी कि मेरी वजह से अन्य लड़कियों पर बुरा असर पड़ेगा। उन्हें कैनोइंग और कयाकिंग से जुड़ी भारत की आयु वर्ग से लेकर सीनियर टीम तक को कोचिंग देने का अनुभव है। मीर ने कहा, खिलाड़ी चाहे हारे या जीते, प्रधानमंत्री उनसे बातचीत करते हैं।